10 नवंबर 2025

सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

एनएच-120 की दुर्दशा पर जिम्मेदारों की चुप्पी, जनता परेशान, नहीं निकला समाधान 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल

पीएम मोदी ने दी उत्तराखंड को 8260 करोड़ की सौगात

एजेंसी। देहरादुन

उत्तराखंड अपना रजत जयंती वर्ष मना रहा है। राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड पहुंचे। प्रधानमंत्री ने एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। पीएम मोदी ने गढ़वाली में अपना संबोधन शुरू कर लोगों में जोश भरा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री 8140 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं पेयजल, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और कौशल विकास सहित कई प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ीं हैं। पीएम ने कहा कि जहां चाह वहां राह। हमें पता होगा कि हमारा लक्ष्य क्या है तो निश्चित ही हम आगे बढ़ेंगे। उत्तराखंड ने इसे साबित कर दिखाया है। यहां आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों की मांग बढ़ी है। यहां हर विधानसभ में योग केंद्र, होम स्टे, एक कंप्लीट पैकेज यहां बनने चाहिए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संबोधन में बीच-बीच में बार-बार गढ़वाली में संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, **एजेंसी। पटना**स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल से जुड़े प्रोजेक्ट यहां विकास की यात्रा को आगे बढ़ाएंगे। उत्तराखंड सरकार अब सेब व कीवी के किसानों को डिजिटल अनुदान देना शुरू कर रही है। कहा कि उत्तराखंड आध्यात्मिक जीवन की धड़कन है।पीएम मोदी ने कहा कि उत्तराखंड का हर गांव वैक्सीन के दायरे में आ गया है। प्रदेश की विकास की ये यात्रा अदभुत है। ये बदलाव सबको साथ लेकर चलने, हर उत्तराखंडी के संकल्प का नतीजा है। कहा कि 2047 मा भारत तै विकसित देशों की लेन मा ल्ल्याण को मेरु उत्तराखंड मेरू देवभूमि पूरी तरह से तैयार छः।

उत्तराखंड से लगाव अधिक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मेरा उत्तराखंड से कितना गहरा लगाव है, आप सब जानते हैं। जब मैं यहां आता था तो लोगों की लगन, ललक मुझे प्रेरित करती थी। उसने मुझे सही मायनों में उत्तराखंड की सामर्थ्य से परिचित कराया। ये दशक उत्तराखंड का केवल वाक्य नहीं था, मुझे आप सब पर पूरा भरोसा था। ये उत्तराखंड के उत्कर्ष का कालखंड है। जब उत्तराखंड नया बना था तब चुनौतियां कम नहीं थी। संसाधन सीमित थे, बजट नहीं होता था। ज्यादातर जरूरत केंद्र की मदद से पूरी होती थी। आज तस्वीर बदल चुकी है।पीएम मोदी ने कहा कि आज उत्तराखंड जिस ऊंचाई पर है, उसे देखकर हर उस व्यक्ति का खुश होना स्वाभाविक है, जिन्होंने राज्य के लिए संघर्ष किया था। मुझे इस बात कि खुशी है कि डबल इंजन की भाजपा सरकार उत्तराखंड के सामर्थ्य को नई ऊंचाई देने में जुटी है। मैं रजत जयंती की बधाई देता हूं। उन आंदोलनकारियों को भी श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं, जिन्होने अपने प्राणों का बलिदान दिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रजत जयंती समारोह में मौके पर उत्तराखंड को 8260 करोड़ की योजनाओं की सौगात दी। ये परियोजनाएं पेयजल, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और कौशल विकास सहित कई प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ीं हैं। उन्होंने 28,000 किसानों के खाते में फसल बीमा योजना की 62 करोड़ रुपये की रकम भी जारी की।

गुरुवायूर मंदिर पहुंचे मुकेश अंबानी, अस्पताल के लिए दान किए 15 करोड़ रुपये

एजेंसी। नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने रविवार को गुरुवायूर श्रीकृष्ण मंदिर में दर्शन किए और प्रस्तावित देवस्वम बहु-विशेषता अस्पताल के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की। गुरुवायूर देवस्वम ने अपनी आधिकारिक फेसबुक पेज पर अंबानी की यात्रा से संबंधित जानकारी और तस्वीरें साझा कीं।देवस्वम की तरफ से साझा जानकारी के मुताबिक गुरुवायूर पहुंचे। जो श्रीकृष्ण कॉलेज के मैदान में उतरा। इसके बाद वे सड़क मार्ग से मंदिर के दक्षिणी द्वार पहुंचे, जहां देवस्वम बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. वीके विजयन और अन्य सदस्यों ने उनका स्वागत किया। चूंकि यह सार्वजनिक अवकाश का दिन था और विशेष दर्शन प्रतिबंध लागू थे, अंबानी ने 25 सदस्यों के लिए व्यवस्थित नेइविलक्कु वझिपाडु कूपन के माध्यम से मंदिर में प्रवेश किया। मंदिर में उन्होंने गर्भगृह में प्रार्थना की, मंदिर की सीढ़ियों (सोपनपाड़ी) पर भेंट चढ़ाई और मुख्य पुजारी से प्रसाद लिया। पूजा-अर्चना के बाद, डॉ. विजयन ने अंबानी को मंदिर का प्रसाद और भगवान गुरुवायूरप्पन का एक स्मारक चित्र भेंट किया। इसके बाद देवस्वम अधिकारियों ने अंबानी को प्रस्तावित बहु-विशेषता अस्पताल और मंदिर के हाथियों के लिए योजनाबद्ध आधुनिक पशु चिकित्सालय के बारे में जानकारी दी। अंबानी ने दोनों परियोजनाओं के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया और अस्पताल निर्माण के लिए पहली किस्त के रूप में 15 करोड़ रुपये का चेक सौंपा।

चुनावी प्रचार पर लगा विराम, 122 सीटों पर होगी वोटिंग

- चुनाव की तैयारियां पहले से ज्यादा कड़ी, 1650 कंपनियां तैनात

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए जारी सियासी दलों के चुनावी प्रचार अभियान पर पांच बजते ही विराम लग गया। अब मतदान दो दिन बाद यानी 11 नवंबर को होगा। रविवार चुनाव प्रचार का आखिरी दिन रहा। दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। इसके लिए 45339 मतदान केंद्र बनाएं गए हैं। इनमें से 4109 बूथों को संवेदनशील बनाया गया है। इसमें 4003 अतिसंविदनशील बूथ घोषित हैं। यहां पर चार बजे तक मतदान होगा। कटोरिया, बेलहर, चैनपुर, चेनारी, गोह, नवीनगर, कुटुंबा, औरंगाबाद, रफीगंज, गुरुआ, शेरघाटी, इमामगंज, बाराचट्टी के (36 बूथ), बोधगया (200 बूथ), रजौली, गोविंदपुर, सिकंदरा, जमुई, झाझा, चकाई विधानसभा में बनाए गए बूथों पर शाम चार बजे मतदान होगा। वहीं बोधगया में 106 बूथों पर शाम पांच बजे तक मतदान होगा। इन बूथों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात रहने का निर्देश दिया गया है। दूसरे चरण के मतदान में 1302 प्रत्याशी चुनावी मैदान हैं। इनमें 1165 पुरुष उम्मीदवार, 136 महिला उम्मीदवार और एक थर्ड जेंड हैं। वहीं तीन करोड़ 70 लाख मतदाता दूसरे चरण में मतदान करेंगे। एक करोड़ 95 लाख पुरुष वोटर हैं। एक करोड़ 74 लाख महिला वोटर हैं। चार लाख चार हजार दिव्यांग वोटर हैं। 63373 सर्विस वोटर हैं। 943 थर्ड जेंडर हैं। 43 एनआरआई हैं। वहीं 18 से 19 साल के मतदाताओं की संख्या सात लाख 69 हजार 356 है। बिहार डीजीपी विनय कुमार ने कहा, ष्दूसरे चरण के चुनाव की तैयारियां पहले चरण से भी ज्यादा कड़ी हैं। जिन जिलों में मतदान होगा, उनमें से कुछ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित हैं, जैसे भारत-नेपाल सीमा से लगे सात जिले। अंतरराज्यीय सीमा से लगे जिलों में भी चुनाव हो रहे हैं। इन राज्यों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं और इन राज्यों के डीजीपी से बातचीत भी हो चुकी है।

1650 कंपनियां तैनात

बिहार डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि दूसरे चरण के चुनाव की तैयारियां पहले चरण से भी ज्यादा कड़ी हैं। जिन जिलों में मतदान होगा, उनमें से कुछ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित हैं, जैसे भारत-नेपाल सीमा से लगे सात जिले। अंतरराज्यीय सीमा से लगे जिलों में भी चुनाव हो रहे हैं। इन राज्यों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं और इन राज्यों के डीजीपी से बातचीत भी हो चुकी है। अंतरराष्ट्रीय सीमा कल सील कर दी गई थी। अंतरराज्यीय सीमा आज सील कर दी जाएगी। सीमावर्ती राज्यों में चेकपोस्ट बनाए गए हैं और संयुक्त जांच होगी। इस चरण में 1,650 कंपनियां तैनात की जा रही हैं। इसके अलावा, जिन जिलों में चुनाव होने हैं, वहां राज्य पुलिस बल तैनात किया जाएगा। सभी तैयारियां चल रही हैं। अश्वारोही दस्ता भी तैनात किया गया है। तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए कहा कि मतदान के तीन दिन बीत जाने के बाद भी आयोग ने अब तक यह नहीं बताया है कि महिलाओं और पुरुषों का मतदान प्रतिशत कितना रहा। उन्होंने पूछा, कि आखिर ये आंकड़े क्यों छिपाए जा रहे हैं। तीन दिन बाद भी वोट प्रतिशत नहीं बताया जा रहा है, इसका जवाब चुनाव आयोग को देना ही होगा।

रीवा में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने लोगों को रौंदा, 4 मौत

- जल्द होगा तमिलनाडु में होगा विधानसभा चुनाव

एजेंसी। रीवा

मध्य प्रदेश के रीवा जिले में रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है जबकि कई लोग घायल हैं। एक तेज रफ्तार गाड़ी ने सड़क पार कर रहे चार लोगों को कुचल दिया। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर हैं। गंभीर रूप से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। हादसे की जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ जमा हो गई। रीवा जिले के गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत तेंदुआ कोठार में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सड़क पार कर रहे चार लोगों को कुचल दिया। मरने वाले तीन लोग एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक तीन लोग पैदल सड़क पार कर रहे थे। जबकि एक व्यक्ति बाइक पर जा रहा था। हादसे के बाद तीन शव काफी देर तक सड़क पर ही पड़े रहे।सूचना मिलते ही गढ़ और मनगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को इलाज के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पर उनका उपचार चल रहा है। घटना के बाद नाराज ग्रामीणों ने मौके पर मुआवजे की मांग को लेकर सड़क पर जाम लगा दिया।

कानूनी सहायता केवल दान नहीं, एक नैतिक कर्तव्य

एजेंसी। नई दिल्ली

चीफ जस्टिस बीआर गवई ने रविवार को कहा कि कानूनी सहायता केवल दान या मदद करने का काम नहीं है, बल्कि यह एक नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि जो लोग कानूनी सहायता के कार्य में लगे हैं, उन्हें अपने कर्तव्य को प्रशासनिक दृष्टि और कल्पना के साथ निभाना चाहिए ताकि कानून का शासन देश के हर हिस्से तक पहुंच सके। कानूनी मदद वितरण तंत्र को मजबूत करना' पर राष्ट्रीय सम्मेलन और कानूनी सेवा दिवस के समापन समारोह में सीजेआई ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (नालसा) और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण में एक सलाहकार समिति बनाई जाए, जिसमें वर्तमान कार्यकारी अध्यक्ष और दो-तीन भविष्य के कार्यकारी प्रमुख शामिल हों, ताकि नीति निर्माण में निरंतरता बनी रही। उन्होंने कहा, इन्हें न्याय के प्रशासक की तरह सोचना चाहिए, योजना बनानी चाहिए, समन्वय करना चाहिए और नवाचार करना करना चाहिए, ताकि हर खर्च, हर दौरा और हर हस्तक्षेप वास्तव में जरूरतमंद की मदद करे। जस्टिस गवई ने कहा कि कानूनी सेवा प्राधिकरणों को अपने प्रयासों को दीर्घकालिक संस्थागत दृष्टि के साथ योजना बनानी चाहिए और उनका क्रियान्वयन करना चाहिए। उन्होंने गौर किया कि वर्तमान में प्राथमिकताएं अक्सर कार्यकारी अध्यक्ष की अवधि से तय होती हैं, जिनके पास सीमित समय होता है। उन्होंने कहा कि यह विचारों में विविधता लाता है।

ग्राहक आसानी से ऑफलाइन ट्रांजैक्शन भी कर सकते हैं

अब ऑफलाइन भी पैसे ट्रांसफर करना हुआ आसान

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में यूपीआई ने डिजिटल पेमेंट को बेहद आसान बना दिया है। आज ज्यादातर लोग नकद पैसे रखने के बजाय मोबाइल से ही भुगतान करना पसंद करते हैं। लेकिन कभी-कभी नेटवर्क समस्या या बैंक सर्वर डाउन होने के कारण यूपीआई ट्रांजैक्शन फेल हो जाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इंटरनेट के बिना भी यूपीआई से पैसे भेजे जा सकते हैं। जवाब है हां। दरअसल, अब आप यूपीआई सेवा की मदद से बिना इंटरनेट के भी ऑफलाइन पेमेंट कर सकते हैं। ऑफलाइन पेमेंट के लिए आपका मोबाइल नंबर बैंक अकाउंट से लिंक होना जरूरी है। इसके बाद अपने बैंक की ऐप या वेबसाइट से यूपीआई पिन सेट करें। एक बार यह प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद आप आसानी से ऑफलाइन ट्रांजैक्शन कर सकते हैं। सबसे पहले अपने मोबाइल के डायलर में 99 रुपए टाइप करें और कॉल बटन दबाएं। स्क्रीन पर एक मेन्यू खुलेगा जिसमें इड मनी चेक बैलेंस रिक्वेस्ट मनी जैसे विकल्प दिखाई देंगे। अब उस बैंक अकाउंट को चुनें जिससे आप भुगतान करना चाहते हैं। प्राप्तकर्ता का मोबाइल नंबर, यूपीआई आई बैंक अकाउंट नंबर और आईएफएससी कोर्ड दर्ज करें। भेजी जाने वाली राशि दर्ज करें और अंत में अपना आईएफएससी कोर्ड डालें। कुछ ही सेकंड में आपका भुगतान सफल हो जाएगा, वो भी बिना इंटरनेट कनेक्शन के। इस सेवा के जरिए आप अधिकतम 5,000 तक का ट्रांजैक्शन कर सकते हैं। हर ट्रांजैक्शन पर 0.50 का मामूली शुल्क लिया जाता है। यह सुविधा हमेशा उपलब्ध होगी। छुट्टियों में भी काम करती है और सभी मोबाइल नेटवर्क और हैंडसेट्स पर समर्थित है। सेवा के जरिए आप 5,000 तक का ट्रांजैक्शन कर सकते हैं। यह सभी मोबाइल नेटवर्क और बेसिक हैंडसेट पर भी सपोर्टेड है, यानी स्मार्टफोन न होने पर भी आप डिजिटल पेमेंट कर सकते हैं।

आईईएसएम बक्सर की मासिक बैठक में उमड़ा पूर्व सैनिकों का जनसैलाब

■ **200 से अधिक पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं ने लिया हिस्सा, 80 का भरा गया जीवन प्रमाण पत्र**

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में रविवार 9 को इंडियन एक्स-सर्विसमैन मूवमेंट (आई ई एस एम) की मासिक बैठक सैनिक कार्यालय, माँ मुंडेश्वरी अस्पताल परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आईईएसएम बक्सर के जिलाध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी ने की, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने किया।

बैठक में जिले के सभी प्रखंडों से लगभग 200 पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं ने भाग लिया। इस दौरान संगठन की एकता, सैनिक कल्याण योजनाओं और विभिन्न सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के मुख्य अतिथि आईईएसएम बक्सर के चेयरमैन डॉ. मेजर पी. के. पांडेय ने कहा कि पूर्व सैनिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने सैनिकों से एकजुटता बनाए रखने और संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। अध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी ने कहा कि सरकार द्वारा पूर्व सैनिकों के लिए चलाई जा रही सभी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक सदस्य तक पहुंचनी चाहिए ताकि कोई भी लाभ से वंचित न रहे।

उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने संगठन विस्तार पर बल देते हुए कहा कि ह्लएक सैनिक, पाँच सैनिकों को जोड़ेह्व– इसी संकल्प के साथ सभी को कार्य करना होगा। उन्होंने बताया कि हर सदस्य को मीटिंग और समारोहों में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करनी चाहिए।

उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट आर. बी. ओझा ने जिन पूर्व सैनिकों का ईसीएचएस कार्ड अब तक नहीं बना है, उन्हें शीघ्र आवेदन करने की सलाह दी। वहीं, जिला महासचिव कैप्टन श्रीनिवास सिंह ने आईटीआर फाइल करने की समयसीमा का पालन करने की अपील की। चौगाई प्रखंड अध्यक्ष कैप्टन कन्हैया पंडित ने सभी सैनिकों से अपने दस्तावेजों डिस्चार्ज बुक, पीपीओ, आधार, पैन कार्ड और बैंक पासबुक की जानकारी की जांच कर त्रुटियां होने पर सुधार कराने का अनुरोध किया।

पूर्व सैनिकों की सुविधा के लिए बैठक स्थल पर जीवन प्रमाण पत्र हेतु पांच काउंटर लगाए गए, जहां लगभग 80 पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं के जीवन प्रमाण पत्र भरे गए। इस पहल से उपस्थित सैनिकों में काफी उत्साह देखने को मिला।

बैठक के दौरान चक्की लक्ष्मण डेरा निवासी पूर्व सैनिक नायक श्रीमन्नारायण सिंह यादव के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। वे सीआईएसएफ में कार्यरत थे, जिनके सम्मान में सीआईएसएफ टीम ने शस्त्र झुकाकर अंतिम विदाई दी। इस मौके पर 20 नए सैनिकों ने आईईएसएम बक्सर की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान के साथ बैठक का समापन किया गया। अवसर पर कैप्टन बी. एन. पांडेय (सभापति), लेफ्टिनेंट आर. बी. ओझा, कैप्टन श्रीनिवास सिंह, सूबेदार मेजर आर. बी. सिंह, पेटी ऑफिसर सुरेन्द्र सिंह, सूबेदार जयेंद्र सिंह, कैप्टन कन्हैया पंडित, सूबेदार मेजर द्वारिका पांडेय, नायब सूबेदार कामख्या पांडेय, सूबेदार सुदामा प्रसाद, सूबेदार ईश्वर दयाल सिंह, सूबेदार जंगबहादुर सिंह, महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष उर्मिला देवी, बीमला देवी, कलावती देवी, सुशीला देवी, माया देवी समेत सैकड़ों पूर्व सैनिक और वीरांगनाएं मौजूद थीं।

चारों विधानसभा क्षेत्रों में 61.83 प्रतिशत हुआ मतदान, 2020 और 2024 की तुलना में बढ़ा मतदान प्रतिशत

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी. नस. गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः– सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

एनएच-120 की दुर्दशा पर जिम्मेदारों की चुप्पी, जनता परेशान, नहीं निकला समाधान

○ **अभियंताओं और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता से अनुमंडलवासी परेशान**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल के लोगों को एनएच-120 की जर्जर सड़कों से राहत मिलती नहीं दिख रही है। नया थाना से लेकर पश्चिमी रेलवे गुमटी तक तकरीबन दो किलोमीटर का यह मुख्य मार्ग खस्ताहाल हो चुका है। जगह-जगह गड्ढों में तब्दील हो चुकी सड़क पर सफर करना अब खतरे से खाली नहीं रहा। बरसात में नालियों का पानी सड़क पर बहने से गड्ढे पूरी तरह भर जाते हैं, जिससे वाहन चालक उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाते और अक्सर दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं।

नगर परिषद और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की आपसी खींचतान का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। नगर परिषद का कहना है कि एनएच की सड़क पर वह मरम्मती कार्य नहीं करा सकता, जबकि एनएच विभाग वर्षों से बहानेबाजी करते हुए सड़क सुधार की बात को टालता आ रहा है। नतीजतन यह सड़क अब लोगों की जान पर बन आई है।

हर मोड़ पर खतरे का गड्ढा, रोज होती हैं दुर्घटनाएं

राज हाई स्कूल खेल मैदान के गेट के पास सड़क पर बना गहरा गड्ढा जानलेवा बन चुका है। नाली का पानी इस गड्ढे में लगातार बहता रहता है, जिससे यह हमेशा पानी से भरा रहता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, प्रतिदिन यहां छोटे वाहन पलटते हैं और कई बार यात्री घायल होकर अस्पताल पहुंच जाते हैं। इसी तरह महरौरा मोड़ पर करीब पचास मीटर लंबी सड़क गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। इस हिस्से में रोड कटिंग का पानी जमा होकर सड़क पर बहता है, जिससे यह हिस्सा दलदल का रूप ले चुका है। यहां अक्सर ऑटो, बाइक और छोटी गाड़ियां फंस जाती हैं, जिससे घंटों तक जाम की स्थिति बनी रहती है। प्रखंड कार्यालय के गेट के पास भी यही हाल है। वहां रोड कटिंग का पानी सड़क पर बहता है, जिससे पहले से टूटी सड़क और बदतर होती जा रही है।

जनप्रतिनिधियों की चुप्पी और विभागों की टालमटोल

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इस समस्या की जानकारी नगर परिषद से लेकर एनएच विभाग के अभियंताओं तक बार-बार दी गई, लेकिन किसी ने गंभीरता नहीं दिखाई। एनएच के अभियंताओं की ओर से हर बार यह कहकर लोगों को आश्वासन दिया जाता है कि कार्य शीघ्र शुरू होगा, पर महीनों बीत गए, सड़क जस की तस है। वहीं नगर परिषद एनएच का हवाला देकर पल्ला झाड़ लेता है। लोगों का कहना है कि सड़क की मरम्मत को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो आने वाले दिनों में यह मार्ग किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। चुनाव के दौरान वादे करने वाले जनप्रतिनिधि भी अब खामोश हैं।

जनता कर रही इंतजार, कब बनेगी सड़क, कब मिलेगी राहत

एनएच-120 डुमरांव का सबसे व्यस्त मार्ग है, जहां से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं। इस मार्ग से अनुमंडल कार्यालय, विद्यालय, थाना और रेलवे स्टेशन जाने वाले नागरिकों को भारी परेशानी होती है। जलजमाव और गड्ढों से भरे इस रास्ते ने अब लोगों का सब्र तोड़ दिया है। अनुमंडलवासी अब यह सवाल उठा रहे हैं कि आखिर कब तक विभागों की जिम्मेदारी एक-दूसरे पर टालने की यह खेल चलता रहेगा। उन्हें इंतजार है उस दिन का जब एनएच विभाग इस सड़क की मरम्मत शुरू करेगा और उन्हें इस जानलेवा रास्ते से राहत मिलेगी।

स्कार्पियो बाइक की टक्कर में युवक जख्मी, हालत गंभीर

केटी न्यूज/चौसा

रविवार की शाम चौसा-बक्सर मुख्य मार्ग एक बार फिर खून से लाल हो गया। डुमडेरवा मोड़ के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक सवार को ऐसी टक्कर मारी कि देखते ही देखते सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। घायल युवक तड़पता रहा और स्कॉर्पियो चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार उत्तर प्रदेश के गहमर थाना क्षेत्र के कुतुबपुर निवासी 32 वर्षीय सोनू राय किसी कार्य से बक्सर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें सीधे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक कई मीटर दूर जा गिरी और सोनू राय गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर बेसुध पड़े रहे। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। कुछ ही देर में मुफस्सिल थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल को बक्सर सदर अस्पताल भेजा, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार, युवक को सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। मुफस्सिल थाना के एसआई चंदन कुमार ने बताया कि फरार स्कॉर्पियो की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोषी चालक जल्द गिरफ्तार किया जाएगा और वाहन जब्त होगा। उधर, स्थानीय लोगों में गुस्सा है। ग्रामीणों का कहना है कि चौसा-बक्सर मुख्य मार्ग पर आए दिन ऐसी दुर्घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन प्रशासन मौन है। डुमडेरवा मोड़ और आसपास के इलाकों में ब्रेकर या चेतावनी बोर्ड तक नहीं लगे हैं।

रेल ट्रैक पर आंदोलन बना मुसीबत, दस गिरफ्तार, रघुनाथपुर स्टेशन पर 25 मिनट थमी थी ट्रेन की रफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले के रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन पर रेल परिचालन रोकना अब आंदोलनकारियों के लिए भारी पड़ गया है। 15 सितंबर को हुए इस हंगामे के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दस प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस घटना के कारण हावड़ा-दिल्ली मुख्य रेलमार्ग पर करीब 25 मिनट तक रेल सेवाएं बाधित रहीं, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा झेलनी पड़ी थी। जानकारी के अनुसार, रेल यात्री कल्याण समिति के सदस्य और समर्थक अपनी विभिन्न मांगों, विशेषकर रघुनाथपुर स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव और यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। विरोध के बीच अचानक भीड़ रेल पटरियों पर उतर गई, जिससे अप और डाउन दोनों दिशाओं में ट्रेनों को रोकना पड़ा। मौके पर अफरा-तफरी मच गई और रेलवे प्रशासन को आपात कदम उठाने पड़े। आरपीएफ ने घटना की जांच के लिए वीडियो फुटेज, स्थानीय सूत्रों और तकनीकी माध्यमों की मदद ली। जांच में शामिल दस लोगों चंद्रशेखर, संदीप राय, हीरालाल वर्मा, नागेंद्र मोहन सिंह, निर्मल केशरी, मदन जायसवाल, सोनू दूबे, सीताराम ठाकुर, विक्रम सिंह और मुर्तजा अंसारी की पहचान की गई। शनिवार को इन सभी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरपीएफ अधिकारियों ने कहा कि रेलवे ट्रैक जाम करना केवल प्रशासनिक चुनौती नहीं, बल्कि एक गंभीर आपराधिक कृत्य है, जो यात्रियों की सुरक्षा को सीधे खतरे में डालता है। उन्होंने साफ किया कि रेलवे परिचालन में बाधा डालने वालों के खिलाफ किसी भी स्तर पर नरमी नहीं बरती जाएगी।इस कार्रवाई के बाद इलाके में हलचल मची है। स्थानीय लोग कह रहे हैं कि प्रदर्शन महज ठहराव और सुविधा बढ़ाने की मांग को लेकर था, लेकिन अब यह मामला कानून के शिकंजे में फंस गया है। रेलवे और जिला प्रशासन दोनों ने घटना के दिन स्थिति संभालने में कड़ी मशक्कत की थी।

विधानसभा चुनाव में नहीं दिखे जमीनी मुद्दे, नल-जल योजना बनी चर्चा का विषय

■ **मतदान बीत गया, पर ग्रामीण पूछ रहे, कहां गए विकास के वादे**

पीके बादल/केसठ

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में इस बार का चुनाव भले ही शांति और सादगी से सम्पन्न हो गया हो, लेकिन मतदान के बाद गांवों में अब एक नई बहस छिड़ गई है कि आखिर चुनावी मंचों से स्थानीय और जमीनी मुद्दे गायब क्यों रहे? केसठ से लेकर पोखरटोला और रामपुर तक, हर गांव में लोग इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि नेता वोट तो मांगने आए, पर विकास की असल तस्वीर पर किसी ने बात करना जरूरी नहीं समझा। ग्रामीणों का कहना है कि इस बार के चुनाव में न तो पेयजल की समस्या पर किसी ने आवाज उठाई, न ही अधूरी पड़ी सरकारी योजनाओं पर सवाल पूछा गया। सबसे ज्यादा चर्चा नल-जल योजना की विफलता को लेकर हो रही है। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत हर घर तक पाइपलाइन से पानी पहुंचाने का वादा किया गया था, लेकिन अधिकांश पंचायतों में यह योजना केवल ह्लकागजों परह्व ही चल रही है।

पाइपलाइन बिछी, पर पानी नहीं आया घरों तक

ग्रामीण बताते हैं कि केसठ, पोखरटोला, रामपुर और आस-पास के गांवों में पाइपलाइन तो बिछा दी गई, पर पानी की एक बूंद भी घरों तक नहीं पहुंची। कई जगहों पर जलमीनार (पानी की टंकी) आधी-अधूरी पड़ी है, जबकि कुछ स्थानों पर बने टैंकों की हालत जर्जर हो चुकी है। नतीजा यह है कि क्षेत्र की आधे से अधिक आबादी अब भी हैंडपंप पर निर्भर है।एक ग्रामीण ने तंज कसते हुए कहा कि ह्लसरकार कहती है हर घर नल का जल, लेकिन हमारे गांव में हर घर सिर्फ खाली नल लगा है।ह्व यह विडंबना तब और बड़ी लगती है जब चुनावी रैलियों में नेताओं की भाषणबाजी में विकास की बातें तो खूब सुनाई दीं, पर इन असफल योजनाओं की सच्चाई कोई नहीं बताना चाहता था।

वादे तो बहुत हुए, अमल नहीं

ग्रामीणों का कहना है कि हर चुनाव में नेता वादों का पिटारा खोलते हैं, लेकिन जीत के बाद वही मुद्दे ठंडे बस्ते में चले जाते हैं। इस बार भी जनप्रतिनिधि गांवों में आए तो जरूर, पर नल-जल योजना, सड़क, स्वास्थ्य या रोजगार जैसे मूलभूत सवालों पर कोई चर्चा नहीं की गई। ग्रामीणों का मानना है कि जब तक इन मुद्दों को राजनीति के केंद्र में नहीं लाया जाएगा, तब तक विकास केवल भाषणों तक सीमित रहेगा।

चुनाव रहा जातीय समीकरणों तक सीमित

जानकारों का कहना है कि डुमरांव का यह चुनाव पूरी तरह जातीय समीकरणों और राजनीतिक बयानबाजी तक सिमट गया। विकास, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विषय चुनावी प्रचार से लगभग नदारद रहे। अगर प्रत्याशी इन विषयों पर फोकस करते, तो मतदाताओं को असली विकल्प और जागरूकता दोनों मिल सकती थी।

ग्रामीणों की उम्मीदें अब भी जिंदा

अब जबकि मतदान सम्पन्न हो चुका है, ग्रामीण उम्मीद कर रहे हैं कि जो भी प्रत्याशी जीत हासिल करे, वह चुनावी मंचों से परे जाकर जमीनी हकीकत को समझे। सबसे बड़ी अपेक्षा नल-जल योजना के सुधार और पेयजल की स्थायी व्यवस्था से जुड़ी है। लोगों की मांग है कि इस बार केवल वादे नहीं, बल्कि काम दिखना चाहिए। चुनावी उत्साह के बीच यह साफ झलक गया कि जनता अब केवल नारों से नहीं, बल्कि नल से पानी बहता देखना चाहती है। डुमरांव के लोग अब विकास के असली स्वाद की प्रतीक्षा में हैं, जहां हर घर नल का जल कोई नारा नहीं, बल्कि हकीकत बने।

रामरेखा घाट से हुई यात्रा की शुरूआत, मां अहिल्या मंदिर में दीप प्रज्वलन और पूजा-अर्चना से गुंजायमान हुआ वातावरण

पंचकोशी परिक्रमा यात्रा का भव्य शुभारंभ अहिल्या धाम में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

केटी न्यूज/बक्सर

त्रेता युग की स्मृतियों को पुनर्जीवित करते हुए रविवार को ऐतिहासिक पंचकोशी परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ आस्था, श्रद्धा और भक्ति के अद्भुत संगम के रूप में हुआ। यह यात्रा भगवान श्रीराम और लक्ष्मण जी के सिद्धाश्रम आगमन की पौराणिक स्मृति में आयोजित की जाती है। सुबह-सुबह रामरेखा घाट पर गंगा पूजन और आरती के साथ इस यात्रा की शुरूआत हुई। साधु-संतों, श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों ने गंगा स्नान कर इस पावन यात्रा में भागीदारी निभाई। पूरा वातावरण ह्लजय श्रीरामह्व और ह्लहर हर गंगेह्व के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

अहिल्या धाम में हुआ पहला पड़ाव, दीप प्रज्वलन और पूजा-अर्चना से पवित्र हुई भूमि

पंचकोशी यात्रा का पहला पड़ाव अहिरौली गांव रहा, जहां श्रद्धालुओं ने मां अहिल्या मंदिर और ऋषि गौतम आश्रम में पूजा-अर्चना की। पौराणिक मान्यता है कि यहीं भगवान श्रीराम ने अपने चरणों से गौतम ऋषि की पत्नी अहिल्या को पत्थर के रूप से नारी स्वरूप में परिवर्तित कर श्रापमुक्त किया था। इस चमत्कारी प्रसंग की स्मृति में आज भी अहिरौली स्थित यह मंदिर श्रद्धा और भक्ति का केंद्र बना हुआ है।

अहिल्या धाम में साधु-संतों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच दीप प्रज्वलन किया और यात्रियों के कल्याण की कामना की। महिलाओं ने पारंपरिक ह्यलौंडा नाचह्व की परंपरा का पालन करते हुए अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए विशेष पूजा-अर्चना की। पुआ-पूड़ी और अन्य प्रसाद का वितरण हुआ, जिसे ग्रहण करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं।

मेले जैसा माहौल, हर चेहरे पर उत्साह और श्रद्धा का संगम

पूरे अहिरौली गांव का माहौल रविवार को पूर्णतः उत्सवमय बना रहा। मंदिर परिसर और आसपास की गलियों में सैकड़ों अस्थायी

दुकानें सजीं, जिनमें पूजा सामग्री, खिलौने, श्रृंगार वस्तुएं और पारंपरिक मिठाइयाँ बिकती रहीं।

बच्चों के लिए झूले, गुब्बारे और खेलकूद के साधनों ने मेले की रौनक को और बढ़ा दिया। वहीं, गुढ़ही जलेबी, लिट्टी-चोखा और अन्य देसी व्यंजनों की महक ने यात्रियों को अपनी ओर आकर्षित किया। महिलाओं ने घर-गृहस्थी की वस्तुओं और श्रृंगार सामग्री की जमकर खरीदारी की।

पौराणिक महत्व और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत पंचकोशी मार्ग

यह पंचकोशी मार्ग बक्सर के धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक वैभव का प्रतीक है। मान्यता है कि इसी पथ पर प्रभु श्रीराम ने तप, साधना, चरित्र निर्माण और लोकधर्म की स्थापना का संस्कार किया था। यही कारण है कि इस यात्रा को आत्मशुद्धि, संयम, भक्ति और लोकधर्म का प्रतीक माना जाता है। संत श्री लक्ष्मीनारायण त्रिदंडी स्वामी गंगा पुत्र ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह भूमि केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि अध्यात्म और ऊर्जा का संगम स्थल है, जहां आकर मन की शुद्धि और आत्मिक शांति की अनुभूति होती है।

अगले पड़ावों पर सामूहिक लिट्टी-चोखा और लोक-एकता का उत्सव

आयोजकों के अनुसार, पंचकोशी यात्रा के आगामी पड़ाव 10 नवंबर (सोमवार) को नदांव में नारद कुंड परिक्रमा कर श्रद्धालु खिचड़ी चोखा का प्रसाद ग्रहण कर रात्रि विश्राम करेंगे। 11 नवंबर (मंगलवार) को भभुअर, 12 नवंबर (बुधवार) को बड़का नुआंव तथा 13 नवंबर (गुरूवार) को चरित्रवन में अंतिम दिन सामूहिक लिट्टी-चोखा का आयोजन होगा। यह सामूहिक भोज लोक-एकता, सामाजिक समरसता और बंधुत्व की अनूठी परंपरा के रूप में मनाया जाता है। प्रत्येक स्थल पर श्रद्धालु रात्रि विश्राम कर अगले दिन की परिक्रमा के लिए प्रस्थान करेंगे।

प्रशासन की सतर्कता, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

बक्सर एसडीएम अविनाश कुमार ने बताया कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण इस वर्ष यात्रा पूरी तरह धार्मिक और सांस्कृतिक स्वरूप में आयोजित की जा रही है। किसी भी प्रकार का राजनीतिक प्रचार, मंचन या बैनर पूरी तरह प्रतिबंधित है। भीड़ प्रबंधन, रोड सेफ्टी, ट्रैफिक नियंत्रण, जल-प्रबंधन और साफ-सफाई के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से शांति, अनुशासन, स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने की अपील की और आश्वस्त किया कि पूरा प्रशासन इस आयोजन को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए तत्पर है।

आस्था और लोक परंपरा का संगम

पहले दिन अहिल्या धाम से आरंभ हुई पंचकोशी परिक्रमा यात्रा ने बक्सर को फिर से अपने धार्मिक और सांस्कृतिक गौरव की याद दिला दी है। लाखों श्रद्धालुओं की भागीदारी ने यह प्रमाणित कर दिया कि यह यात्रा केवल परिक्रमा नहीं, बल्कि लोक-एकता, आस्था और भारतीय संस्कृति का जीवंत उत्सव है।

तीन ईओ के आदेश बेअसर, कमल नगर जलजमाव से बेहाल

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड 18 स्थित कमल नगर के लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। पिछले एक वर्ष से अधिक समय से नाली तथा स्लैब टूटने, जलजमाव और सड़कों पर कीचड़ की समस्या झेल रहे यहां के निवासियों को अब तक राहत नहीं मिल सकी है। नगर परिषद के तीन-तीन कार्यपालक पदाधिकारियों (ईओ) के आदेश के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। मुख्य मार्ग स्टेशन रोड से जुड़ा कमल नगर कॉलोनी का प्रवेश द्वार टूटी नाली और जाम पानी से हमेशा भरा रहता है। हालत यह है कि मोहल्ले के भीतर जाने वाले रास्ते भी पानी में डूबे रहते हैं। पास ही स्थित महाराजा पेट्रोल पंप के दोनों गेटों के सामने भी पानी जमा रहता है,

जिससे पेट्रोल पंप की नालियां धंस चुकी हैं और वाहनों के आवागमन में दिक्कत होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है। वर्षों से नप से शिकायत की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। पूर्व ईओ अनिरुद्ध प्रसाद, मनीष कुमार और वर्तमान ईओ राहुलधर दूबे ने समस्या से शीघ्र मुक्ति दिलाने का आश्वासन दिया था, मगर हकीकत में कुछ नहीं बदला। मोहल्लेवासी छोटे सिंह, धीरज ठाकुर, अनिल कुमार, रमेश सिंह और बब्लू सिंह ने बताया कि बच्चों को स्कूल भेजने के लिए जलजमाव से होकर गुजरना पड़ता है। बारिश के दिनों में स्थिति और भयावह हो जाती है। लोगों का कहना है कि यदि एक सप्ताह के भीतर नाली की मरम्मत और जलनिकासी की ठोस व्यवस्था नहीं की गई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। कमल नगर की यह समस्या नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है। तीन ईओ के निदेशों के बाद भी यदि कोई सुधार नहीं हुआ, तो यह स्पष्ट है कि नप के स्तर पर गंभीरता का अभाव है। अब देखना होगा कि चेतावनी के बाद प्रशासन हरकत में आता है या कमल नगर के लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे।

अनुशासनहीनता पर गिरी गाज, बक्सर डीईओ कार्यालय के प्रधान लिपिक अनिल राय निलंबित

केटी न्यूज/बक्सर

शिक्षा विभाग में लापरवाही और अनुशासनहीनता अब भारी पड़ गई है। लंबे समय से लग रहे गंभीर आरोपों और विभागीय आदेशों की अवहेलना के चलते बक्सर जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) कार्यालय के प्रधान लिपिक अनिल कुमार राय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक, पटना प्रमंडल राज कुमार द्वारा 8 नवम्बर को निदेशक, माध्यमिक शिक्षा विभाग, बिहार के निर्देश पर की गई। सूत्रों के अनुसार, अनिल राय पर विभागीय कार्यों में अनियमितता, पद के दुरुपयोग और अनुशासनहीन आचरण से संबंधित कई गंभीर आरोप लगे थे। विभाग द्वारा उनसे कई बार लिखित स्पष्टीकरण मांगा गया, लेकिन उन्होंने हर बार टालमटोल रवैया अपनाया। अंततः उनके जवाब को असंतोषजनक पाते हुए विभाग ने कठोर कदम उठाया। कार्यालय आदेश के अनुसार, निलंबन अवधि में श्री राय का मुख्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर का कार्यालय निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें बिहार सरकारी सेवक (विनियमावली) 2005 के तहत जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। वहीं, निलंबन के बाद विभागीय कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी और आरोप पत्र अलग से जारी होगा।

जनता के दिलों में बस चुका है महागठबंधन : डॉ. मनोज पांडे

- **जनता के उत्साह से झलक रहा है बदलाव का संदेश, बोले कांग्रेस जिलाध्यक्ष बिहार एक नए युग की दहलीज पर**

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे ने कहा कि बिहार की जनता अब दिल से महागठबंधन के साथ खड़ी है। अपने तीन दिवसीय तूफानी दौरे के दौरान उन्होंने रामगढ़ और करहगर विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों का दौरा किया और लोगों से संवाद स्थापित किया। उन्होंने कहा कि गांव-गांव, गली-गली में जनता का जो उत्साह और विश्वास दिख रहा है, वह इस बात का प्रमाण है कि बिहार बदलाव की ओर अग्रसर है। अब राजनीति सेवा का माध्यम बनेगी, सत्ता का साधन नहीं। डॉ. पांडे ने कहा कि महागठबंधन अब केवल एक राजनीतिक गठजोड़ नहीं, बल्कि जनता की भावनाओं, उम्मीदों और अधिकारों का संगम बन चुका है। राहुल गांधी का दूरदर्शी नेतृत्व और तेजस्वी यादव की युवा ऊर्जा मिलकर बिहार को नई दिशा देंगे। उन्होंने कहा कि महागठबंधन का घोषणा पत्र कागज का दस्तावेज नहीं, बल्कि आम नागरिकों के सपनों का संकल्प पत्र है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी स्पष्ट किया कि महागठबंधन की सरकार आने पर हर निर्णय जनता की भलाई को ध्यान में रखकर लिया जाएगा। यह सरकार किसी एक वर्ग की नहीं, बल्कि हर वर्ग, हर समुदाय की सरकार होगी। उन्होंने कहा कि बिहार की असली आत्मा समानता और सम्मान में है और महागठबंधन इसी आत्मा को साकार करने का संकल्प लेकर चला है। अपने दौरे के दौरान डॉ. पांडे ने करहगर विधानसभा क्षेत्र के कोचस सहित कई गांवों का भ्रमण किया और महागठबंधन प्रत्याशी संतोष मिश्रा की जीत को सुनिश्चित बताया। वहीं रामगढ़ विधानसभा में उन्होंने महागठबंधन प्रत्याशी अजीत कुमार की जीत को अपार बहुमत से तय करार दिया। बक्सर लौटने के बाद प्रेस से बातचीत में डॉ. पांडे ने कहा कि जिस आत्मीयता और स्नेह से जनता ने उनका स्वागत किया, वह उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि जनता का यह प्रेम और भरोसा ही हमारी असली ताकत है, यही हमें संघर्ष से सफलता की ओर ले जाएगा। महागठबंधन जनता का आंदोलन है, और इस आंदोलन की जीत निश्चित है। इस तूफानी दौरे में डॉ. पांडे के साथ कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष संजय पांडे, वरिष्ठ नेता रोहित उपाध्याय, संतोष भारती, हरेंद्र यादव, अरविंद कुमार सिंह, राजू यादव सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे।

विपक्ष को करारा जवाब: 'बीमार' कहने वालों की नीतीश ने कर दी बोलती बंद, 84 चुनावी रैलियों को किया संबोधित

एजेंसी। पटना

जो लोग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बीमार कहते थे, यह भी कहते थे कि नीतीश कुमार थक चुके हैं, उन्हें आराम की जरूरत है। ऐसे लोगों की बोलती खुद नीतीश कुमार ने बंद कर दी है। विपक्ष के बीमार वाले तंज का जवाब नीतीश कुमार ने चुनावी मैराथन से दिया है। बिहार विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार ने कुल 84 चुनावी रैलियां की जिसमें 11 सड़क मार्ग और 73 हवाई मार्ग से जनसभाएं की। बिहार विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने दमदार चुनाव प्रचार से विपक्ष की बोलती बंद कर दी है। जो लोग उनकी उम्र और स्वास्थ्य पर सवाल उठा रहे थे, वो भी नीतीश कुमार की लगातार हुई सभाओं को देखकर हैरान रह गया। नीतीश कुमार ने खुद को सबसे सक्रिय स्टार प्रचारक साबित करके दिखाया है। उन्होंने ताबड़तोड़ चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। इतना ही नहीं 1000 ड्ट सड़क यात्रा कर 8 विधानसभा क्षेत्रों में उन्होंने लोगों से सीधा जनसंपर्क भी किया। आज भी उन्होंने चुनाव प्रचार किया। रोहतास के नोखा में उन्होंने जेडीयू प्रत्याशी नागेन्द्र चंद्रवंशी के समर्थन में वोट करने की अपील की। कहा कि बिहार के विकास के लिए वो एनडीए को विजयी बनाए और बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनाए। उन्होंने बिहार को विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया। नोखा से पहले उन्होंने औरंगाबाद और नवीनगर में भी सभा की। वहां उन्होंने कहा कि बिहार में फिर से डबल इंजन की सरकार बनेगी। मोदी और नीतीश की जोड़ी पर लोगों को भरोसा है। उन्होंने वादा किया कि एनडीए की सरकार आने पर बिहार का सर्वांगीण विकास होगा। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार का शोर आज शाम पांच बजे थम गया। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन दोनों ही गठबंधनों ने नेताओं ने अपना पूरा जोर लगा दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी रोहतास के करगहर में चुनावी सभा को संबोधित किया और लोगों से वोट की अपील की। दरअसल, करगहर विधानसभा के इटवाडीह मे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एनडीए गठबंधन के जेडीयू प्रत्याशी वशिष्ठ सिंह के पक्ष मे चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नीतीश-मोदी की साझेदारी ने बिहार को जंगल राज से मुक्त कराया और वंशवाद की राजनीति को खत्म किया। नीतीश कुमार ने लालू परिवार पर तीखा हमला बोलते वह कहां की 2005 से पहले बिहार में डर और भय का माहौल था। उस समय पढ़ाई, बिजली, सडक एवं अन्य व्यवस्था नहीं थी। बिहार में सभी जाति धर्म के लोगों के लिए काम किया गया है और आगे भी काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले वाले ने कोई काम नहीं किया है, उसे वोट मत दीजिएगा। इस दौरान उन्होंने जदयू प्रत्याशी वशिष्ठ सिंह को मत देने की अपील की। बता दें कि सीएम नीतीश कुमार ने रोहतास जिला में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन आज नोखा तथा काराकाट में भी चुनावी सभा को संबोधित किया।

एक नजर

वाहनों को क्षतिग्रस्त करने और आर्म्स एक्ट सहित आठ मामले दर्ज

सहार। चौरी थाना क्षेत्र के दुलमचक गांव में विधानसभा चुनाव के दिन दो गुटों में मारपीट, पुलिस टीम पर हमला, वाहनों को क्षतिग्रस्त करने तथा आर्म्स एक्ट सहित आठ मामले दर्ज किये गये हैं. बता दें कि विधानसभा चुनाव के दिन दो पक्ष आपस में टकरा गये थे, जहां पुलिस के सख्त रवैया के कारण मामला शांत हुआ था. वहीं, दूसरे दिन गुलजारपुर के युवक के पास हथियार बरामद होने के बाद एक पक्ष के द्वारा मारपीट की जा रही थी, जहां पुलिस के द्वारा रोकने पर पुलिस टीम पर लाठी-डंडा एवं ईंट-पत्थर से हमला किया गया था, जिसमें चौरी थानाध्यक्ष सहित आधा दर्जन पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी तथा ग्रामीण जख्मी हुए थे. वहीं, पुलिस गाड़ी और प्राइवेट गाड़ियों को क्षतिग्रस्त किया गया था. साथ ही सुधा डेयरी, राशन दुकान में भी क्षति की गयी थी, जिसको लेकर पुलिस के द्वारा तीन मामले दर्ज किये गये हैं. वहीं, एक पक्ष के द्वारा एक तथा दूसरे पक्ष के द्वारा तीन मामले दर्ज कराये गये हैं. वहीं तीसरे पक्ष के द्वारा एक मामला दर्ज किया गया है. इसकी जानकारी चौरी थानाध्यक्ष जयराम शुक्ला ने दी. वहीं, दुलमचक में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए जिलाधिकारी और एसपी के द्वारा मजिस्ट्रेट और पुलिस पदाधिकारी तथा पुलिस कर्मियों को लगाया गया है. जहां स्थिति अभी सामान्य है।

बेतिया में विनय बिहारी को लड्डू से तौला गया आम्रपाली दुबे-आनंद मोहन ने रोड शो कर मांगा वोट

बेतिया। रविवार को बेतिया के लौरिया विधानसभा के कटैया वार्ड संख्या 6 में ग्रामीणों ने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी विनय बिहारी को लड्डू से तौलकर पारंपरिक सम्मान दिया। इस मौके पर स्थानीय लोगों ने क्षेत्रीय परंपराओं और सामाजिक अपनत्व की झलक दिखाई। सम्मान ग्रहण करते हुए विनय बिहारी ने कहा कि यह सम्मान मेरे लिए प्रेरणा है। मैं क्षेत्रवासियों के विश्वास और अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए लगातार प्रयासरत रहूंगा। जनता का सहयोग और स्नेह ही विकास कार्यों की ताकत है। वही भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे और अभिनेता आनंद मोहन ने रोड शो कर विनय बिहारी के लिए वोट मांगा। भोजपुरी स्टार को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

श्रेयसी सिंह के लिए जमुई में 10 किमी लंबा रोड शो, स्मृति ईरानी और अश्विनी चौबे रहे मौजूद

जमुई। जमुई में दूसरे चरण के चुनाव प्रचार के अंतिम दिन रविवार को केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने एनडीए प्रत्याशी श्रेयसी सिंह के समर्थन में 10 किलोमीटर लंबा रोड शो किया। दोनों नेता हेलीकॉप्टर से जमुई के पुलिस लाइन मैदान पहुंचे, जहां पार्टी कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वे एक खुले वाहन में सवार होकर रोड शो के लिए रवाना हुए। यह रोड शो कटौना चौक से शुरू हुआ और नगर परिषद क्षेत्र के जमुई-मलयपुर मुख्य मार्ग से होते हुए खैरमा, सतगामा, झाझा बस स्टैंड, कचहरी चौक, महराजगंज चौक और अटल बिहारी चौक तक पहुंचा। जुलूस का समापन बोधवन तालाब चौक पर हुआ।पूरे रास्ते में भारी भीड़ उमड़ी, जिसने पुष्पवर्षा कर नेताओं का स्वागत किया। भाजपा महिला मोर्चा और युवा मोर्चा के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। महिलाएं केसरिया दुपट्टा और झंडे लिए सड़क किनारे खड़ी थीं, जबकि सैकड़ों युवा बाइक के साथ रोड शो में मौजूद रहे।

बगहा में डॉ. भीमराव आंबेडकर विद्यालय का छज्जा गिरा, तीन किशोर घायल

बगहा। बगहा दो प्रखंड के सीधाव स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर आवासीय विद्यालय का छज्जा गिरने से रविवार को तीन किशोर घायल हो गए। बताया जा रहा है कि तीनों युवक विद्यालय परिसर में खेल रहे थे, तभी अचानक छज्जा गिर गया और वे उसकी चपेट में आ गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल बगहा लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद एक किशोर को बेहतर इलाज के लिए बेतिया जीएमसीएच रेफर कर दिया गया।घायलों की पहचान प्रिंस कुमार और हरेराम के रूप में हुई है, जबकि तीसरे घायल की पहचान अभी नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों ने विद्यालय भवन की जर्जर स्थिति पर नाराजगी जताई है और प्रशासन से भवन की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है।

बिहार की बदनाम गली में मासूम बच्ची को बेचने आए दलाल की जमकर पिटाई

मिठनपुरा । शहर के मिठनपुरा थाना क्षेत्र स्थित बदनाम गली यानी रेड लाइट एरिया में शनिवार को एक नर्तकी ने इंसानियत की अनूठी मिसाल पेश की है। दरभंगा जिले का रहने वाला मुकेश नामक युवक एक मासूम बच्ची को बेचने यहां पहुंचा था। नर्तकी ने हिम्मत दिखाते हुए उससे पूछताछ की, शक होने पर आसपास के लोगों ने भीड़ जमा कर युवक की पिटाई कर दी। हालांकि पिटाई के बाद भी आरोपी ने सच नहीं बताया। नर्तकी ने तुरंत डायल 112 की मदद से पुलिस को सूचना दी। आरोपी मुकेश को मासूम बच्ची सहित पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस दोनों को मिठनपुरा थाने ले गई। नर्तकी ने कहा कि कि हमारा इलाका बदनाम जरूर है, लेकिन इंसानियत जिंदा है। ऐसे दलालों की वजह से ही हम बदनाम होते हैं। मिठनपुरा थानाध्यक्ष संतोष कुमार पंकज ने बताया है कि दरभंगा का युवक मुकेश बच्ची की तस्करी के इरादे से रेड लाइट एरिया पहुंचा था। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बच्ची को सुरक्षित रखा गया है। वरीय अधिकारियों को अवगत कराया गया है, पूछताछ के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अमित शाह ने सासाराम की रैली में सोनिया गांधी मनमोहन सिंह और लालू का नाम लेकर तीखी टिप्पणी

एजेंसी। पटना

गृहमंत्री अमित शाह ने सासाराम में सभा को संबोधित करते हुए आतंकवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा और अवैध घुसपैठियों के मुद्दे को उछाला तथा विपक्षी नेताओं पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकारों के समय आतंकवादियों पर कार्रवाई ढीली रहती थी, जबकि नरेंद्र मोदी सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं। अमित शाह ने कहा, ह्लजब सोनिया, मनमोहन और लालू के समय था, तो आतंकवादी घुस आते थे, हमारे देश में हमला करते थे और भाग निकलते थे, कोई सवाल नहीं करता था। नरेंद्र मोदी सरकार आने के बाद उरी हमले के जवाब में सर्जिकल स्ट्राइक की गई और पुलवामा हमले के बाद हवाई कार्रवाई की गई। पाहलगाम में हमारे टूरिस्टों से उनके धर्म के बारे में पूछा गया और उन्हें मारा गया। 22 दिनों में हमने ऑपरेशन सिंदूर करके पाकिस्तान में घुसकर आतंकवाद को समाप्त करने का काम किया।ह्वउन्होंने शस्त्राई स्वर में कहा, ह्लयहां मां शाक्तिपीठ की पवित्र भूमि पर मैं कहता हूं, अगर आतंकवादी गोली चलाएंगे तो हम गोलाबारी से जवाब देंगे। क्या आप जानते हैं वह गोला कहां बनेगा? प्रधानमंत्री मोदी बिहार में डिफेंस कॉरिडोर बनाएंगे और एक आर्डनेंस फैक्ट्री स्थापित की जाएगी।ह्वघुसपैठियों के मुद्दे पर अमित शाह ने आरोप लगाया कि कुछ विपक्षी नेता विशेषकर राहुल और तेजस्वी घुसपैठियों के समर्थन में यात्रा निकालते हैं। उन्होंने कहा, ह्लकुछ दिन पहले राहुल और तेजस्वी ने एक यात्रा निकाली थी, ये यात्रा उन्होंने घुसपैठियों को बचाने के लिए निकाली थी। हमारे देश में घुसपैठिये हमारे युवाओं की नौकरियां छीन रहे हैं, गरीबों के राशन में अपना हिस्सा ले रहे हैं और देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं।ह्वअमित शाह ने स्पष्ट किया, ह्लराहुल और तेजस्वी जो करना चाहें, करने दें, मैं आज सासाराम की धरती से यह कहता हूं कि हम बिहार और देश से एक-एक घुसपैठिए को निकालने का काम करेंगे। उन्होंने (राहुल और तेजस्वी) घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बना लिया है। हमें घुसपैठियों के वोट नहीं चाहिए, हम सासाराम के युवाओं के वोट और मेहनती दीदियों के वोट से जीतने आए हैं।ह्व सभा में अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमाओं के उल्लंघन तथा स्थानीय युवाओं के रोजगार जैसे मुद्दों पर जोर देते हुए सरकार की नीतियों का बचाव किया और जनता से बीजेपी का समर्थन मांगते हुए कहा कि वह बिहार और देश की रक्षा के लिए सख्त कदम उठाते रहेंगे।

भोजपुर जिले में, एनडीए को वापसी की आस, गढ़ बचाने के लिए महागठबंधन

एजेंसी/आरा

2005 से बिहार की सत्ता पर काबिज नीतीश सरकार-1 के बाद हुए 2010 के विधानसभा चुनाव में भोजपुर जिले में राजग (तब जेडीयू-भाजपा गठबंधन) का प्रदर्शन सबसे मजबूत माना गया था। गठबंधन ने जिले की सात में से पांच सीटों पर जीत दर्ज की थी और भोजपुर बेल्ट में अपनी पकड़ का स्पष्ट संकेत दिया था। इसी पुराने प्रदर्शन को आधार बनाते हुए इस बार भी राजग का स्थानीय नेतृत्व 15 साल पहले के ह्यरीपीट रिजल्टह्ण की उम्मीद जताने लगा है। मतदान समाप्त होते ही दोनों गठबंधन बूथ-स्तर पर समीक्षा में जुट गए हैं। प्रभारियों से रिपोर्ट लेकर प्रत्येक बूथ पर हुए अनुमानित वोट-शेयर का जोड़-घटाव किया जा रहा है। किस वर्ग का रुझान किस ओर गया, किस क्षेत्र में टूट-फूट या स्विंग रहा, इसकी आंतरिक रिपोर्ट के आधार पर नफा-नुकसान का आकलन जारी है। 2010 के चुनाव

में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ओर से आरा, अगिआंव, संदेशऔर शाहपुर में भाजपा ने जीत दर्ज की थी। जबकि, एक सीट तरारी पर जदयू को सफलता मिली थी। भाजपा की ओर से अगिआंव सुरक्षित सीट से शिवेश राम, आरा से अमरेन्द्र प्रताप सिंह, संदेश से संजय सिंह टाइगर और शाहपुर से मुन्नी देवी ने अच्छे अंतर से चुनाव में जीत दर्ज की।वहीं, तरारी में सुनील पांडेय जदयू के ध्वज वाहक बजे। उस चुनाव में राजद को बड़हरा और जगदीशपुर में सफलता मिली थी। वर्तमान चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी राघवेंद्र प्रताप सिंह तब राजद के उम्मीदवार के रूप में जीत दर्ज की थी, जबकि प्रचंड लहर के बावजूद एनडीए जगदीशपुर में राजद का किला भेदने में असफल रहा था और लालू प्रसाद के सिपहसलार दिनेश यादव चुनाव जीते थे।

खौलते तेल की कड़ाई में गिरी होमगार्ड के साथ दो लड़कियां, जानें फिर क्या हुआ

एजेंसी/पटना

बिहार के भागलपुर से एक दर्दनाक खबर सामने आई है, जहां तातारपुर चौक के पास एक भयावह हादसे में दो छात्राएं और एक महिला होमगार्ड गंभीर रूप से झुलस गईं। यह हादसा उस समय हुआ जब एक टोटो खौलते तेल की कड़ाही से टकरा गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तुरंत सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों ने बताया कि तीनों की हालत फिलहाल स्थिर है, हालांकि दो युवतियां 50 प्रतिशत से अधिक जल चुकी हैं। जानकारी के अनुसार, घायल 25 वर्षीय कोमल कुमारी कहलगांव थाना क्षेत्र के एकचारी गांव की रहने वाली हैं और फिलहाल होमगार्ड में तैनात हैं। वे किसी काम से टोटो से भागलपुर पुलिस लाइन के पास स्थित कंबाइंड बिल्डिंग जा रही थीं। दूसरी ओर,

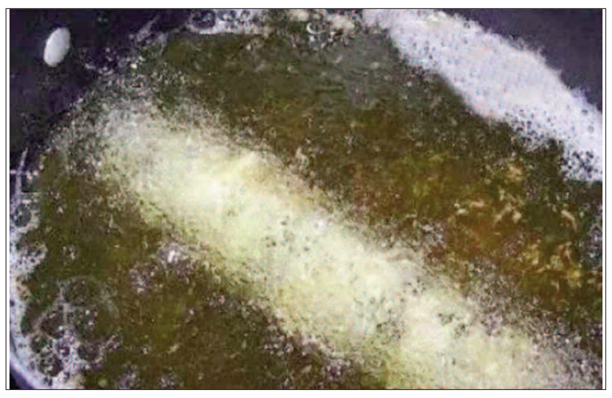

गोराडीह डंडागांव की रहने वाली 20 वर्षीय रतनमाला टीएनबी कॉलेज में पीजी की छात्रा हैं, जबकि बावनबीघा गांव की रहने वाली 20 वर्षीय प्रिया कुमारी टीएनबी कॉलेज में बीए की छात्रा हैं। तीनों एक ही टोटो पर सवार थीं और कॉलेज से स्टेशन चौक की ओर जा रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तातारपुर चौक से पहले पेट्रोल पंप के पास एक बाइक सवार अचानक सामने आ गया। टोटो चालक ने उसे बचाने के प्रयास में गाड़ी को तेज मोड़ दिया, जिससे टोटो पास की एक दुकान में जा घुसा। दुकान में उस समय तेल की बड़ी कड़ाही खौल रही थी, और टोटो के टकराने से तीनों महिलाएं कड़ाही में गिर पड़ीं। मौके पर चीख-पुकार मच गई और लोग मदद के लिए दौड़े। स्थानीय लोगों ने किसी तरह उन्हें बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। घायल छात्रा प्रिया ने बताया कि हादसे के दौरान वह दर्द से कराह रही थी, तभी मौके का फायदा उठाकर किसी ने उसका मोबाइल फोन चोरी कर लिया।

चुनावी प्रचार पर लगा विराम, अब दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को 122 सीटों पर होगी वोटिंग

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए जारी सियासी दलों के चुनावी प्रचार अभियान पर पांच बजते ही विराम लग गया। अब मतदान दो दिन बाद यानी 11 नवंबर को होगा। आज चुनाव प्रचार का आखिरी दिन रहा। दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। इसके लिए 45339 मतदान केंद्र बनाएं गए हैं। इनमें से 4109 बूथों को संवेदनशील बनाया गया है। इसमें 4003 अतिसंविदनशील बूथ घोषित हैं। यहां पर चार बजे तक मतदान होगा।कटोरिया, बेलहर, चैनपुर, चेनारी, गोह, नवीनगर, कुटुंबा, औरंगाबाद, रफीगंज, गुरुआ, शेरघाटी, इमामगंज, बाराचट्टी के (36 बूथ), बोधगया (200 बूथ), रजौली, गोविंदपुर, सिकंदरा, जमुई, झाझा, चकाई विधानसभा में बनाए गए बूथों पर शाम चार बजे मतदान होगा। वहीं बोधगया में 106 बूथों पर शाम पांच बजे तक मतदान होगा। इन बूथों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात रहने का निर्देश दिया गया है। सरे चरण के मतदान में 1302 प्रत्याशी चुनावी मैदान हैं। इनमें 1165 पुरुष उम्मीदवार, 136 महिला उम्मीदवार और एक थर्ड जेंड हैं। वहीं तीन करोड़ 70 लाख मतदाता दूसरे चरण में मतदान करेंगे। एक करोड़ 95 लाख पुरुष वोटर हैं। एक करोड़ 74 लाख महिला वोटर हैं। चार लाख चार हजार दिव्यांग वोटर हैं। 63373 सर्विस वोटर हैं। 943 थर्ड जेंडर हैं। 43 एनआरआई हैं।

तैयारियां पहले चरण से भी ज्यादा कड़ी हैं: डीजीपी

बिहार डीजीपी विनय कुमार ने कहा, श्दूसरे चरण के चुनाव की तैयारियां पहले चरण से भी ज्यादा कड़ी हैं। जिन ज़िलों में मतदान होगा, उनमें से कुछ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित हैं, जैसे भारत-नेपाल सीमा से लगे सात ज़िले। अंतरराज्यीय सीमा से लगे ज़िलों में भी चुनाव हो रहे हैं। इन राज्यों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं और इन राज्यों के डीजीपी से बातचीत भी हो चुकी है।सुरक्षा इंतजामों की जानकारी देते हुए डीजीपी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा कल सील कर दी गई थी। अंतरराज्यीय सीमा आज सील कर दी जाएगी। सीमावर्ती राज्यों में चेकपोस्ट बनाए गए हैं और संयुक्त जांच होगी। इस चरण में 1,650 कंपनियां तैनात की जा रही हैं। इसके अलावा, जिन ज़िलों में चुनाव होने हैं, वहां राज्य पुलिस बल तैनात किया जाएगा। सभी तैयारियां चल रही हैं। अश्वारोही दस्ता भी तैनात किया गया है।

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बोले, हम आरक्षण के भी पूजक हैं और कमंडल के उपासक भी

एजेंसी। पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता पूरी तरह से एनडीए के साथ है। उन्होंने दावा किया कि 11 नवंबर को होने वाले मतदान में एनडीए प्रचंड जीत हासिल करेगा। तारापुर विधानसभा के प्रत्याशी सम्राट चौधरी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि 11 नवंबर को भारी संख्या में मतदान करें और विकास, सुरक्षा व स्थिरता के लिए एनडीए की सरकार दोबारा बनाएं।"रानी के पेट से राजा पैदा नहीं होता... लालू भी तो यही कहते थे। सम्राट चौधरी ने कहा कि भाजपा शासनकाल में रोजगार, शिक्षा और उद्यमिता को लेकर बड़े पैमाने पर काम हुआ है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि यह लोकतंत्र है, राजतंत्र नहीं। जनता तय करेगी कि राजा कौन बनेगा, न कि कोई परिवार। लालू प्रसाद खुद कहते थे कि रानी के पेट से राजा नहीं पैदा होता। राहुल गांधी जिनके परिवार ने 55 साल तक देश को लूटा, वह आज भी रो रहे हैं। उनके परिवार ने दलितों, पिछड़ों और स्वर्णों को आरक्षण से वंचित रखा। लेकिन, जनता सबका हिसाब रखती है। उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार आरक्षण समर्थक और धर्मनिष्ठ दोनों है। हम आरक्षण के भी पूजक हैं और कमंडल के भी उपासक। कानून-व्यवस्था को लेकर उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अपराधी चाहे किसी भी वर्ग या दल से जुड़ा हो, बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने देखा कि कई जगह अति पिछड़ा और दलित समाज के घरों में घुसकर राजद के गुंडों ने मारपीट की। ऐसे अपराधियों पर सख्त कार्रवाई होगी, पुलिस उन्हें छोड़ेगी नहीं। विपक्ष की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस का परिवारवादी राजनीति से कोई लेना-देना नहीं बचा है कि यह गांधी परिवार का सत्ता तंत्र नहीं है। माता जी सुपर पावर, पिता प्रधानमंत्री, दादी प्रधानमंत्री और अब राहुल गांधी को फिर प्रधानमंत्री बनना है। ऐसा नहीं चलेगा। बिहार लोकतंत्र की जननी है, यहां जनता तय करती है कि कौन कहां बैठेगा।

बिहार के तापमान में गिरावट जारी, इस दिन से देखने को मिलेगा ठंड का असली रूप

एजेंसी/पटना

हिमालय की चोटियों पर हो रही बर्फबारी का असर अब बिहार के मैदानों तक पहुंच गया है। उत्तर-पश्चिम से बह रही पछुआ हवाओं ने मौसम को अचानक ठंडा कर दिया। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री गिर गया। जबकि न्यूनतम तापमान कई जगह 16 डिग्री से नीचे लुढ़क गया है। पटना, गया, भागलपुर, सीवान, दरभंगा और नवादा जैसे जिलों में सुबह-शाम की ठंडक ने लोगों को घरों में कैद कर लिया है। इस दौरान पछुआ हवाओं की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहती है। इससे सबसे ज्यादा असर दक्षिण बिहार में पड़ा है। सीवान के जीरादेई में न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है जो इस सीजन का सबसे कम है। गया और नवादा में 17 डिग्री, जबकि पटना में 18.7 डिग्री तापमान रहा। उत्तर बिहार में दरभंगा का पारा 19.8 डिग्री पर अटका है। जबकि औरंगाबाद 13.9, पूसा 13.8, रोहतास 13.9, वैशाली 15.5 और मुंगेर में तापमान 16.6 डिग्री तक नीचे आ गया है। दिन में धूप निकलने के बाद थोड़ी राहत जरूर होती है लेकिन हवा की चुभन अब गर्माहट पर भारी पड़ रही है। इसके अलावा सुबह की धुंध ने सड़कों पर विजिबिलिटी घटा दी है। किशनगंज, अररिया, भागलपुर, बक्सर और रोहतास जैसे जिलों में घना कोहरा देखने को मिल रहा। वाहन चालकों को स्लो ड्राइविंग करनी पड़ रही। मौसम केंद्र के निदेशक आशीष कुमार ने कहा कि अगले तीन-चार दिनों तक पछुआ हवाएं तेज रहेंगी। न्यूनतम तापमान 2-3 डिग्री और गिरने की संभावना है। नवंबर मध्य तक पारा 12-13 डिग्री तक पहुंच सकता है।

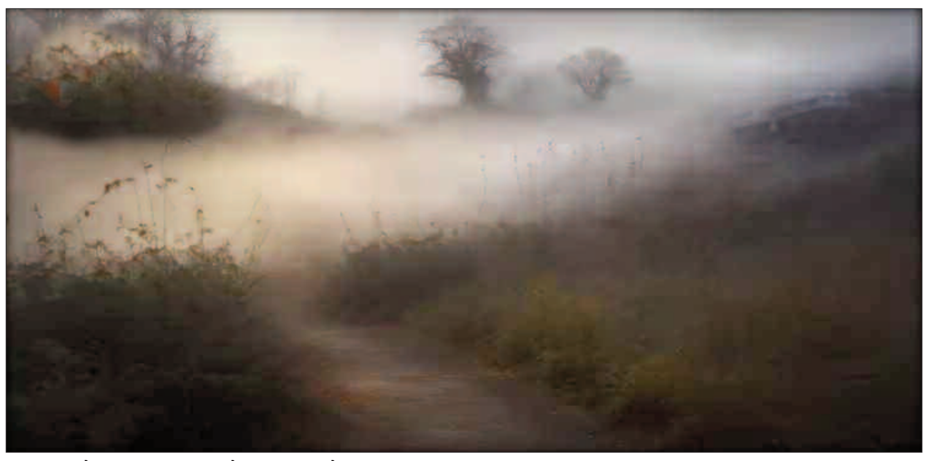

सीएम योगी का महागठबंधन पर निशाना : जिन्होंने चारा खाया, जमीन हड़पी, वे कर रहे नौकरी की बात

एजेंसी/पटना

बिहार में 11 नवंबर को होने वाले मतदान से यह तय होगा कि राज्य विकास और सुशासन की तरफ बढ़ेगा या फिर जंगलराज की ओर लौटेगा। यही वह धरा है, जहां माता जानकी ने जन्म लिया। जिसने देश को महावीर दिया, लोकनायक जयप्रकाश नारायण, जननायक कपूर्री ठाकुर, देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद और शारदा सिन्हा जैसी विभूतियों को जन्म दिया। शारदा सिन्हा ने मैथिली और भोजपुरी गीतों के माध्यम से भाषा को विश्व पटल पर पहचान दिलाई। ऐसा बिहार कैसे बीमारू बन गया? यह बातें यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सुपौल जिला अंतर्गत छातापुर विधानसभा क्षेत्र स्थित भीमपुर के लक्ष्मी नारायण उच्च विद्यालय मैदान में कही। वह एनडीए भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिंह बबलू की चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। योगी ने लोगों से एनडीए के पक्ष में वोट की अपील की। कहा कि कांग्रेस एवं राजद के शासनकाल में अराजकता, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार चरम पर था। जिन्होंने चारा खा लिया, जमीन हड़प ली, वे नौकरी देने की बात कर रहे हैं। यह गठबंधन नहीं, जनता को धोखा है। मोदी सरकार ने गरीब कल्याण को प्राथमिकता दी है। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, 50 करोड़ को आयुष्मान में मुफ्त इलाज, 4 करोड़ गरीबों को घर, 10 करोड़ परिवार को उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिया। हमने कहा था, मंदिर वहीं बनाएंगे। आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर तैयार है। अब सीतामढ़ी में मइया का भव्य मंदिर के निर्माण का भाजपा ने संकल्प लिया है। बुलडोजर वहीं चलता है, जहां माफिया और अपराध पलते हैं। अगर बिहार को समृद्ध और सुरक्षित बनाना है तो एनडीए को भारी मतों से विजयी बनाना है। यह लहर नहीं, प्रचंड जन समर्थन है। परिणाम बताएगा कि बिहार फिर सुशासन चुनेगा।

विपक्षियों ने ज्ञान की धरती को दिलाई जंगलराज से पहचान

योगी ने कहा कि जिस बिहार ने नालंदा जैसा विश्वविद्यालय था, जिसने दुनिया को ज्ञान दिया, उस बिहार की पहचान आज के विपक्षियों ने जंगलराज से बना दी। तब यहां की साक्षरता दर सबसे कम थी। परिवारवाद, जातीय हिंसा हावी थी। राजद-कांग्रेस का गठबंधन एक धोखा है। ये नौकरी क्या देंगे? जो आपकी जमीन हड़प लेते हैं, पशुओं का चारा तक खा गए, विकास उनका एजेंडा कभी नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि यूपी के माफियाओं की हालत क्या है, यह आपने देखा होगा। उनके लिए दो ही जगह है। या तो यमराज के पास या यूपी से बाहर। माफियाओं ने अपराध से जो संपत्ति बनाई है, सरकार उसे कब्जे में लेकर गरीबों के लिए आवास बना रही है।

राजद के शासन में हुए 30 हजार से ज्यादा अपहरण

उन्होंने कहा कि राजद के शासन में बिहार में 30 हजार से ज्यादा अपहरण हुए। कोई सुरक्षित नहीं था, न बहनें, न डॉक्टर, न इंजीनियर। बिहार को एक परिवार की बपौती बनाकर रख दिया था। जिन लोगों ने बिहार के नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया, वे लोग आज बड़ी-बड़ी घोषणाएं करके आपके बीच में चुनाव में आ रहे हैं। आपको लालच देने का प्रयास कर रहे हैं। जिन लोगों का अतीत कलंकित और काला है, उन पर विश्वास करने की आवश्यकता नहीं है। कहा कि कांग्रेस कहती थी कि राम मंदिर कभी नहीं बनेगा। राजद ने राम मंदिर की रथ यात्रा रोक दी। उत्तर प्रदेश में उनकी सहयोगी समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोलियां चलवाई।

एक नजर

दो-चार-छह घंटे नहीं बल्कि ढाई दिन की देरी से खुली बिहार जाने वाली यह ट्रेन, यात्रियों ने रेलवे को खूब कोसा

पटना। योहारी सीजन में रेलवे की देरी ने यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस से सहरसा जाने वाली फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन (05558) 20-30 घंटे नहीं, बल्कि पूरे 67 घंटे की भयंकर देरी से रवाना हुई। इससे कई यात्रियों की टिकट की वैधता समाप्त हो गई, तो कुछ ऑफिस की छुट्टियों के हिसाब से परेशान हो गए। नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम के अनुसार, यह ट्रेन 6 नवंबर की सुबह 7:55 बजे रवाना होनी थी, लेकिन लिंक रैक उपलब्ध न होने के कारण वेस्टर्न रेलवे को ट्रेन का री-शेड्यूल करना पड़ा। आधिकारिक रूप से इसे 65 घंटे 5 मिनट का नया शेड्यूल मिला, और ट्रेन 9 नवंबर की तड़के 2:49 बजे मुंबई से रवाना हो पाई। यानी जिस दिन यात्री ट्रेन में होने वाले थे, उस दिन तक ट्रेन प्लेटफॉर्म पर खड़ी भी नहीं थी। यह ट्रेन मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और बरौनी होकर सहरसा तक जाती है। इतनी देरी के कारण अब ट्रेन के आगमन का अनुमान लगाना भी मुश्किल हो गया है। खबर लिखे जाने तक ट्रेन भुसावल के आसपास पहुंच रही थी, यानी गंतव्य तक का सफर अभी लंबा है। त्योहारी सीजन में यात्रियों ने महीनों पहले टिकट बुक की थी और परिवार व सामान के साथ स्टेशन पर पहुंचे, लेकिन ट्रेन गायब थी। कई यात्रियों ने कहा, 67 घंटे लेट मतलब 3 दिन। इतने में तो हम घर पहुंचकर लौट भी आते। एक अन्य यात्री ने कहा, रेलवे ने फेस्टिवल स्पेशल तो चलाया, पर रैक का इंतजाम नहीं किया, ये कैसी प्लानिंग है? बता दें कि त्योहारों के मौसम में रेलवे हर साल अतिरिक्त ट्रेनें चलाती है ताकि प्रवासी बिहार और पूरब के यात्री घर समय पर पहुंच सकें।

बिहार में सड़क हादसे के बाद भारी बवाल गुस्साए लोगों ने पुलिस वैन में लगाई आग

पटना। जहां पुलिस वैन की ठोकर से तीन लोगों के घायल होने के बाद गुस्साए लोगों ने भारी बवाल किया है। आक्रोशित लोगों ने पुलिस वैन में आग लगा दी है। इस घटना के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची हैं और हालात को काबू में करने की कोशिश कर रही है। मौके पर पुलिस और प्रशासन के आलाधिकारी पहुंचे हैं और गुस्साए लोगों को शांत कराने की कोशिश कर रहे हैं। घटना नगर थाना के साधु चौक की है। घटनास्थल पर गोपालगंज एसपी और एसडीपीओ समेत बड़ी संख्या में पुलिस मौजूद है। फायर ब्रिगेड की टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया है। एसपी खुद मोर्चा संभाले हुए हैं और लोगों से शांति की अपील कर रहे हैं।

तेजस्वी यादव की अरवल में हुंकार : हर घर को मिलेगी नौकरी, बनेगी पढ़ाई-दवाई और कार्रवाई वाली सरकार

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण में होने वाले मतदान से पूर्व सभी दलों ने प्रचार-प्रसार में पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में रविवार को अरवल जिले के मधुबन खेल मैदान में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। `महागठबंधन समर्थित अरवल विधानसभा 214भाकपा (माले) उम्मीदवार महानंद सिंह के समर्थन में जनसभा आयोजित की गई थी। सभा स्थल पर सुबह से ही भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। मैदान लोगों से खचाखच भरा हुआ था। चारों ओर महागठबंधन और राजद के झंडे लहरा रहे थे। जैसे ही तेजस्वी यादव मंच पर पहुंचे, कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी के साथ उनका स्वागत किया। तेजस्वी यादव ने अपने संबोधन की शुरूआत लोगों को धन्यवाद देते हुए की और कहा कि अरवल की जनता हमेशा सामाजिक न्याय और विकास की राजनीति का साथ देती आई है। उन्होंने कहा कि महानंद सिंह जैसे जनसेवी और ईमानदार उम्मीदवार ही जनता की सच्ची आवाज बन सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील किया कि 11 नवंबर को होने वाले मतदान में महागठबंधन समर्थित उम्मीदवार महानंद सिंह को भारी मतों से विजयी बनाएं। अपने भाषण में तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ह्वआज बिहार बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार से त्रस्त है। भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने सिर्फ. वादे किए लेकिन धरातल पर कुछ नहीं किया। उन्होंने आगे कहा कि जब उनकी सरकार बनी थी, तब बिहार के युवाओं को रोजगार देने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए थे, लेकिन वर्तमान सरकार ने उन योजनाओं को बंद कर दिया। `तेजस्वी यादव ने अपने चुनावी वादे दोहराते हुए कहा हमारी सरकार बनी तो हर घर में नौकरी, हर हाथ को काम और हर घर में खुशहाली लाएंगे। हम पढ़ाई, दवाई और कार्रवाई वाली सरकार बनाएंगे। जहां शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी, अस्पतालों में दवाएं उपलब्ध होंगी और अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।सभा के दौरान एक खास पल तब आया जब मंच पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने तेजस्वी यादव का जन्मदिन मनाया। केक काटकर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी गईं। तेजस्वी यादव ने मुस्कुराते हुए सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि ह्वआपका प्यार ही मेरी ताकत है।

चलती ट्रेन पकड़ने की कोशिश में एक यात्री की मौत, रेलवे स्टेशन पर मचा हड़कंप

एजेंसी/पटना

बिहार के गया रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब चलती ट्रेन पकड़ने की कोशिश में एक यात्री की मौत हो गई। यह घटना उस वक्त हुई, जब पटना-रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन पहले ही प्लेटफार्म से खुल चुकी थी और यात्री ने किसी तरह उसे पकड़ने की कोशिश की। चश्मदीदों के अनुसार, यात्री ने ट्रेन के पायदान पर पैर रखने की कोशिश की, लेकिन पैर फिसलने से वह प्लेटफार्म और ट्रेन के बीच फंस गया। इसके बाद वह कुछ दूरी तक ट्रेन के साथ घिसटता चला गया। हादसे के बाद स्टेशन पर अफरातफरी मच गई और कई यात्रियों ने उसे बचाने का प्रयास भी किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। जानकारी के मुताबिक, ट्रेन के गार्ड को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, उन्होंने तत्काळ ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया। हालांकि, तब तक यात्री की मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद गया स्टेशन पर रेल पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। शव ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंसा हुआ था, जिससे उसे निकालना काफी मुश्किल हो रहा था। रेलकर्मियों ने कई बार प्रयास किए, लेकिन सफल नहीं हो सके। अंततः प्लेटफार्म के एक हिस्से को तोड़कर शव को निकालने की प्रक्रिया शुरू की गई। घटना के कारण गया जंक्शन पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पटना-रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस को एक घंटे से अधिक समय तक स्टेशन पर रोकना पड़ा, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। फिलहाल, जीआरपी ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतक की पहचान की प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है कि यात्री किस परिस्थिति में प्लेटफार्म पर दौड़ते हुए ट्रेन पकड़ने की कोशिश कर रहा था। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि किसी भी स्थिति में चलती ट्रेन पकड़ने का प्रयास न करें, क्योंकि ऐसे हादसे न केवल जानलेवा साबित होते हैं बल्कि अन्य यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन जाते हैं। गया स्टेशन प्रबंधन ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और कहा कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए प्लेटफार्म पर सुरक्षा प्रबंधन को और मजबूत किया जाएगा।

बेतिया में शराबी दरोगा की ग्रामीणों ने की जमकर पिटाई, वर्दी फाड़ी और घंटों रखा बंधक

एजेंसी/पटना

बिहार के पश्चिम चंपारण जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां बेतिया पुलिस की छवि पर फिर से सवाल उठे हैं। मझौलिया थाना क्षेत्र में तैनात एक दरोगा को ग्रामीणों ने नशे की हालत में पकड़ा, जमकर पिटाई की, वर्दी फाड़ दी और घंटों तक बंधक बनाए रखा। बताया जा रहा है कि दरोगा शराब के नशे में जांच करने गांव पहुंचे थे, जहां ग्रामीणों के साथ गाली-गलौज करने पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।घटना मझौलिया थाना क्षेत्र के मोहद्दीपुर गांव की है। जानकारी के मुताबिक, वहां तैनात दरोगा अरविंद सिंह अपने दो-तीन गार्डों के साथ पुलिस जीप से गांव पहुंचे थे। वे किसी मामले की जांच करने आए थे, लेकिन नशे में धुत होकर उन्होंने घरवालों से अभद्र भाषा में बात करनी शुरू कर दी। जब दरोगा ने गाली-गलौज और बदसलूकी की, तो स्थानीय लोगों ने उन्हें पकड़ लिया और बंधक बना लिया।इसके बाद ग्रामीणों ने दरोगा की जमकर पिटाई की, उनकी वर्दी फाड़ दी और घंटों तक बंधक बनाए रखा। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जो अब तेजी से फैल रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सूचना मिलने पर मझौलिया थाना से टीम मौके पर पहुंची और दरोगा को ग्रामीणों के कब्जे से मुक्त कराया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि दरोगा नशे में धुत होकर महिलाओं से दुर्व्यवहार कर रहे थे और अशोभनीय भाषा का प्रयोग कर रहे थे। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने उन्हें सबक सिखाने के लिए पकड़ लिया और पिटाई कर दी। बेतिया पुलिस पर आचार संहिता और शराबबंदी कानून की धज्जियां उड़ाने का गंभीर आरोप लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब सूबे में शराबबंदी लागू है, तो पुलिसकर्मी खुद शराब पीकर जांच करने कैसे पहुंचे? इस पूरे घटनाक्रम से बेतिया पुलिस की साख पर गहरा धब्बा लगा है। जिले में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग की किरकिरी हो रही है।

विश्व प्रसिद्ध सोनपुर मेले का शानदार आगाज, आचार संहिता के चलते सारण कमिश्नर ने किया उद्घाटन

एजेंसी/पटना

सारण के सोनपुर में गंगा और गंडक के संगम तट पर लगने वाले विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला की शुरूआत आज हो गई है। प्रमंडलीय आयुक्त राजीव रोशन ने सोनपुर मेले का उद्घाटन किया। सोनपुर मेला एक महीने तक 10 दिसंबर तक चलेगा। एक महीने तक चलने वाला विश्व प्रसिद्ध सोनपुर मेले का आज शानदार आगाज हुआ और सारण रेंज के कमिश्नर राजीव रौशन ने दीप प्रज्वलित कर हरहिर क्षेत्र मेले का उदघाटन किया। इस दौरान सारण रेंज के डीआईजी नीलेश कुमार,डीएम अमन समीर के अलावा सारण एसपी कुमार आशीष भी मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद मंच से लोगो को सम्बोधित करते हुए कमिश्नर राजीव रौशन ने बताया कि गंगा और गंडक के संगम पर स्थित सोनपुर मेले का गौरवशाली इतिहास रहा है और वर्षो से इस मेले का आयोजन होते रहा है जो हम सब के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यहाँ की परंपरा, यहाँ की संस्कृति और यहाँ के कला और कलाकारों पर हमें गर्व है। बता दे कि आज से अगले एक माह तक इस मेले का आयोजन किया जाएगा जिसमे मुख्य मंच से कई कलाकार हर रोज अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे जबकि मेले में इस बार कई राज्यो से पशु पक्षियों को लेकर व्यापारी पहुंचे है जिसमे सबसे खास घोड़ा बाजार है जहाँ एक से बढ़ कर एक घोड़ा देखने को मिलता है। वहीं इस मेले में कई विभाग के सरकारी स्टॉल भी लगाया गया है और इस बार लाखो की संख्या में पर्यटकों में आने की भी संभावना है। एशिया का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक पशु मेला आज से पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। उद्घाटन के साथ ही लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस मेले का इंतजार लोग बेसब्री से कर रहे थे। हर साल की तरह इस बार भी मेला में पशुओं की खरीद-बिक्री, मनोरंजन, धार्मिक आयोजन और व्यापारिक गतिविधियों की धूम मचने वाली है। विभिन्न जिलों से व्यापारी अपने-अपने मवेशियों को लेकर पहुंच रहे हैं, तरह-तरह के पशुओं और पक्षियों की बिक्री के लिए बाजार सज चुका है। वही बड़े-बड़े झूले, सर्कस, थियेटर, जलपरी शो और मौत का कुआं भी लगाया गया है। बता दें कि पहले सोनपुर मेले का उद्घाटन 6 नवंबर को होना था लेकिन चुनाव की वजह से उद्घाटन की तिथि 3 दिन आगे बढ़ा दी गई। अब 9 नबंवर को सोनपुर मेले का उद्घाटन होगा। सिर्फ बिहार के अन्य जिलों से ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और बंगाल से भी व्यापारी और पशु प्रेमी सोनपुर मेला में आते हैं। यहां घोड़ों के अलावे गाय, भैंस, बैल, कुत्ते, बिल्ली और दूसरे पशुओं की भी बिक्री होती है। सोनपुर मेंले में श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थलों की झलक भी देखने को मिलेगी। यहां बद्रीनाथ, केदारनाथ, मां वैष्णो देवी और भैरवनाथ दरबार के सुंदर प्रतिरूप बनाकर दर्शन की विशेष व्यवस्था पर्यटकों के लिए की गई है।

बिहार के इस जिले में भीषण सड़क हादसा, मां-बेटे की मौत

एजेंसी/पटना

बिहार के अररिया जिले के जोकीहाट थाना क्षेत्र के बौरिया टोल टैक्स पुल के पास एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ है। यहां बाइक पर सवार मां-बेटे को अररिया की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी है। जिसके बाद दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान कुम्हिया भंगिया टोला वार्ड-3 निवासी 50 साल की कौशरी खातून और उनके 28 साल के बेटे मो. एहसान के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक दोनों मटियारी गांव अपनी बेटी के घर जा रहे थे। पुल के पास बाइक बैक करते वक्त कार ने पीछे से टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। एहसान मौके पर ही मौत के मुंह में समा गया। जबकि कौशरी को ग्रामीणों ने सदर अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में उन्होंने भी दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक एहसान दिल्ली के सिलाई सेंटर में मजदूरी करता था और कुछ महीने पहले घर आया था। उसकी तीन छोटी बेटियां हैं। घटना के बाद पत्नी और बच्चियां रो-रोकर बेहाल हैं। कार चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। जोकीहाट और यातायात पुलिस ने कार जब्त कर ली है।

सुभाषितम्

अपने उसूलों के लिये, मैं स्वंय मरने तक को भी तैयार हूँ, लेकिन किसी को मारने के लिये, बिल्कुल नहीं।- महात्मा गाँधी

हर मोर्चे पर पिटती पाक सेना

पाकिस्तान की राजनीति और सेना के बीच का रिश्ता हमेशा से सत्ता संघर्ष और आपसी हितों की खींचतान में उलझा रहा है। मगर हालिया घटनाओं ने इस रिश्ते की जटिलता को और गहरा कर दिया है। जिस वक्त पाकिस्तान की सेना तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे संगठनों से बल्कि प्रत्येक मोर्चे पर लगातार पराजय झेल रही है, उसी वक्त शहबाज सरकार ने सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को नई शक्तियां देने का रास्ता निकाल लिया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संविधान में संशोधन का 27वां बिल संसद में पेश कर रक्षा बलों के प्रमुख का नया पद सृजित किया है और इस पद पर नियुक्ति का ताज असीम मुनीर के सिर सजने वाला है। यह संशोधन महज एक प्रशासनिक कदम नहीं कहा जा सकता बल्कि इसे सत्ता-संतुलन के खेल का अहम हिस्सा माना जाना चाहिए। यह कौन नहीं जानता कि पाकिस्तान में सेना की मर्जी के बगैर कोई भी लोकतांत्रिक सरकार चार दिन भी नहीं चल सकती है। सेना का प्रभाव इतना गहरा है कि सरकारें उसकी छाया में ही महफूज रहती हैं। ऐसे में रक्षा बलों के प्रमुख का नया पद बनाकर सरकार ने यह संकेत दे दिया है कि सैन्य तंत्र को अब संवैधानिक रूप से भी सर्वोपरि दर्जा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति की सलाह पर यह नियुक्ति होगी, परंतु यह सलाह वस्तुतः औपचारिक्ता वाली रह जाएगी। सेना अब न केवल रक्षा नीति बल्कि राष्ट्रीय राजनीति का भी निर्णायक चेहरा बनने की ओर अग्रसर है। दिलचस्प बात यह है, कि यह फैसला उस समय आया है जबकि पाकिस्तान की सेना अंदर और बाहर दोनों मोर्चों पर लगातार नाकाम साबित हो रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के द्वारा चलाए गए ह्वऑपरेशन सिंदूरह्ल में एफ-16 समेत कई पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों के ध्वस्त होने के बाद पाकिस्तान को युद्धविराम की गुहार लगानी पड़ी थी। इस पराजय के तुरंत बाद असीम मुनीर को फील्ड मार्शल का तमगा देकर पुरस्कृत किया गया और अब उन्हें तीनों सेनाओं का सर्वोच्च प्रमुख बनाए जाने की तैयारी है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या पराजय को ढंकने के लिए सम्मान और पदोन्नति का यह खेल खेला जा रहा है? खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले की एक ताजा घटना ने पाक सेना की अक्षमता को और भी बेहतर ढंग से उजागर करने का काम किया है। दरअसल खबर है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लड़ाकों ने सेना की एक चौकी पर कब्जा कर सैनिकों को भागने पर मजबूर कर दिया। चौकी पर तालिबानी झंडा फहराया गया और पाकिस्तानी सेना के जवानों के हथियारों को कब्जे में ले लिया गया। यह वही इलाका है जहां कभी पाकिस्तानी सेना आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाने और अनेक लड़ाकों को मारने जैसे दावे करती थी। अब हालात इतने बिगड़ गए हैं कि तालिबानी संगठन खुलेआम अपनी चेकपोस्टें बना रहे हैं और स्थानीय इलाकों पर नियंत्रण कायम कर रहे हैं। पेशावर और बन्नू जैसे इलाकों में सरकार और सेना का प्रभाव घटता जा रहा है। इसे विडंबना ही कहा जा सकता है, कि जब पाकिस्तान की सीमाओं के भीतर उसकी सेना अपना नियंत्रण खोती जा रही है, तब वही सेना देश के भीतर सत्ता की बागडोर और मजबूत पकड़ बनाने में व्यस्त है। इससे साफ झलकता है कि पाकिस्तानी नेतृत्व की प्राथमिकता राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं, बल्कि सत्ता संरक्षण है। मुनीर को दिया जा रहा यह ह्वसुपर-सीओएसह्ल पद राजनीतिक व्यवस्था पर सेना के स्थायी कब्जे की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है। उधर, आतंकवाद का पुराना चेहरा हाफिज सईद और उसके संगठन लश्कर-ए-तैय्यबा की पड़ोसी देशों में बढ़ती गतिविधियां एक बार फिर चिंता का सबब बनी हैं। एक वायरल वीडियो में लश्कर कमांडर सैफुल्लाह सैफ यह दावा करता नजर आया कि हाफिज सईद बांग्लादेश के रास्ते भारत पर हमले की योजना बना रहा है। इस दावे में सच्चाई चाहे जितनी भी हो, परन्तु यह साफ संकेत है कि पाकिस्तान की भूमि एक बार फिर आतंकवादी लॉन्चपैड के रूप में इस्तेमाल होने के लिए तैयार है।

चिंतन-मनन

निष्ठावान बने रहें

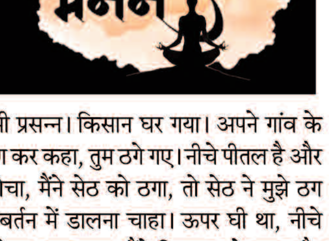

एक किसान शहर में आया। गहनों की दुकान पर गया। गहने खरीदे, सोने के गहने, चमकदार। दुकानदार ने मूल्य मांगा। किसान ने कहा, मेरे पास मूल्य नहीं है, रूपए नहीं हैं। घी का भरा हुआ घड़ा है। आप इसे ले लें और गहने मुझे दें। सौदा तय हो गया। दुकानदार भी प्रसन्न और किसान भी प्रसन्न। किसान घर गया। अपने गांव के सुनार को गहने दिखाए। उसने परीक्षण कर कहा, तुम ठगे गए। नीचे पीतल है और ऊपर स्वर्ण का झोल। किसान ने सोचा, मैंने सेठ को ठगा, तो सेठ ने मुझे ठग लिया। सेठ घर गया। घी को दूसरे बर्तन में डालना चाहा। ऊपर घी था, नीचे कंकड़-पत्थर। माथे पर हाथ रख सोचा, ठगा गया। मैंने किसान को ठगा और किसान ने मुझे ठग लिया। किसान सोचता है, मैंने सेठ को ठग लिया। सेठ सोचता है, मैंने किसान को ठग लिया। कोई नहीं ठगा गया। सौदा बराबर हो गया। जब पूरा समाज अनैतिक होता है, तो कौन किसको ठगेगा? कौन ठगा जाएगा? सभी सोचते हैं, मैंने उसको ठग लिया, पर ठगे सभी जाते हैं। बेईमानी जब व्यापक होती है, तब सब ठगे जाते हैं। अकेला कोई नहीं ठगा जाता। समाज में ईमानदार लोग भी हैं। इस ईमानदारी के कंधे पर चढ़कर बेईमानी चल रही है। सत्य के आधार पर असत्य और अहिंसा के आधार पर हिंसा चल रही है। सारे हिंसक बन जाएं, तो हिंसा अधिक नहीं चल सकती। हम गहराई से चिन्तन करें कि सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त आवश्यक है निष्ठा, पराविद्या की निष्ठा। भौतिकता और आध्यात्मिकता का सन्तुलन बना रहे। हम परम को भी देखें, अपरम को भी देखें। सत्यनिष्ठा रचनात्मक दृष्टिकोण की उपलब्धि ही तो है।

राष्ट्रीय श्रम के साधक दत्तोपंत ठेंगड़ी

- डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

एक समय था जब मजदूर संगठन की बात घोर पूंजीपति विरोध से ही प्रारंभ होती थी। रोजगार देने वाले व रोजगार प्राप्त करने वाले मे सौहाद्र, समन्वय व संतोष की न तो कामना की जाये और न ही आशा की जाये, यही कार्ल मार्क्स का संदेश था। कम्युनिस्टों के नारे थे चाहे जो मजबूरी हो, माँग हमारी पूरी हों। यहीं से वामपंथी मजदूर संगठनों व भारतीय मजदूर संगठन मे वैचारिक विभेद प्रारंभ होता है। एक समय विशुद्ध कम्युनिस्ट चीन मे ठेंगड़ी जी के मजदूरों को दिये गए उद्बोधन का प्रसारण चीनी रेडियो से हुआ था। चीन जैसे बंद खिड़की वाले वामपंथी देश मे दत्तोपंत जी को इतना महत्व दिया जाना कौतूहल व आश्चर्य का विषय बना था। मालिक, मजदूर व राष्ट्र, तीनों दृष्टि की कृतित्व शैली यदि किसी मे दिखी तो वे दत्तोपंत ठेंगड़ी थे। ठेंगड़ी जी का नारा था राष्ट्र के हित मे करेंगे काम, काम के लेंगे पूरे दाम कार्ल मार्क्स व दत्तोपंत जी मे यही मूल अंतर था। मार्क्स की मजदूर नीति शासकीय व आर्थिक स्वीकार्यता की धूरी पर घूमती थी जबकि ठेंगड़ी जी की नीति नैतिक व सामाजिक स्वीकार्यता के आधार पर कार्यरत रहती थी। कार्ल मार्क्स पर उन्ही के देश जर्मनी के ब्यौर्न और सीमेन अक्स्तीनात बंधुओं ने एक पुस्तक ह्लमार्क्स उन्ट एंजेल्स इन्टीमह्व प्रकाशित की है। इसमें मार्क्स के कई सारे ऐसे कार्यों, संदर्भों, उद्धरणों व भाषणों को प्रकाशित किया है, जिनसे मार्क्स की छवि ही बदल जाती है। इससे यह धारणा सुदृढ़ होती है कि कम्युनिस्टों सदा से ही बाहर कुछ और व भीतर कुछ और रहते हैं। ह्लदास केपिटलह्व के 150 वें वर्ष पर प्रकाशित इस पुस्तक को हाथों हाथ लिया जाना मार्क्स के वैचारिक ह्रास का बड़ा परिचायक है। मार्क्स व एंजिल्स के वैचारिक ढकोसले को उघाड़ती यह पुस्तक सम्पूर्ण मार्क्सवादी विचार पर एक बड़ा प्रश्न उठाती है। मार्क्स के सौ वर्ष बाद जन्मे दत्तोपंत जी ठेंगड़ी अपने व्यक्तित्व व कृतित्व से सम्पूर्ण मार्क्सवाद को, अपने व्यक्तिवाद से नहीं अपितु भारतीय दर्शन से खारिज कर करते हैं। यही मूल अंतर है मार्क्सवाद मे व ठेंगड़ी जी के राष्ट्रत्व में। यही कारण है कि भारत वर्ष में ही नहीं बल्कि विश्व भर के मजदूर-किसान और श्रमिक वर्ग में दत्तोपंत जी ठेंगड़ी जी का नाम अत्यंत आदर और श्रद्धा के साथ लिया जाता है। भारत में मजदूर संगठन और मजदूर राजनीति के अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील तत्व को पहलेपहल दत्तोपंत जी ठेंगड़ी ने ही समझा और आत्मसात किया था। मजदूरों से बात करते-उनकी समस्याओं को सुनते और संगठन गढ़ते-करते समय जैसे वे आम विभोर ही नहीं होतें थे वरन सामनें वाले व्यक्ति या समूह की आत्मा में बस जाते थे। दत्तोपंत जी कानून की शिक्षा प्राप्त कर वकील बनें किन्तु वकालत उन्हें रास न आई और वे आरएसएस के प्रचारक रूप में कार्य करने लगे। प्रचारक के तपस्वी कार्य पर निकलनें की प्रेरणा के मूल में श्री गुरुजी गोलवलकर का सान्निध्य और उनके साथ किये प्रवास ही रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मूल विचारों से प्रेरित दत्तोपंत जी 1942 से 1945 तक केरल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक के दायित्व को निर्वहन कर 1945 से सन 1948 तक बंगाल में प्रांत प्रचारक के दायित्व को संभालें रहे। 1949 में श्री गुरुजी ने ठेंगड़ीजी को मजदूर क्षेत्र का संगठन और नेतृत्व करने का आदेश दिया। इसके बाद तो जैसे दत्तोपंत जी का जीवन किसान व मजदूर क्षेत्र की ही पूंजी बन गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सृजनात्मक कार्यों के लिए एक विस्तृत पृष्ठभूमि तैयार करते हुए उन्होंने भारतीय किसान संघ, सामाजिक समरसता मंच, सर्व पंथ समादर मंच, स्वदेशी जागरण मंच आदि कई राष्ट्रवादी और महात्वाकांक्षी संगठनों की स्थापना की। ठेंगड़ी जी ने संस्कार भारती, अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद, भारतीय विचार केंद्र, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत आदि संगठनों की स्थापना में सूत्रधार की भूमिका का निर्वहन किया था। अपनें पचास वर्षीय कार्य जीवन में ठेंगड़ी जी से इस देश का शायद ही कोई मजदूर क्षेत्र और संगठन अछूता रहा होगा। देश के सभी मजदूर संगठन और इनसें जुड़े लोगों को दत्तोपंत जी में अपना स्वाभाविक नेतृत्व और विश्वस्त मुखिया का आभास और विश्वास मिलता था। दलित संघ, रेल्वे कर्मचारी संघ, कृषि, शैक्षणिक, साहित्यिक आदि विविध क्षेत्रों के संगठनों को उनके सक्रिय और वैचारिक मार्गदर्शन का लाभ मिला। प्रचंड वाणी, तीव्र प्रत्युत्पन्मति, तेज किन्तु संवेदनशील मष्तिष्क के धनी दत्तोपंत जी ने अपनें जीवन में मजदूरों-किसानों के संगठन और उनके हितों को अपना ध्येय मान सादा जीवन जिया व मृत्यु पर्यंत सक्रिय रहे। तीव्र मेधा एवं संवेदनशील बुद्धि के धनी ठेंगड़ी जी ने अपने जीवन काल में 26 हिंदी, 12 अंग्रेजी और 2 मराठी पुस्तकें लिखीं। इनमें से ह्लराष्ट्र और ह्लध्येय पथ पर किसानह्व नामक किताबें मजदूर वर्ग और कार्यकर्ताओं में प्रकाश स्तम्भ के रूप में पढ़ी जाती हैं। ठेंगड़ी जी संघ के विराट संसार में जैसे एक घुमते-विचरते धूमकेतु थे। हिंदुस्तान समाचार के आप संगठन मंत्री रहे। 1955 से 1959 तक मध्यप्रदेश तथा दक्षिण में भारतीय जनसंघ की स्थापना और जगह-जगह पर जनसंघ के विस्तार का कार्य भी किया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संस्थापक सदस्य रहे और भारतीय बौद्ध महासभा, मध्य प्रदेश शेड्यूल कास्ट फेडरेशन के कार्यों की सतत निगरानी करते रहे। इन सभी कार्यों को करते हुए दत्तोपंत जी ने 23 जुलाई 1955 को भारतीय मजदूर संघ का स्थापना यज्ञ पूर्ण किया। आज भारतीय मजदूर संघ एक करोड़ से अधिक सदस्यों एक विराट संगठन है। 1967 में उन्होंने भारतीय श्रम अन्वेषण केन्द्र की स्थापना कराई। भारतीय संसद में 12 वर्षों तक राज्यसभा के सदस्य रहते हुए भारतीय मजदूर संघ का ध्वज उठाये दत्तोपंत जी ने अनेकों देशों की यात्राएं की थी। पूरे विश्व के मजदूर संगठनों के कार्यक्रमों में इन्हें बुलाया जाता रहा। विश्व के सभी छोटे बड़े देशों सहित चीन और अमेरिका के मजदूर संगठनों के कार्यों और पद्धतियों में ठेंगड़ी जी ने अपनी छाप छोड़ी थी।

रामायण में वर्णित दिव्य पुष्पक विमान कैसा था

-डॉ. नरेन्द्रकुमार मेहता मानस

पुष्पक विमान का वर्णन प्रायः सभी श्रीरामकथाओं में वर्णित है किन्तु इसका वर्णन विस्तृत न होकर अत्यन्त ही लघुरूप में रहता है। पुष्पक विमान का वर्णन युद्धकाण्ड (लंकाकाण्ड) में आरम्भ होकर इसी काण्ड में समाप्त हो जाता है किन्तु वाल्मीकि रामायण में इसका वर्णन सुन्दरकाण्ड से प्रारम्भ होकर युद्धकाण्ड में अत्यन्त विस्तृत रूप से दिया गया है। पुष्पक विमान का इतिहास, उसकी विशेषता उस समय के विज्ञान का श्रेष्ठ होना सिद्ध करता है। वर्तमान नई पीढ़ी की उसकी जिज्ञासा, आस्था एवं विज्ञान का यह वर्णन आनन्ददायक प्राप्त होगा। अतः इस रामायण के विभिन्न काण्डों में से चुन-चुनकर वर्णन किया गया है। इसमें पुष्पक विमान की विस्तारपूर्वक विशेषताएँ बतलाई गई है। हनुमानजी सीताजी की खोज करते-करते लंका के विशाल भवन जिसमें सैकड़ों अट्टालिकाएँ थीं, सैकड़ों रमणीय रत्नों से व्याप्त थीं, वहाँ पहुँचे। उसकी ड्योढ़ियाँ बहुत बड़ी-बड़ी थीं। ऐसे विशाल भवन में हनुमानजी के प्रवेश का यह प्रसंग वाल्मीकि रामायण में सर्वप्रथम सुन्दरकाण्ड में वर्णित है। वे भवन बड़े प्रयत्न से बनाए गए थे और ऐसे अद्भुत लगते थे, मानों साक्षात मयदानव ने ही इनका निर्माण किया हो। हनुमानजी ने उन्हें देखा, लंकापति रावण के वे घर इस भूतल पर सभी गुणों में सबसे बढ़-चढ़कर थे। तदनन्तर उन्होंने राक्षसराज रावण का उसकी शक्ति के अनुरूप अत्यन्त उत्तम और अनुपम पुष्पक विमान देखा जो मेघ के समान ऊँचा सुवर्ण के समान सुन्दर कान्तिवाला तथा मनोहर था। वह इसे भूतल पर बिखरे हुए स्वर्ण के समान जान पड़ता था। अपनी कान्ति से प्रज्वलित सा हो रहा था। अनेकानेक रत्नों से व्याप्त, भाँति-भाँति के वृक्षों के फूलों से आच्छादित तथा पुष्पों के पराग से भरे हुए पर्वत-शिखर के तुल्य शोभा पा रहा था। वह विमान रूप भवन विन्ध्यमालाओं से पूजित मेघ के समान रमणीय रत्नों से देदीप्यमान हो रहा था और श्रेष्ठ हंसों द्वारा आकाश में ढोये जाते हुए विमान की गति जान पड़ता था। वह अद्भुत शोभा से सम्पन्न दिखाई देता था। जैसे अनेक धातुओं के कारण पर्वत शिखर, ग्रहों और चन्द्रमा के कारण आकाश तथा अनेक वर्णों से युक्त होने के कारण मनोहर मेघ विभिन्न शोभा धारण करते हैं। उसी तरह नाना रत्नों से निर्मित होने के कारण वह पुष्पक विमान भी विचित्र शोभा से सम्पन्न दिखाई देता था। उस पुष्पक विमान की आधार भूमि (आरोहियों के खड़े होने का स्थान) सोने और मणियों के द्वारा निर्मित कृत्रिम पर्वत-मालाओं से पूर्ण बनी हुई थी। वे पर्वत वृक्षों की विस्तृत पंक्तियों से हरे भरे रचे गए थे। वे वृक्ष फूलों के बाहुल्य से व्याप्त बनाए गए थे ताकि पुष्प भी केसर एवं पंखुड़ियों से पूर्ण निर्मित हुए थे। उस विमान में श्वेतभवन बने हुए थे। सुन्दर फूलों से सुशोभित पोखरे बनाए गए थे। केसरयुक्त कमल, विचित्र वन और अद्भुत सरोवरों का भी निर्माण किया गया था। महाकपि हनुमान ने जिस सुन्दर विमान को वहाँ देखा, उसका नाम पुष्पक था। वह रत्नों की प्रभा से प्रकाशमान था और इधर-उधर भ्रमण करता था। देवताओं के गृहाकार उत्तम विमानों में सबसे अधिक आदर उस महाविमान पुष्पक का ही होता था। पुष्पक विमान में नीलम, चाँदी और मूँगों के आकाशचारी पक्षी बनाए गए थे। नाना प्रकार के रत्नों से विचित्र वर्ण के सर्पों का निर्माण किया गया था और अच्छी नस्ल (जाति) के घोड़ों के समान सुन्दर-सुन्दर अंगवाले अश्व भी बनाए गए थे। उस विमान पर सुन्दर मुख और मनोहर पंखवाले बहुत से ऐसे विहंगम पक्षी निर्मित हुए थे, जो साक्षात कामदेव के सहायक जान पड़ते थे। उनकी पंखें मूंगे और सुवर्ण के बने हुए फूलों से युक्त थीं तथा उन्होंने लीलापूर्वक अपने बाँकें पंखों को समेट रखा था। में ऐसे हाथी बनाए गए थे कि लक्ष्मी के अभिषेक कार्य में नियुक्त थे। उनकी सूँड बड़ी ही सुन्दर थी। उनके अंगों में कमलों के केसर लगे हुए थे तथा उन्होंने अपनी सुण्डों में कमल पुष्प धारण किए थे। उनके साथ ही साथ वहाँ तेजस्विनी लक्ष्मीदेवी की प्रतिमा भी विराजमान थी जिनका उन हाथियों के द्वारा अभिषेक हो रहा था। उनके हाथ बड़े सुन्दर थे। उन्होंने अपने हाथ में कमलपुष्प धारण कर रखा था। इस प्रकार सुन्दर कन्दराओं ावले पर्वत के समान तथा वसन्त ऋतु में सुन्दर कोटों वाले परम सुगन्धयुक्त वृक्ष के समान उस शोभायमान मनोहर विमान में पहुँचकर हनुमानजी बड़े विस्मित हुए और तुरन्त वह दुःखी भी हो गए क्योंकि सीताजी इनमें उन्हें कहीं नहीं दिखाई दी। रावण के भवनके मध्य भाग में खड़े हनुमानजी ने पुनः पुष्पक विमान देखा। उसके सौन्दर्य और रचना की दृष्टि से मापा नहीं जा सकता है। स्वयं विश्वकर्मा ने उसे बनाया था। रावण ने निराहार रहकर तप किया और भगवान के चिन्तन में चित्त को एकाग्र किया था, इससे मिले हुए पराक्रम से उसने उस विमान पर अधिकार प्राप्त किया था। मन में जहाँ कहीं भी जाने का संकल्प उठता वहीं वह विमान पहुँच जाता था। सब प्रकार के रत्नों से विभूषित पुष्पक नामक दिव्य विमान स्वर्गलोक में विश्वकर्मा ने ब्रह्माजी के लिए बनाया था। कुबेर ने बड़ी तपस्या करके उसे ब्रह्माजी से प्राप्त किया और फिर कुबेर को बलपूर्वक परास्त करके राक्षसराज रावण ने उसे अपने हाथ में कर लिया। हनुमानजी ने देखा कि लंकावर्ती सर्वश्रेष्ठ गृह के मध्य भाग में एक उत्तम भवन शोभायमान था। वह बहुत ही निर्मल एवं विस्तृत था। उसकी लम्बाई एक योजन और चौड़ाई आधा योजन थी। सीताजी की खोज करते-करते हनुमानजी सब ओर घूम रहे थे। घूमते-घूमते वे रावण के निजी निवास में पहुँच गए। नर-नारियों से भरा हुआ वह कोलाहलपूर्ण भवन महासागर के समान प्रतीत हो रहा था। जो लक्ष्मी, कुबेर, चन्द्रमा और इन्द्र के यहाँ निवास करती हैं वे ही और भी सुरम्य रूप से रावण के घर में नित्य ही निश्चल होकर रहती थी। उस महल के मध्य भाग में एक दूसरा भवन पुष्पक विमान था।

बिहार चुनाव सीटों पर एक नजर

- संजय गोस्वामी

बिहार चुनाव में बीजेपी और जेडीयू 243 विधान सभा में आपस में 101 सीट में लड़ना ही नीतीश कुमार के विजय का पथ बन चुका था 6 नवंबर के दिन हुए मतदान में जेडीयू को सबसे ज्यादा सीट मिलने की संभावना है तो एनडीए में 101 सीट पर लड़ रही बीजेपीं की सरकार कैसे बनेगी सीट तो सभी लेना चाह रहें हैं लेकिन जीत कितने पर होगी ऐ एक प्रश्न चिंह है एन डी ए को मिलकर नीतीश कुमार को खुशी मन से मुख्य मंत्री के नाम का ऐलान करना चाहिए था यही गलती बीजे पीं से हुई जिसका फायदा जे डी यू व महागठबंधन को मिलता दिख रहा है जब भी यदि केंद्र में अपने दम पर बहुमत ना हो तो घटक दल को साथ लेकर चलना चाहिए यदि बीजेपीं को नीतीश कुमार को इस चुनाव में मुख्य मंत्री का उम्मीदवार नहीं ही घोषित करना था तो सभी सीट पर लड़ना चाहिए और अपने ही ओर से मुख्य मंत्री के नाम का ऐलान करना चाहिए रिकॉर्ड मतदान ऐ दिखाता है कि सभी ने नीतीश कुमार के पक्ष में ज्यादा मतदान किए हैं नहीं भरोसा है तो 14 नवंबर के दिन मतगणना में देख लीजियेगा कि कौन सरकार बना सकती है जेडीयू सबसे बड़े दल के रूप में आएगी उधर महागठबंधन में भी आपस में सीटों में खींचातानी चल रही है जिससे आरजेडी भी आसंजस में है आरजेडी में चुनाव को तेजस्वी को लेकर परिवार के अंदर ही बगाबत हो गई और तेज प्रताप यादव जो उनके भाई हैं एक अलग ही पार्टी बना ली इन सब के बीच जनसुराज पार्टी चुनाव प्रचार में पार्टियों के मंत्री प? आरोप लगा रहें हैं लेकिन जब मालूम था ऐ क्राइम किया है तो अभी चुनाव में क्यों बता रहें है पहले बताना चाहिए और खुद पहले अपने को भी देखना चाहिए एक कहावत है बुरा बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय। जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय॥ यह संत कबीर दास का एक प्रसिद्ध दोहा है जिसका अर्थ है कि जब मैं दुनिया में दूसरों की बुराई खोजने चला, तो कोई बुरा व्यक्ति नहीं मिला। लेकिन जब मैंने अपने अंदर झाँका और अपने मन को टटोला, तो मुझे पता चला कि मुझसे बुरा कोई नहीं है अतः पहले खुद को भी देखना चाहिए बिहार में माफियाओ के बल पर आज भी सरकार बनती है ऐ किसी से छिपा नहीं है और बिहार में सत्ता में रहने के लाठी का दबदबा भी चाहिए नहीं तो कोई भी पार्टी को तोड़ कर इधर से उधर चला जायेगा प्रशांत किशोर जी को चाहिए आरोप या प्रत्यारोप से बच कर जनता के लिए कुछ करना चाहिए गलत गलत ही होता है जब यहाँ से सजा नहीं मिलता तो ऊपरवाला छोड़ नहीं देगा समय का इंतजार करिये अभी राज खोलने से जनता के बीच में ऐ संदेश जाता है कि पहले इतना दिन से कहाँ थे और अभी चुनाव के बीच करने का मतलब है सत्ता पाना जो कुछ ही सीट 3-4 से ज्यादा नहीं मिलने वाली है चुनाव जितने के लिए काम करना होता है और जब काम करेंगे और जनता जरूर जीता देगी और जब जीत कर सरकार बन जाएगी तो जाँच करा देना अतः इन सब के राज खोलने से जनता को मिलेगा क्या? जनता की सेवा करो और किसी के व्यक्तिगत आरोप से बचना चाहिए जब हम दूसरों में दोष ढूंढने निकलते हैं, तो हमें बहुत सारे लोग बुरे लग सकते हैं, लेकिन यह एक ऊपरी और भ्रामक सोच है इससे जनता को क्या मिलेगा फैसला तो अदालत में होता है दूसरों की आलोचना करने या निंदा करने के बजाय, हमें अपनी बुराइयों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए और सेवा से ही जीत मिलेगी।

आज का राशिफल

मेष सुख इजाफा होगा,फल स्वरूप वृद्धजनों की सेवा पर धन व्यय होने से मन में हर्ष रहेगा।	**तुला** आज अत्यधिक श्रम करने पर भी आय कम और व्यय अधिक होगा। गुप्त शत्रु सक्रिय रहेंगे।
वृषभ प्रतिद्वंदी आपसे आगे निकलने का प्रयास करेंगे। धीरे-धीरे सफलता की ओर कदम बढ़ाए जा सकते हैं।	**वृश्चिक** कोई महत्वपूर्ण व्यावसायिक अनुबंध आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है।
मिथुन दिन सामान्य है। बौद्धिक तथा व्यवसायिक क्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त होगी।	**धनु** घर में धन धान्य की वृद्धि, धन का लाभ, निरोगता, शत्रुओं पर विजय और सभी मनोरथ सिद्धि होगी।
कर्क आज शुभ कार्यों में आपकी दिलचस्पी बढ़ेगी। आप द्वारा लिया गया निर्णय आगे लाभप्रद रहेगा।	**मकर** उच्चाधिकारियों की कृपा से भूमि-जायदाद सम्बन्धी विवाद का समाधान भी हो जाएगा।
सिंह आज आपका भाग्य हर काम में आपका साथ देगा। विरोधियों का षड़यंत्र असफल रहेगा।	**कुंभ** आज का दिनकर्म फल की सिद्धि कारक है। कहीं से कमा कमाया धन मिलने का योग है।
कन्या दिन लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा। मीन राशि का चन्द्रमा आपके सामने ढेर सारी जिम्मेदारियां खड़ी करेगा।	**मीन** आज धन का आगमन होगा। फल स्वरूप आज पूरे दिन आय के नए स्रोत सामने आयेंगे।

विशेष

जंगल राज वह या यह

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह का बयान सारे देश में वायरल हो रहा है उनके बयान के बाद यह कहा जा रहा है लालू यादव के 15 साल का जंगल राज और 20 साल के नितीश बाबू के जंगल राज में क्या फर्क है केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने लालू यादव को भी पीछे छोड़ दिया है। बिहार में पहले भी जंगल राज था और आज भी जंगल राज है।

आरके सिंह ने दिखाया असली रंग

पूर्व केंद्रीय गृह सचिव तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दोनों कार्यकाल में मंत्री रहे आरके सिंह ने जिस तरह से रंग बदला है। उससे भाजपा हतप्रभ है। उन्होंने बिहार सरकार के ऊपर अडानी के साथ समझौता कर 62000 करोड रुपए के ऊर्जा घोटाले का आरोप लगाया है। आरके सिंह के रंग बदलने से मनमोहन सिंह सरकार और कांग्रेस को बड़ा झटका लगा था। अब चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने भाजपा को तगड़ा झटका दिया है।

खेड़ा का बयान विवादित

बिहार विधानसभा चुनाव अब विवादित बयानों के लिए सुर्खियां बटोर रहा है। दरअसल कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इंगित करते हुए कह दिया, कि प्रधानमंत्री मोदी की कनपटी पर कट्टा रखिए और खुद को मुख्यमंत्री घोषित कर दीजिए। उनके इस बयान के बाद सियासती गलियारा गरमाया हुआ है, लेकिन कहने वाले तो यही कह रहे हैं कि खेड़ा ने तो यह बयान पीएम मोदी के उस बयान के बाद दिया जिसमें उन्होंने खुद कनपटी पर कट्टा रखने और फैसला करवाने जैसी बात मंच से कही थी।

कार्टून कोना

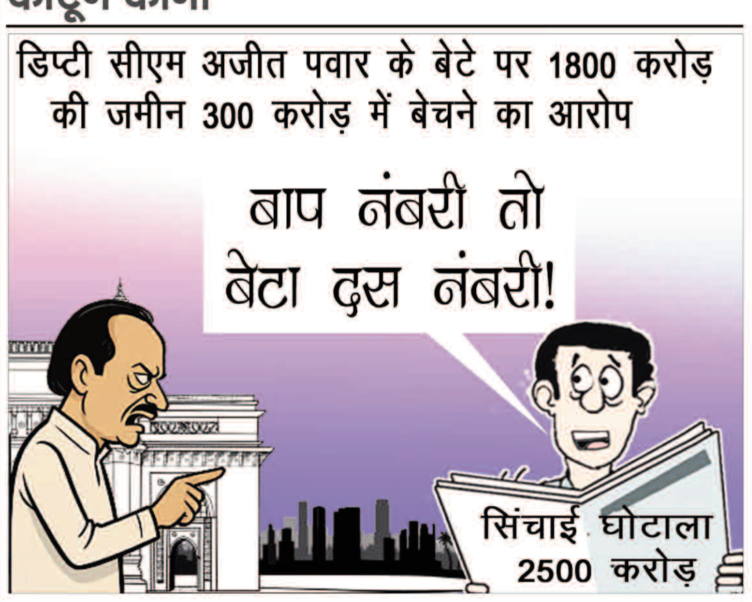

आज का इतिहास

1659: शिवाजी ने अफजल खान को प्रतापगढ़ किले के पास मार दिया। 1681: तमिलनाडु में भयंकर तूफान से 14 हजार लोगों की मृत्यु । 1698: ईस्ट इंडिया कंपनी ने कलकत्ता को खरीदा। 1944 हिरोहितो जापान की गद्दी पर बैठे। 1945 अल्बानिया की कम्युनिस्ट वर्चस्व वाले सरकार को पश्चिमी देशों ने मान्यता दी। 1970: सोवियत संघ ने वायुसीमा का उल्लंघन करने वाले विमान के दो अमरीकी जनरलों, तुर्की के एक अधिकारी और विमान चालक को रिहा किया। 1975 अंगोला स्वतंत्र हुआ। 1976 सिरीयाई फौजें लेबनान में एक समझौते के तहत पहुंची। 1987 नाइजर के राष्ट्रपति सेयनी माउंटशे का निधन। 1988: सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों द्वारा कर्फ्यू का उल्लंघन करने पर श्रीलंका में सुरक्षाकर्मियों की गोली से 15 व्यक्ति मारे गए।

दैनिक पंचांग

10 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

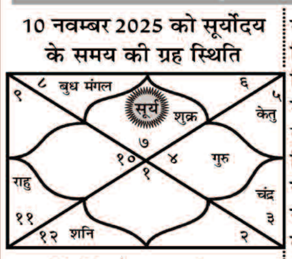

सोमवार 2025 वर्ष का 314 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** षष्ठी 00.09 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पुनर्वसु 18.49 बजे को समाप्त। **योग** साध्य 12.05 बजे को समाप्त। **करण** गर 12.57 बजे तदनन्तर वणिज 00.09 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 17° 09' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872524 **जूलियन दिन** 2460989.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 18

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.43 ब.से
चंद्र	मिथुन में	धनु	08.59 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.04 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.51 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.24 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.54 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.34 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.32 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.46 बजे से
राहुकाल		सिंह	00.02 बजे से
7.30 से 9.00		कन्या	02.14 बजे से
बजे तक		तुला	04.25 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

नोतून सूर्य आलो दाव का हुआ भावनात्मक मंचन

धनबाद, एजेंसी। माझेरपाड़ा सांस्कृतिक संघ द्वारा आयोजित दो दिवसीय बांग्ला जात्रा के पहले दिन शनिवार को कृष्णकाली ओपेरा धारा द्वारा 'नोतून सूर्य आलो दाव' सामाजिक जात्रा पाल गान का मंचन किया गया। कार्यक्रम में नाटक के नायक आयान, नायिका दीया एवं खलनायक के भंडारी ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जात्रा पाला गान में सामाजिक कुरीति का भावनात्मक मंचन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों में सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, समाजसेवी कुंभनाथ सिंह, डॉ देवाशीष चक्रवर्ती, समाजसेवी सम्राट चौधरी, प्रसून दास गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर की। संघ की ओर से अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया गया। जात्रा को सफल बनाने बादल सरकार, टोनी बनर्जी, प्रणब राय, दुबाई बनर्जी, जयदेव दास, जय दास, अमलेंदु मुखर्जी, राजेश राय, अभिक घोष आदि सक्रिय रहे।

सीएम हेमंत सोरेन ने कार्यकर्ताओं संग चुनावी रणनीतियों पर की चर्चा

जमशेदपुर, एजेंसी। ताम्र प्रतिभा मंच मैदान, मऊभंडार (घाटशिला) में झामुमो द्वारा आयोजित एक चुनावी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन ने शिरकत की। उन्होंने सोमेश चंद्र सोरेन के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया और उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। इस दौरान रजक समाज समेत अन्य समाज व समुदाय के लोगों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर चुनावी रणनीतियों पर चर्चा की। इस दौराम झामुमो पूर्वी सिंहभूम जिले के संयोजक प्रमुख बाघराय मार्डी, झारखंड आंदोलनकारी अजय रजक, समद अंसारी, बनाई मुर्मू, सपन रॉय, निमाई कालिंदी समेत अन्य मौजूद थे।

प्रिंस खान के लिए किशन चला रहा स्लीपर सेल, पुलिस कर रही तलाश

धनबाद, एजेंसी। वासेपुर के फरार गैंगस्टर प्रिंस खान के तीन गुर्गों परवेज, तौसिफ और रशिद के दो दिनों की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद बैंक मोड़ पुलिस ने पूछताछ के बाद तीनों को धनबाद जेल वापस भेज दिया। पूछताछ में तीनों ने प्रिंस के स्लीपर सेल के सरगना का नाम के अलावा अन्य कई जानकारियां पुलिस को दी है। पुलिस अब उसी आधार पर काम कर रही है। कुछ अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। पूछताछ में तीनों ने पुलिस को बताया कि प्रिंस खान के लिए स्लीपर सेल किशन खान चलाता है। किशन का घर वासेपुर, कुर्मीडीह और गोविंदपुर में है। पिछले कुछ सालों में उसने अकूत संपत्ति अर्जित की है। पुलिस को बताया कि रंगदारी का पैसा किशन ही रखता है और उसे जमीन व कोयले के कारोबार में लगाता है। उसकी जिम्मेदारी है कि किस शूटर को कितना रुपया देना है और रंगदारी का रुपया कैसे प्रिंस व गोपी तक पहुंचाना है। किशन के इशारे पर ही तीनों काम करते थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि किशन खान का नाम पहले भी आया था। पहले वह जानवरों को तस्करी करता था। अभी भी वह उसी गिरोह का संचालन कर रहा है। पहले उस पर हथियार सप्लाई का आरोप लगा था और उसमें वह जेल भी गया था। पुलिस ने उसके घर में छापेमारी कर जमीन के कई डीड व एग्रीमेंट पेपर जब्त किया है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए धनबाद के अलावा बिहार व झारखंड के कई जिला में छापेमारी कर रही है। रिमांड में पूछताछ में अपराधियों ने बताया कि स्लीपर सेल में किशन के अलावा भी दर्जनों सफेदपोश शामिल हैं। जो किसी न किसी रूप से प्रिंस खान से जुड़े हैं और उसके लिए काम कर रहे हैं। कोई यूपी जाकर रुपये पहुंचा रहा है, तो कोई व्यवस्था में लगा है। पुलिस कई सफेदपोश को उठाने की तैयारी में है।

घने जंगल में चल रही थी अफीम की खेती की तैयारी, पुलिस और वन विभाग ने की कार्रवाई!

पलामू, एजेंसी। जिला में मनातू थाना क्षेत्र के घने जंगलों में अवैध अफीम की खेती की तैयारी चल रही थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस एवं वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और अफीम के तस्कर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस एवं वन विभाग की टीम ने अफीम तस्करों के टेंट और खेती में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को जला दिया है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि मनातू थाना क्षेत्र के पश्चिमी क्षेत्र टंडवा के जंगल मे अफीम की खेती की तैयारी चल रही है। इसी सूचना के आलोक में मनातू थाना एवं वन विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से सर्च अभियान शुरू किया। सर्च अभियान के क्रम में जैसे ही टीम टंडवा के इलाके में दाखिल हुई, तस्करों को इसकी भनक लग गई। तस्कर मौके से फरार हो गए।सर्च अभियान में शामिल टीम को मौके से अफीम तस्करों का टेंट और कई सामग्री बरामद हुआ। टीम ने सभी सामग्री को जला दिया है। तस्कर जिस जमीन पर अफीम की खेती करने वाले थे वह वन विभाग की है। सर्च अभियान में शामिल टीम अफीम तस्करों के खिलाफ आगे की कार्रवाई कर रही है।

सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने किया सभा को संबोधित

पूर्वी सिंहभूम, एजेंसी। घाटशिला विधानसभा में हो रहे उपचुनाव को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों का चुनाव प्रचार तेज हो गया है। इसी क्रम में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन महागठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के समर्थन में चुनावी सभा में शामिल हुए।

सीएम हेमंत सोरेन ने सभा को किया संबोधित : घाटशिला में आयोजित एक चुनावी रैली में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन और मंत्री रामदास सोरेन के निधन से यह वर्ष झामुमो, झारखंड और भारत के आदिवासी समुदाय के लिए बेहद दुखद रहा है। रामदास सोरेन के साथ गुरुजी का ऐसा गहरा नाता था कि यह घटना इस बात का संकेत है कि गुरुजी के सच्चे शिष्य और सैनिक इस धरती पर तो साथ रहे ही, परलोक में भी साथ रहने का निश्चय कर चुके।

सीएम ने लोगों से कहा कि रामदास सोरेन ने घाटशिला क्षेत्र में निश्चित रूप से ऐसी उपलब्धि हासिल की कि आप उन्हें घाटशिला से तीन बार चुनकर लाए हैं। 15 नवंबर 2000 को काफी संघर्ष के बाद यह अलग झारखंड राज्य तो हासिल हो गया, लेकिन झारखंड की बागडोर उन लोगों के हाथों में रही, जिन्हें झारखंड या झारखंडी नाम से भी कभी प्यार नहीं था। राज्य के अलग होने के बाद, अपने राज्य में कई परिवार और व्यक्ति बिना भोजन के मर गए, लेकिन झामुमो सरकार ने अपने लोगों के लिए पंचायतों के घरों तक अधिकारियों को भेजने की पहल की।

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि आने वाले वर्ष में, एक कानून बनाया जाएगा कि बीडीओ और सीओ झारखंड के लोगों के घर जाएंगे और उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। कई जगहों पर लोगों ने खराब सड़कों और टूटे पुलों के कारण मतदान के बहिष्कार का ऐलान किया है। वे वोट दें या न दें, झारखंड की हेमंत सरकार बहुत जल्द उनकी समस्याओं का समाधान करने का काम करेगी।

केंद्र सरकार राज्य में भारत सरकार की लाभदायक कंपनियों और उपक्रमों को बंद कर उन्हें अपने व्यापारिक मित्रों को सौंपने में लगी हुई है। हमारे झारखंड की माताएं और बहनें अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए साहूकारों के चंगुल में फंस रही थीं। उन्हें इससे मुक्त कराने के लिए, हमने अपनी माताओं और बहनों के सम्मान की रक्षा के लिए मंईयां सम्मान योजना शुरू की है, जिसका असर राज्य में दिख रहा है।

आदिवासियों की पहचान मिटाने और इस जगह पर कब्जा करने के लिए उन्होंने मुझे जेल भेज दिया, लेकिन झारखंड की जनता के आशीर्वाद की शक्ति मुझे ज़्यादा देर तक सलाखों के पीछे नहीं रख सकी। यहां के लोगों पर बोझ कम करने के लिए, हमने एक ही आदेश में वर्षों पुराने बिजली बिल माफ कर दिए। राज्य के संसाधनों और राजस्व पर पहला हक राज्य की जनता का है, उसके बाद यह सरकार के पास आएगा। झारखंड में विभिन्न जातियों के लोगों के जमीन के रिकॉर्ड में अशुद्धि के कारण जाति प्रमाण पत्र बनवाने में समस्या आ रही है। चुनाव के बाद, इस सदियों पुरानी जटिलता को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाएगा।

कल्पना सोरेन का संबोधन : कल्पना मुर्मू सोरेन ने घाटशिला विधानसभा के मऊ भंडार ताम्र प्रतिभा मैदान में सोमेश चंद्र सोरेन के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। कल्पना सोरेन ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन और दादा रामदास सोरेन का निधन झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए एक अपूरणीय क्षति है। दादा रामदास सोरेन घाटशिला विधानसभा को झारखंड का सबसे विकसित विधानसभा बनाना चाहते थे, चाहे वह रोजगार, शिक्षा या स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो। उन्होंने झारखंड के बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए अपनी पहल पर सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की ताकि गरीब लोगों के बच्चे भी धाराप्रवाह अंग्रेजी पढ़ और बोल सकें और अपने जीवन स्तर में सुधार कर सकें। इसीलिए उन्होंने स्कूल का प्रस्ताव रखा था।

कल्पना सोरेन ने कहा कि रामदास सोरेन ने अपने विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के लिए एक जनजातीय विश्वविद्यालय का भी सपना देखा था। रोजगार की बात करें तो वे गुड़ाबांदा के घने जंगल में पाए जाने वाले दुनिया के सबसे कीमती पन्ना पत्थर की खदान खोलने के पक्षधर थे। इसके लिए उन्होंने सरकार से कई बार सर्वे भी करवाया था। अब वह कार्य भी प्रक्रिया में है। उम्मीद है कि जल्द ही गुड़ाबांदा के लोगों को भी रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की बंद पड़ी सुरदा, राखा, केंदाडीह खदानों और कोली जिलेन पर भी काम हुआ और अब वहां हजारों लोग काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दादा रामदास सोरेन का निधन घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए एक दुखद क्षण है। अगर हमें रामदास सोरेन के विकास के सपनों को आगे बढ़ाना है, तो उनके बेटे सोमेश सोरेन को भारी मतों से जिताना होगा। पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की पत्नी सूरजमनी सोरेन ने भी मंच से सभा को संबोधित किया। उन्होंने नम आंखों से क्षेत्रवासियों से कहा कि रामदास सोरेन के बेटे सोमेश सोरेन को अपना बहुमूल्य वोट देकर जिताना है। उन्होंने कहा कि मैंने अपने पति को घाटशिला की जनता को समर्पित कर दिया था, आज फिर से अपना बेटा आपको सौंपती हूं। इस चुनावी सभा में मुख्य रूप से राज्यसभा सांसद महुआ माजी, सांसद विजय हासंदा, विधायक मथुरा महतो, विधायक सविता महतो, मंत्री दीपक बिरुआ, मंत्री संदीप सोनू समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गोड्डा में 12 हजार लीटर नकली पेट्रोल जब्त, बिहार भेजा जा रहा था नकली पेट्रोल

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा मुफस्सिल थाना पुलिस ने शुक्रवार की देर रात एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए दो टैंकरों से 12,000 लीटर से अधिक नकली पेट्रोल जब्त किया। पुलिस को देर रात गुप्त सूचना मिली थी कि बंका से सरकंडा, गोड्डा होते हुए बिहार की ओर अवैध ज्वलनशील पदार्थ ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी आनंद साहा के नेतृत्व में टीम एक्शन में आई।

पुलिस ने पाकुड़-गोड्डा मुख्य मार्ग स्थित सिंहवाहिनी पुल के पास रात में ही वाहन जांच शुरू की। लगभग 1:10 बजे चांदनी चौक की दिशा से पहले एक सफेद मैजिक टैंकर और उसके पीछे एक ट्रक टैंकर आता दिखाई दिया। पुलिस चेकिंग देखते ही दोनों वाहनों के चालकों ने टैंकरों को रोककर घुमाने की कोशिश की, लेकिन सशस्त्र बल के जवानों ने तुरंत दौड़ लगाकर दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया। इस दौरान चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

रात होने और आसपास कोई नहीं होने पर आरक्षी संजीव पंडित और आरक्षी राजीत दुबे की उपस्थिति में वाहनों की जांच की गई। पुलिस ने टॉर्च की रोशनी में टैंकरों के ढक्कन खोले और भीतर रखे पदार्थ को सूंघकर देखा। इसमें पेट्रोल जैसी गंध वाला नकली ज्वलनशील पदार्थ भरा हुआ पाया गया। दोनों टैंकरों से लगभग 12,000 लीटर नकली पेट्रोल बरामद होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने मौके पर काफी देर तक इंतजार किया, लेकिन ज्वलनशील पदार्थ से जुड़े कागजात लेकर कोई भी व्यक्ति नहीं पहुंचा।

वाहन मालिक, चालक और अज्ञात व्यक्तियों पर एफआईआर : किसी भी प्रकार के दस्तावेज प्रस्तुत न किए जाने पर पुलिस ने विधिवत कार्रवाई करते हुए दोनों वाहनों को जब्त कर लिया। इसके बाद वाहन मालिक, चालक और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपों में अवैध ज्वलनशील पदार्थ की खरीद-बिक्री, नकली पेट्रोल तैयार करने के लिए रासायनिक मिश्रण का उपयोग, आपराधिक षड्यंत्र, जालसाजी और राजस्व चोरी शामिल हैं।

पूर्व डीसी राय महिमापत पर करोड़ों की जमीन खरीदने का आरोप, एसीबी ने दर्ज की आय से अधिक संपत्ति का केस

रांची, एजेंसी। रांची के पूर्व डीसी राय महिमापत रे पर करोड़ों रुपये की जमीन व फ्लैट खरीदने का आरोप है। आयकर अनुसंधान के आधार पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने राज्य सरकार से अनुमति लेकर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में प्रारंभिक जांच (पीई) दर्ज की है। जांच जारी है।

जांच के बाद ही उनपर लगे आरोपों को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी। वर्ष 2011 बैच के आइएएस अधिकारी राय महिमापत रे वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं और विश्व बैंक में पदस्थापित हैं। वे फरवरी 2018 से जुलाई 2020 तक रांची के डीसी थे।

आयकर विभाग में 31 जुलाई 2020 को झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता राजीव कुमार ने लिखित शिकायत की थी। उन्होंने विभाग को बताया था कि आइएएस अधिकारी राय महिमापत रे ने 12 एकड़ से अधिक जमीन खरीदी है। ये जमीन नामकुम, पुंदाग व तुपुदाना मौजा में हैं, जिसका बाजार मूल्य करीब 20 से 25 करोड़ से अधिक है। उनपर कुछ बिल्डर जैसे मेसर्स प्रणामी बिल्डर्स, मेसर्स श्रीजेन इंफ्रास्ट्रक्चर व बिल्डर विजय अग्रवाल के सहयोग से उपरोक्त जमीन खरीदने का आरोप लगाया गया था।

आयकर विभाग को दिए गए आवेदन में अधिवक्ता ने बताया था कि राय महिमापत रे ने अपने व अपने पारिवारिक सदस्यों के नाम पर नामकुम मौजा में 4.82 एकड़ जमीन खरीदी, जिसका बाजार मूल्य करीब एक करोड़ रुपये के करीब है।

इसे खरीदने में प्रणामी बिल्डर्स ने उन्हें सहयोग किया। महिमापत रे ने मेसर्स श्रीजेन इंफ्रास्ट्रक्चर से तुपुदाना में 59 लाख रुपये मूल्य से पांच एकड़ पांच डिसमिल जमीन खरीदी। उक्त संपत्ति अपने पारिवारिक सदस्यों के नाम पर दो सितंबर 2019 को खरीदी थी।

यह जमीन प्राइम लोकेशन में है, जिसका वर्तमान बाजार मूल्य करीब 10 करोड़ रुपये से कम नहीं है। बिल्डर विजय अग्रवाल ने पुंदाग में एक जमीन कारोबारी को 2.6 एकड़ जमीन बेची थी।

उस जमीन कारोबारी को राय महिमापत रे का करीबी बताया गया था। उक्त जमीन 49 लाख 50 हजार रुपये में खरीदी गई थी। अधिवक्ता ने उक्त जमीन से संबंधित दस्तावेज भी आयकर विभाग को सौंपा था। अब एसीबी पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

झारखंड में 3 दिनों में तेजी से गिरेगा तापमान, मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

रांची, एजेंसी। पिछले एक सप्ताह से लगातार राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में ठंड का असर दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के द्वारा जारी पूर्वानुमान में बताया गया है कि राज्य में 9 से 14 नवंबर तक सुबह में कोहरा या धुंध और बाद में आसमान मुख्यतः साफ रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा।

इस दौरान राज्य में अगले तीन दिनों तक यानी 9, 10 और 11 नवंबर तक न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी। इसके बाद अगले दो दिनों तक यानी 12 और 13 नवंबर तक तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि तापमान गिरने से ठंड का असर बढ़ने लगेगा। इस वर्ष अधिक वर्षापात होने के कारण पर्यावरण में पर्याप्त नमी मौजूद है और ठंड बढ़ने से इसका सीधा असर सेहत पर भी पड़ेगा। रांची के आसपास घाटी क्षेत्रों में तो अहले सुबह और शाम ढलते ही कोहरे का असर दिखने लगा है।

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे के दौरान पूरे राज्य का मौसम शुष्क बना रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा का जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.9 डिग्री सेल्सियस गुमला का रिकॉर्ड किया गया। वहीं, राजधानी रांची का अधिकतम 27.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 15.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

लोहरदगा जिला में विगत एक सप्ताह के दौरान तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। जिले में न्यूनतम तापमान में काफी ज्यादा गिरावट आई है। जिसकी वजह से लोगों को ठंड का सामना करना पड़ रहा है। लोग गर्म कपड़े पहन कर घर से बाहर निकलने को विवश हो चुके हैं। जिले में शनिवार को अधिकतम तापमान 24.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। आने वाले दिनों में तापमान में और भी ज्यादा गिरावट होने की उम्मीद की जा रही है। मौसम में हुए बदलाव का असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी देखा जा रहा है। सर्दी, खांसी, बुखार जैसी बीमारियां लोगों को प्रभावित करने लगी है।

नवंबर माह के शुरू होने के साथ ही मौसम में बदलाव शुरू हो गया था। लोगों को ठंड का एहसास होने लगा था। जैसे-जैसे नवंबर का महीना आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे कड़ाके की सर्दी दस्तक दे रही है। सुबह और शाम के समय तो काफी ज्यादा ठंड का एहसास हो रहा है। दिन के समय में भी ठंडी हवाएं चल रही हैं।

पलामू में कुएं से मिली 10 वर्षीय बच्ची का लाश:दो दिन पहले हुई थी लापता

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के कोसिआरा गांव में दो दिन से लापता दस वर्षीय ऋतु कुमारी का शव रविवार को एक कुएं से बरामद किया गया। बच्ची राम विनय चौरसिया की पुत्री थी। शुक्रवार शाम ऋतु अपनी बहन के लिए खेत पर खाना लेकर गई थी, जिसके बाद वह घर नहीं लौटी। परिजनों ने देर रात से ही उसकी खोजबीन शुरू कर दी थी, लेकिन कहीं पता नहीं चल सका।

परिजनों ने चैनपुर थाना पहुंचकर बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। ग्रामीणों के साथ पुलिस भी लगातार खोज कर रही थी, लेकिन रविवार को गांव के ही एक कुएं में ग्रामीणों को संदेह हुआ। सूचना पर पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। शव की पहचान होते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

प्रथम दृष्टया पुलिस इसे हत्या का मामला मान रही है। अधिकारियों ने आशंका जताई कि किसी आपराधिक तत्व ने बच्ची की हत्या कर शव को कुएं में फेंक दिया होगा ताकि सबूत मिटाए जा सकें। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के इलाके को सील कर दिया है और घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

गांव में बच्ची की मौत की खबर फैलते ही दहशत और आक्रोश का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में इस तरह की घटना पहले कभी नहीं हुई। लोगों ने पुलिस से मांग की कि जल्द से जल्द दोषियों की गिरफ्तारी हो और बच्ची को न्याय मिले। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है।

स्थानीय विधायक आलोक चौरसिया सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बच्ची के परिवार से मुलाकात की और संवेदना प्रकट की। विधायक ने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित और निष्पक्ष जांच की जाए। उन्होंने दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी सजा सुनिश्चित करने की बात कही। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

घाटशिला में महागठबंधन प्रत्याशी के समर्थन में कांग्रेस की झोंकी ताकत

रांची, एजेंसी। 11 नवंबर को झारखंड की घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान होना है। 09 नवंबर की शाम घाटशिला उपचुनाव के लिए चुनाव प्रचार समाप्त हो जाएगा। लिहाजा एनडीए और इंडिया ब्लॉक में शामिल दलों के नेताओं ने अपने अपने प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। आज शनिवार को महागठबंधन की ओर से झामुमो प्रत्याशी सोमेश चन्द्र सोरेन के समर्थन में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा व्यापक जनसंपर्क एवं पदयात्रा अभिया चलाया गया। इस पदयात्रा का नेतृत्व झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने किया। प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में घाटशिला प्रखंड के दाहीगोडा हनुमान मंदिर से मऊभंडार अंबेडकर चौक तक पदयात्रा की।

इसके साथ ही चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि आज घाटशिला अपने लोकप्रिय नेता, झारखंड आंदोलन के महानायक और गुरुजी शिबू सोरेन के करीबी साथी स्व। रामदास सोरेन की कमी महसूस कर रहा है उनके संघर्ष को कभी भुलाया नहीं जा सकता। रामदास सोरेन को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब जनता उनके सुपुत्र सोमेश सोरेन को ऐतिहासिक मतों से विजयी बना कर विधानसभा भेजेगी।

इस पदयात्रा में शामिल राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। केंद्र की भाजपा सरकार सिर्फ धर्म और समुदाय के नाम पर समाज को बांटती है, जबकि महागठबंधन की सरकार जनता के अधिकार, सम्मान, रोजगार और विकास के लिए काम करती है।

वहीं धालभूमगढ़ के नोवाडीह में जनसभा एवं ग्रामीण जनता के के साथ बैठक करते हुए कांग्रेस विधायक ममता देवी ने कहा कि आज राज्य में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गठबंधन की सरकार ने मंईयां सम्मान योजना देकर महिलाओं को सशक्त करने का काम किया है। सवर्जन पेंशन, विधवा पेंशन जैसी योजना से महिलाएं को आर्थिक रूप से मजबूत करने का काम कर रही है। ममता देवी के साथ साथ कार्यक्रम में प्रखंड अध्यक्ष सतदल गिरि भी शामिल हुए।

घाटशिला के मुसाबनी प्रखंड में कांग्रेस कार्यालय से मोहुलबेडा तक पदयात्रा एवं सभा मुसाबनी प्रखंड में कांग्रेस अध्यक्ष संजय कुमार साह के नेतृत्व में पदयात्रा निकाली गई। जिसका मार्गदर्शन राज्यसभा सांसद प्रदीप कुमार बलमुचू ने किया। राज्यसभा सांसद प्रदीप कुमार बलमुचू ने कहा कि झारखंड की पहचान संघर्ष, जल-जंगल-जमीन और आदिवासी-मूलवासी की अस्मिता से है।

आज भाजपा और उसके संविधान, लोकतंत्र और झारखंडी पहचान को कमजोर करने का काम कर रही है। मुसाबनी में बंद पड़े खदानों को लेकर केंद्र में बैठी भाजपा की सरकार कोई पहल नहीं करती है। हमारी लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि झारखंड के अधिकार, सम्मान और भविष्य के लिए है। हम सब मिलकर सोमेश सोरेन को विजयी दिलाकर विधानसभा भेजने का काम करेंगे।

रबी फसलों के स्थान पर औषधीय एवं मसाला लगायें चन्द्रशूर

चन्द्रशूर एक ऐसी रबी औषधीय फसल है, जो विभिन्न प्रकार की भूमियों में बहुत ही कम संसाधनों में व सीमित सिंचाई साधनों के साथ उगाई जा सकती है।

चन्द्रशूर की प्रमुख विशेषताएं

- चन्द्रशूर विभिन्न प्रकार की भूमियों में उगाया जा सकता है।
- फसल की यदि 1–2 बार ही सिंचाई की जाये तो भी अच्छी उपज प्राप्त हो जाती है।
- चन्द्रशूर की खड़ी फसल को पशु नहीं चरते।
- चन्द्रशूर की खाद/उर्वरक की मांग भी अत्यंत सीमित है।
- चन्द्रशूर को सामान्यतः कीट–बीमारी कम लगती है।
- चन्द्रशूर के पौधों की वृद्धि तेजी से होती है, अतः नींदा कम पनप पाता है।
- कम लागत में अपेक्षाकृत अधिक लाभ देने वाली फसल है।
- किसान भाईयों को रतलाम, नीमच, मन्दसौर तथा इंदौर में बाजार होने से विपणन की समस्या नहीं। .
- चन्द्रशूर मालवरोध, चोट, अपच जैसी बीमारियों/ विकारों में भी उपयोगी दवा है।

वानस्पतिक विवरण

चन्द्रशूर का वानस्पतिक नाम लेपीडियम सटाइवम है एवं यह कुसीफेरी कुल का सदस्य है। मध्यप्रदेश में इसकी खेती सफलतापूर्वक व्यावसायिक स्तर पर की जा रही है।

चन्द्रशूर के अन्य नाम

असारिया, हालिम आली आरिया आदि।

चन्द्रशूर का पौधा 30–60 सेमी ऊंचा होता है जिसकी उम्र 3–4 माह होती है। इसके बीज लाल भूरे रंग के होते हैं जो 2–3 मिमी लंबे बारीक तथा बेलनाकार होते हैं। पानी लगने पर बीज लसलसे हो जाते हैं। इसकी खेती रबी के मौसम में की जाती है। इसका पौधा अलसी से मिलता जुलता होता है।

औषधीय उपयोग

चन्द्रशूर लम्बाई बढ़ाने एवं सुदृढ़ता के लिये बच्चों को दूध के साथ दिया जाता है महिलाओं की प्रसव के उपरांत दूध न उतरने पर इसका सेवन अत्यंत उपयोगी माना गया है, पाचन संबंधी विकार, नेत्र पीड़ा, वांत, मूत्र शुद्धि एवं प्रसव उपरांत टानिक के रूप में भी इसका प्रयोग आयुर्वेदिक चिकित्सा में किया जाता है। पशु आहार में चन्द्रशूर के उपयोग से दुधारू पशुओं में दुग्ध उत्पादन बढ़ जाता है।

अधिक उत्पादन के प्रमुख बिन्दु

भूमि

चन्द्रशूर वैसे तो सभी प्रकार की मिटटी में उगाया जा सकता है लेकिन उत्तम जल निकास वाली बुलई, दोमट मिट्टी जिसका पी.एच.मान सामान्य हो उपयुक्त होती है।

खेत की तैयारी

खेत में 3–4 बार जुताई कर पाटा से खेत को समतल कर लें। अंतिम जुताई में 6 टन गोबर खाद प्रति हेक्टेयर डाले यदि खरीफ की फसल में गोबर खाद डाली हो तो खाद डालने की आवश्यकता नहीं है।

बुआई समय

असिंचित क्षेत्रों में सितम्बर से अक्टूबर में तथा सिंचित क्षेत्रों में अक्टूबर–नवम्बर माह में बोनी की जाती है।

बीज दर एवं विधि

बीज दर 8 से 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से पर्याप्त होता है। कतारों से कतारों के बीच की दूरी 20 से 30 से.मी एवं बीज 1 से 1.5 से.मी. की गहराई पर डालें।

बीज उपचार

2 ग्राम थायरम . 1 ग्राम बाविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज के मान से बीज को उपचारित करें।

रसायनिक खाद

20 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम

स्फुर एवं 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति हेक्टर के मान से बीज बुआई के पूर्व खेत में मिलायें।

खरपतवार रोकथाम

20 –25 दिन बाद खुरपी से खरपतवार निकालें।

सिंचाई

चन्द्रशूर की फसल असिंचित भूमि में ली जा सकती है किन्तु यदि 2 –3 सिंचाई उपलब्धता के आधार पर क्रमशः एक माह, दो माह, एवं ढाई माह पर सिंचाई करें तो यह लाभकारी होता है।

कटाई एवं गहाई

चन्द्रशूर की फसल 90 से 120 दिन के अंदर पक कर कटाई के लिये तैयार हो जाती है। पत्तियां जब हरे से पीली पड़ने लगे एवं फ्ल में बीज लाल रंग का हो जाये तो यह समय कटाई के लिये उपयुक्त रहता है। हंसिये या हाथ से इसे उखाड़कर खलिहान में 2–3 दिन सूखने के लिये डाल दें फिर डंडे से पीटकर या ट्रैक्टर घुमाकर गहाई कर बीज को साफ कर लें।

उपज

असिंचित भूमि में 10–12 क्विंटल तथा सिंचित भूमि में 14–16 क्विंटल प्रति हेक्टर उपज प्राप्त होती है।

विपणन

नीमच, रतलाम, एवं मंदसौर, की मंडियों में यह बिक जाता है।

ईसबगोल

ईसबगोल एक औषधीय पौधा है। इसकी खेती सबसे अधिक भारत में पैदा की जाती है। राज्यों में – गुजरात पंजाब और उत्तर प्रदेश प्रमुख है जहां ईसबगोल एक नगद फसल के रूप में पैदा की जा रही है।

ईसबगोल एक छोटा तना रहित शाकीय पौधा होता है इसके बीज का छिलका (भूसी) का उपयोग औषधि के रूप में उपयोग किया जाता है। इसके बीज में क्यूसीलेज और एल्वोमीनियम पदार्थ सुरक्षित एवं अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बीमारियों जैसे आमशय की जलन, मूत्र रोग, स्थाई कब्ज, आंव व दस्त, बवासीर आदि रोगों की रोकथाम के काम आते हैं।

अधिक उत्पादन के प्रमुख बिन्दु

जलवायु

ठंडा सूखा वातावरण तथा खुले मौसम में ईसबगोल की फसल अच्छी होती है। फसल पकने के समय बादल नमी युक्त वातावरण अच्छा नहीं होता हैं ईसबगोल ऐसे समय में बोना चाहिये ताकि वह खुले मौसम में कट जावें अन्यथा पानी गिरने से इसका बीज खराब हो जाता है।

भूमि-

ईसबगोल सभी प्रकार की भूमि में पैदा किया जा सकता है परंतु उत्तम जल निकास वाली रेतीली दोमट भूमि इसके लिए उपयुक्त रहती है, जिसका पी एच मान 7 से 8 के बीच हो।

भूमि की तैयारी-

गोबर खाद भूमि में मिलाकर मिट्टी को बारीक भुरभुरी समतल निथार युक्त बनाकर सिंचाई की सुविधानुसार क्यारियों का आकार रखना चाहिये। बोनी लाईनों में या छिड़काव पद्धति से कर सकते हैं। लाइन से लाइन की दूरी 20 से मी रखना चाहिये।

उन्नत जातियां-

गुजरात ईसबगोल – 1, गुजरात ईसबगोल – 2 ये जातियां मध्यप्रदेश में 110 से 120 दिन में पककर तैयार होती हैं तथा 12 –14 क्विंटल प्रति हेक्टर उपज देती है। जवाहर ईसबगोल–4। यह 15 –17 क्विंटल प्रति हेक्टर उपज देती हैं।

बीज की मात्रा

4 से 5 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से पर्याप्त होता है। कतारों से कतारों के बीच की दूरी 20 से 30 से.मी एवं बीज 1 से 1.5 से.मी. की गहराई पर बोएं।

बीज उपचार

2 ग्राम थायरम, 1 ग्राम बाविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज से बीजोपचार किया जाता है।

बोनी का समय

ईसबगोल अक्टूबर में बोना चाहिये। बोनी पश्चात हल्की सिंचाई करना चाहिये ताकि बीज अपने स्थान से न हटे। 6 से 10 दिन में अंकुरण हो जाता है।

खाद की मात्रा

गोबर खाद 15 टन प्रति हेक्टेयर आखिरी जुताई के साथ भूमि में मिलायें।

रसायनिक खाद

50 किलोग्राम नत्रजन (50 प्रतिशत बोते समय एवं 50 प्रतिशत एक माह बाद खड़ी फसल में प्रथम सिंचाई के समय), 40 किलोग्राम स्फुर, 20 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टर बुआई के समय दें।

सिंचाई

पहली सिंचाई अंकुरण के लिये, द्वितीय सिंचाई 21 दिन बाद तथा तीसरी सिंचाई बालिया बनते समय देना चाहिये। ईसबगोल फसल मे कुल 3–4 सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। ध्यान रहे कि पानी खेत में न भरे अन्यथा फसल मर जायेगी।

निंदाई

खरपतवार नष्ट करने के लिये 1–2 निंदाई करवाना आवश्यक है अन्यथा उपज में कमी आ जाती है।

कीड़े एवं बीमारी की रोकथाम

ईसबगोल मे मुख्य रुप से मोला (माहू) कीट का प्रकोप फूल अवस्था पर देखा गया है। कीट की रोकथाम के लिये मिथाइल डेमेटान 1 से 1.25 मिली दवा / लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिये।

बीमारी

पावडरी मिल्डयू की रोकथाम के लिये 2 प्रतिशत घुलनशील सल्फर दो या तीन बार 15 दिन के अंतर से छिड़काव करें।

डाउनी मिल्ड्यू बीमारी की रोकथाम के लिये 0.1 प्रतिशत बाविस्टीन का जैसे ही बीमारी दिखे छिड़काव करें तथा 8-10 दिन के अंतर से छिड़काव करें।

कटाई एवं गहाई

ईसबगोल फसल करीब 4-5 माह में पककर तैयार हो जाती है। जैसे ही पत्तियां पीली पड़ें और बालियां हरे रंग से भूरे रंग की हो जाये तो फसल पक गई। फसल सुबह के समय काटना चाहिये जिससे उसके दाने गिरते नहीं है। फसल काटने के बाद 1 से 2 दिन सुखा कर गहाई करना चाहिये। बीज और छिलका को अलग करने के लिये ग्रेडिंग मशीन का उपयोग करना चाहिये। उपज में लगभग 30 प्रतिशत भूसी निकलती है जो औषधि के काम आती है।

उपज

ईसबगोल की उपज करीब 12 -15 क्विंटल प्रति हेक्टयर आती है।

सितंबर में लोन की औसत ब्याज दर 0.24 फीसदी घटी

रेपो दरों में कटौती का दिखा असर

● 0.25 प्रतिशत सस्ते सरकारी बैंकों के कर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी।
त्योहारी मौसम में बैंकों के कर्ज बढ़ाने और इस साल रेपो दर में एक फीसदी की कटौती से सितंबर में लोन की औसत ब्याज दर 0.24 फीसदी घट गई। हालांकि, लगातार पांच महीनों तक जमा पर ब्याज में कटौती के बाद बैंकों ने सितंबर में मामूली बढ़ोतरी कर दी। फरवरी से सितंबर के दौरान कर्ज की ब्याज दरों में 0.83 फीसदी और जमा ब्याज में 1.02 फीसदी की कटौती की गई।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के मुताबिक, भविष्य में ऋण दरों में सीमित कटौती की उम्मीद है। दिसंबर तिमाही में ये बढ़ भी सकती हैं। यह संभावना ऋण मांग में मौसमी वृद्धि और जमा राशि जुटाने में सुस्ती की उम्मीदों से बनी है। सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) के नए ऋणों की औसत ब्याज दर सितंबर में तेजी से गिरकर 8.5 प्रतिशत हो गई। यह अगस्त की तुलना में 0.24 फीसदी कम है। उम्मीद से ज्यादा बड़ा यह सुधार ग्राहकों के लिए त्योहारी सीजन का तोहफा प्रतीत होता है।

उदाहरण के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा ने 28 अगस्त से खुदरा ऋण दरों में 0.25 से 0.70 फीसदी की कटौती की थी। आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई जैसे

प्रमुख ऋणदाताओं ने सितंबर में कई ऑफर पेश किए। विभिन्न बैंकों ने कुछ निश्चित अवधियों पर सीमांत निधि आधारित उधार दर (एमसीएलआर) में 0.05 से 0.15 फीसदी तक कटौती की। इस कारण सितंबर में उधार दरों में भारी कमी आई।

सितंबर में सरकारी बैंकों के कर्ज औसतन 0.25 फीसदी सस्ते हुए। निजी क्षेत्र के बैंक स्थिर गति से आगे बढ़ रहे हैं। जून में उदार कटौती के बाद जुलाई में दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की। उसके बाद से उन्होंने लगातार दरें कम की हैं। सितंबर में निजी बैंकों के कर्ज की औसत ब्याज दरें 0.10 फीसदी कम हो गई। कुल मिलाकर, सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के नए कर्जों में मौजूदा ढील चक्र के दौरान 0.83 फीसदी की गिरावट आई है। यह जनवरी के 9.3 प्रतिशत से घटकर 8.5 प्रतिशत हो गया है। कर्ज की मांग बढ़ी तो घट गई नकदी कर्ज की मांग में तेजी से बैंकिंग सिस्टम की नकदी में गिरावट आ गई है। अगस्त में रोजाना की औसत नकदी 2.9 लाख करोड़ रुपये थी, जो सितंबर में कम होकर 1.6 लाख करोड़ रुपये रह गई। अक्तूबर में यह और घटकर एक लाख करोड़ रुपये हो गई। यह तब हुआ, जब आरबीआई ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में दो बार कटौती की थी। सीआरआर वह अनुपात है, जिस अनुपात में बैंकों को एक तय नकदी आरबीआई के पास रखनी होती है। तो पड़ सकता है ब्याज दरों पर दबाव

अक्तूबर में गिरते रुपये को सहारा देने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में सक्रिय रूप से आरबीआई हस्तक्षेप कर रहा है। अगर आरबीआई को और अधिक हस्तक्षेप करना पड़ा, तो इससे बैंकिंग प्रणाली की तरलता पर और दबाव पड़ सकता है। इससे उधारी पर कम हो रही ब्याज दरें आगे चलकर प्रभावित हो सकती है।

फरवरी में लंबे समय बाद घटी थी रेपो दर

फरवरी, 2025 में आरबीआई ने लंबे समय बाद पहली बार रेपो दर में कटौती की। बैंकों ने हर महीने कर्ज पर औसत ब्याज दर को 9 फीसदी तक घटाया। जून में यह कमी बढ़कर 0.58 फीसदी तक पहुंच गई। ऐसा इसलिए, क्योंकि आरबीआई ने रेपो दर में फिर से 0.50 फीसदी की कमी की। हालांकि, जुलाई में सरकारी बैंकों ने इसके उलट कर्ज की औसत ब्याज दरें 0.19 फीसदी तक बढ़ा दी। निजी क्षेत्र के बैंकों ने दर कटौती का चक्र जारी रखा। अगस्त में ढील फिर से शुरू हुई।

5.6 प्रतिशत पर पहुंची जमा पर ब्याज दरें

रिपोर्ट के अनुसार, जमा पर औसत ब्याज दरें अगस्त में कई वर्षों के निचले स्तर 5.56 फीसदी पर आ गई थी। हालांकि सितंबर में यह मामूली बढकर 5.6 फीसदी पर पहुंच गई। लेकिन फरवरी से लेकर सितंबर तक के दौरान इसमें 1.02 फीसदी की भारी गिरावट आई है। यह इसलिए हुआ क्योंकि उधारी पर भी ब्याज दरें इस दौरान तेजी से घटती रहीं और इससे बैंकों की लागत की दरें कम हो गईं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक साझेदारी को नई दिशा देने की तैयारी, पीयूष गोयल पहुंचे ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में एक अहम दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के व्यापार व पर्यटन मंत्री सीनेटर डॉन फैरेल और कौशल व प्रशिक्षण मंत्री एंड्रयू जाइल्स से मुलाकात की। इस द्विपक्षीय बैठक का उद्देश्य भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाई देना था। बैठक में भारत–ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता पर विस्तार से चर्चा हुई। यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, इस बातचीत में सीईसीए वार्ताओं की प्रगति की समीक्षा की गई और यह तय किया गया कि कैसे दोनों देश मिलकर व्यापारिक संबंधों को और मजबूत बना सकते हैं। खासतौर पर वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार, निवेश और पारस्परिक लाभ के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले से ही मजबूत रणनीतिक संबंध हैं, लेकिन इस समझौते से इन संबंधों को और गहराई मिलेगी। दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि आर्थिक साझेदारी की पूरी क्षमता को उजागर करने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

डॉलर की तेजी के कारण सोने में तीसरे सप्ताह गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट जारी रही। जानकारों का मानना है कि मजबूत अमेरिकी डॉलर और फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की सतर्क टिप्पणियों का निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की प्रतीक्षा और निगरानी की नीति के कारण सुरक्षित निवेश वाली इस परिसंपत्ति की मांग कम हुई है। दूसरी ओर, छुट्टियों के कारण छोटे कारोबारी सप्ताह में सर्राफा बाजार की कीमतें सीमित दायरे में बनी रहीं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव पिछले सप्ताह 165 रुपये यानी 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ शुक्रवार को 1,21,067 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

ग्रामीण भारत ने शहरी इलाकों को पछाड़ा

बढ़ती आय, आसान कर्ज और अच्छी बारिश से बढ़ा उपभोग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में उपभोग की रफ्तार अब शहरों से ज्यादा गांवों में देखने को मिल रही है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की ताजा इकोस्कोप रिपोर्ट रूरल रूल्स, अर्बन फॉलोज के मुताबिक, आय में बढ़ोतरी, कर्ज की आसान उपलब्धता और बेहतर मानसून के कारण ग्रामीण भारत में खपत तेजी से बढ़ी है। सरकार ने शहरी उपभोग को बढ़ाने के लिए आयकर में कटौती और जीएसटी सुधार जैसे कदम उठाए, लेकिन इसके बावजूद ग्रामीण इलाकों में खपत ज्यादा बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही से ग्रामीण खपत में लगातार इजाफा हो रहा है। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में यह 7.7 प्रतिशतकी सालाना दर से बढ़ी। यह पिछली 17 तिमाहियों में सबसे तेज है। हालांकि शहरी इलाकों में भी कुछ सुधार देखने को मिला है, लेकिन वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में वहां की खपत धीमी रही। त्योहारों के मौसम से पहले पेट्रोल की मांग और गैर-कृषि आयात जैसे संकेतकों में सुधार देखा गया है, जिससे उम्मीद है कि तीसरी तिमाही में शहरी खपत में तेजी आएगी। रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण मांग आने वाले समय में भी मजबूत बनी रह सकती है। इसकी वजह है बढ़ती मजदूरी, अच्छी रबी फसल की संभावना और कम महंगाई। वहीं, त्योहारों के चलते शहरी मांग में भी सुधार की उम्मीद है।

संकटों से घिरी दुनिया में किसानों का कमाल, अनाज उत्पादन तोड़ेगा रिकॉर्ड

दुनिया के कई हिस्सों में खाद्य मुद्रास्फीति, जलवायु संकट और आपूर्ति व्यवधानों से लोग जूझ रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी।
संकटों से जूझ रही दुनिया में किसान अपना काम चुपचाप करते रहे। इसी का असर है कि इस साल वैश्विक अनाज उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की संभावना है। अनुमान है कि कुल उत्पादन 4.4 फीसदी बढ़कर 299 करोड़ टन तक पहुंच सकता है, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर होगा। यह वृद्धि उस समय हो रही है जब दुनिया के कई हिस्सों में खाद्य मुद्रास्फीति, जलवायु संकट और आपूर्ति व्यवधानों से लोग जूझ रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि बेहतर मौसम, उन्नत कृषि तकनीक और निर्यात प्रतिबंधों में ढील ने इस सकारात्मक रुझान को संभव बनाया है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार मक्का, गेहूं और चावल तीनों प्रमुख अनाजों की पैदावार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की उम्मीद है। सबसे अधिक उछाल मक्का की फसल में देखा जा सकता है, जबकि चावल की वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम रहेगी, लेकिन यह भी अपने इतिहास के उच्चतम स्तर तक पहुंचने की संभावना रखता है। इसके अलावा जौ जैसे अन्य अनाजों के उत्पादन में भी इजाफे की उम्मीद है।

अनुमान है कि 2025 के अंत तक वैश्विक अनाज भंडार 5.7 फीसदी बढ़कर 91.6 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाएगा। यह 2017-18 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर होगा। यानी वर्ष 2025-26 में दुनिया के पास जितना अनाज उपभोग के लिए आवश्यक होगा, उसका लगभग 31.1 प्रतिशतअतिरिक्त भंडार पहले से मौजूद रहेगा। यह अनुपात जितना ऊंचा होगा।

आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल ने बढ़ाया उत्पादन

2025 में चरम मौसमी घटनाओं के बावजूद वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड अनाज उत्पादन इसलिए संभव हो पा रहा है, क्योंकि कई देशों ने जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों और उन्नत बीजों का बड़े पैमाने पर उपयोग शुरू कर दिया था। वह आधुनिक सिंचाई प्रणालियों और सैटेलाइट आधार्ति फसल निगरानी तकनीक से उपज बढ़ा रहा है। वहीं, अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस–आधारित कृषि पूर्वानुमान प्रणालियों और जलवायु–सहनशील फसलों के उपयोग ने उत्पादन को स्थिर बनाए रखा।

हर मंगलवार 5 बजे ऑफिस छोड़ने से मिला फायदा, वर्क लाइफ बैलेंस पर नेटफ्लिक्स के को-फाउंडर

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉर्पोरेट जगत में वर्क लाइफ बैलेंस को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। इस बीच नेटफ्लिक्स के सह संस्थापक मार्क रैंडोल्फ का नया बयान है। नेटफ्लिक्स के सह-संस्थापक मार्क रैंडोल्फ ने अपने व्यस्त जीवन में एक ऐसा नियम अपनाया, जिसने उन्हें तीन दशकों तक संतुलित और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाए रखा। रैंडोल्फ का यह नियम बेहद सरल है, हर मंगलवार शाम 5 बजे ऑफिस से निकल जाना, चाहे कुछ भी हो जाए।

कैसे बनाए रखा यह नियम: रैंडोल्फ ने एक पुराने लिंक्डइन पोस्ट में अपने इस रूटीन को याद करते हुए बताया कि यह आदत उन्होंने अपने काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए अपनाई थी। उन्होंने लिखा कि 30 साल से ज्यादा वक्त तक, मैं हर मंगलवार बिल्कुल 5 बजे ऑफिस से निकल जाता था बारिश हो या धूप, कभी भी देर नहीं

की। उस शाम को मैं अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ बिताता था। हम कभी फिल्म देखने जाते, कभी डिनर करते या बस शहर में टहलते।

रैंडोल्फ के मुताबिक, उस समय कोई मीटिंग, कॉन्फ्रेंस कॉल या जरूरी काम भी इस रूटीन को नहीं रोक सकता था। उन्होंने कहा कि अगर किसी को मुझसे मंगलवार को 4:55 बजे बात करनी होती, तो उसे पार्किंग लॉट तक चलते हुए कहना पड़ता था। अगर कोई संकट भी होता, तो हम उसे 5 बजे तक निपटा लेते थे।

भारत बना वैश्विक स्टार्टअप्स की पसंद
सिंगापुर और कनाडा की कंपनियां दिखा रहीं गहरी रुचि

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम अब विदेशी उद्यमियों को आकर्षित कर रही है। सिंगापुर और कनाडा के कई अंतरराष्ट्रीय स्टार्टअप्स ने भारत में अवसर तलाशने के लिए उत्सुक हैं। इन कंपनियों ने अपनी यह इच्छा ईपीआईसी 2025 ग्लोबल पिच प्रतियोगिता के दौरान व्यक्त की, जो हांगकांग साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क्स कॉर्पोरेशन (एचकेएसटीपी) की ओर से आयोजित की गई थी।

इस कार्यक्रम में 70 से अधिक अर्थव्यवस्थाओं से आए 1,200 आवेदनों में से 100 स्टार्टअप्स को शॉर्टलिस्ट किया गया, जिनमें दो भारतीय कंपनियां भी शामिल थीं। इन्हें तीन कैटेगरी डिजिटल हेल्थ टेक, फिनटेक और ग्रीनटेक में चुना गया। यह वार्षिक आयोजन दुनिया भर के स्टार्टअप्स

को निवेशकों, कॉरपोरेट पार्टनर्स और उभरते बाजारों से जोड़ने का प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। एचकेएसटीपी के चेयरमैन सनी चाई ने कहा कि हम हांगकांग की वैश्विक कनेक्टिविटी को अवसर में बदल रहे हैं, ताकि आइडियाज सीमाओं के पार बढ़ें और विस्तार पा सकें।

भारत में स्टार्टअप्स के लिए बेहतरीन इकोसिस्टम: सिंगापुर स्थित एनईयू बैटरी मैटेरियल्स के संस्थापक और सीईओ ब्रायन ओह ने कहा कि उनकी कंपनी बैटरी रीसाइक्लिंग के क्षेत्र में वैश्विक समाधान देना चाहती है। उन्होंने कहा कि भारत एक बड़ा बाजार है, जहां स्टार्टअप्स के लिए बेहतरीन इकोसिस्टम है। दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बड़ी संख्या भारत को बैटरी रीसाइक्लिंग के लिए उपयुक्त बनाती है। हम यहां की सरकारी नीतियों और पहलों के बारे में अधिक जानना चाहते हैं। वहीं सिंगापुर की बेली कंपनी के प्रोडक्ट इंजीनियर जेडन लू ने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था निवेशकों के लिए बड़ी संभावना पेश करती है। उन्होंने कहा कि भारत में विशाल जनसंख्या और मजबूत स्टार्टअप नींव के चलते निवेशकों के लिए बड़ा अवसर है। मैं भारत में स्टार्टअप्स का उज्जवल भविष्य देखता हूं। कनाडा स्थित केए इमेजिंग के अध्यक्ष और सीईओ अमोल एस कर्णिक ने कहा कि वे भारत में प्रवेश के अवसर तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम भारत में सही साझेदार और निवेशक ढूंढ रहे हैं ताकि अपने काम को तेजी से आगे बढ़ा सकें।

दफ्तरों में 36005 वर्ग फुट जगह खाली कराई गई
वाणिज्य विभाग ने चलाया स्वच्छता से जुड़ा अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी।
वाणिज्य विभाग ने 2 अक्तूबर से 31 अक्तूबर 2025 तक आयोजित स्वच्छता से जुड़े विशेष अभियान 5.0 का सफलतापूर्वक समापन किया। अभियान का मकसद स्वच्छता को बढ़ावा देना, कार्यकुशलता में सुधार लाना और विभाग, उसके सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) व संबद्ध संगठनों में लंबित शिकायतों को दूर करना था। विभाग ने इस पहल के तहत प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, मुद्दों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने और कार्यस्थल प्रबंधन और स्वच्छता मानकों को बढ़ाने की कोशिश की।

विशेष अभियान 5.0 की प्रगति की विभाग के नोडल अधिकारी और उसके क्षेत्र संगठनों द्वारा बारीकी से निगरानी की गई। विभाग और उसके सार्वजनिक उपक्रमों और संगठनों के अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी अभियान की सफलता को आगे बढ़ाने में सहायक रही। मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि कुल 277 स्वच्छता अभियान चलाए गए। इस दौरान ई-कचरे और स्क्रैप के निपटान से लगभग 70 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। ऐसा होने से दफ्तरों में 36,005 वर्ग फुट जगह खाली हुई।

अभियान के दौरान मुंबई में एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीजीसी) मुख्यालय में बड़े पैमाने पर चार्जिंग पॉइंट्स लगाकर इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की कोशिश की गई। वहीं रूफटॉप सौर ऊर्जा

प्रणालियों की स्थापना के जरिए कार्बन फुटप्रिंट कम करने की की पहल हुई। हरियाली बढाकर और बेहतर पार्किंग सुविधाओं के साथ कार्यालय परिसर में भी सकारात्मक बदलाव किए गए। मद्रास एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग ज़ोन (एमईपीजेड) परिसर के पास झील का भी पुनरुद्धार किया गया। पहल के दौरान डिजिटलीकरण और रिकॉर्ड प्रबंधन, एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ई-कचरे पर जागरूकता अभियान चलाया गया। साथ ही, बिजली के उपकरणों और लिफ्ट की भी जांच की गई।

डिजिटल गोल्ड खरीदना सुरक्षित है सेबी ने निवेशकों के लिए जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी।
बाजार नियामक सेबी ने शनिवार को निवेशकों को डिजिटल या ई-गोल्ड उत्पादों में निवेश न करने की चेतावनी दी। सेबी ने कहा कि ऐसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म नियामक ढांचे से बाहर हैं और इनमें निवेश करना काफी जोखिम भरा है। सेबी की ओर से यह चेतावनी तब आई है जब सेबी ने पाया कि कुछ ऑनलाइन मंच भौतिक सोने में निवेश के आसान विकल्प के रूप में 'डिजिटल गोल्ड' या 'ई-गोल्ड' उत्पादों का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं।

सेबी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पाद सेबी द्वारा विनियमित गोल्ड उत्पादों से अलग हैं, क्योंकि इन्हें न तो प्रतिभूति के रूप में अधिसूचित किया गया है और न ही ये कमोडिटी डेरिवेटिव्स के रूप में विनियमित हैं। ये पूरी तरह से सेबी के अधिकार क्षेत्र से बाहर संचालित होते हैं। सेबी ने आगे

स्पष्ट किया कि विनियमित प्रतिभूतियों पर लागू निवेशक संरक्षण तंत्र ऐसी अनियमित डिजिटल गोल्ड योजनाओं पर लागू नहीं होगा।

बयान में आगे कहा गया, ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पाद निवेशकों के लिए काफी जोखिम पैदा कर सकते हैं और निवेशकों को प्रतिपक्ष और परिचालन जोखिमों के प्रति संवेदनशील बना सकते हैं। सेबी ने स्पष्ट किया कि निवेशक संरक्षण तंत्र जो विनियमित प्रतिभूतियों पर लागू होते हैं, वे इन अनियमित डिजिटल गोल्ड योजनाओं पर लागू नहीं होंगे।

बताया कहां करें निवेश

नियामक ने कहा कि निवेशक सेबी-विनियमित उत्पादों के माध्यम से सोने में निवेश कर सकते हैं। जैसे म्यूचुअल फंड द्वारा पेश किए जाने वाले गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ), एक्सचेंज-ट्रेडेड कमोडिटी डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स और स्टॉक एक्सचेंजों पर ट्रेड किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स। सेबी ने यह भी जोड़ा कि इन विनियमित गोल्ड उत्पादों में निवेश पंजीकृत मध्यस्थों के माध्यम से किया जा सकता है और ये सेबी द्वारा निर्धारित नियामकीय ढांचे के अंतर्गत आते हैं।

डिजिटल गोल्ड क्या होता है

दरअसल, डिजिटल गोल्ड घर बैठे ऑनलाइन सोना खरीदने का एक तरीका है। इसे आप ऐसे भी समझ सकते हैं कि इसे खरीदने के लिए किसी दुकान पर नहीं जाना पड़ता, बल्कि घर बैठे आप इसे अपने मोबाइल से खरीद सकते हैं और अपने एप के वॉलेट में सुरक्षित रख सकते हैं। साथ ही कभी भी जरूरत पड़ने पर अपने हिसाब से इस बेच सकते हैं।

वर्ल्ड कप विजेता शेफाली वर्मा का रोहतक में भव्य स्वागत

ढोल-नगाड़ों और फूलों से सजी सड़कों पर उमड़े लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला विश्व कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन कर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली शेफाली वर्मा रविवार को अपने गृह नगर रोहतक पहुंचीं। महिला विश्व कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन कर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली शेफाली वर्मा रविवार को अपने गृह नगर रोहतक पहुंचीं।

यह विश्व कप विजय के बाद उनकी पहली घर वापसी थी। दिल्ली-रोहतक हाईवे पर सांपला के पास रोहद टोल प्लाजा पर अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार और प्रशासनिक अधिकारियों ने शेफाली का फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। इस दौरान शेफाली ने अपनी कार की सनरूफ से बाहर आकर हाथ हिलाते हुए लोगों का अभिवादन किया। चारों ओर भारत माता की जय के नारे गूंजे, लोग तिरंगा लहराते दिखे और देशभक्ति गीतों से पूरा माहौल उत्साह और गर्व से भर गया।

इसके बाद शेफाली वर्मा सर्किट हाउस पहुंचीं, जहां उनके सम्मान में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी और पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

गोल्डस्मिथ एसोसिएशन से जुड़े और परिवार के सदस्य योगेंद्र वर्मा ने कहा, यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि हरियाणा और रोहतक की बेटी ने देश को विश्व चैंपियन बनाया और अब वह अपने घर लौटी है। पिछला एक साल संघर्षभरा था, मेहनत का फल वर्ल्ड कप में मिलाः शेफाली वर्मा

सम्मान समारोह के दौरान मीडिया से बातचीत में शेफाली ने कहा कि पिछला एक साल उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा।

उन्होंने कहा, मैंने बहुत संघर्ष किया, लगातार मेहनत की और भगवान ने उसका प्रतिफल दिया। सेमीफाइनल से पहले टीम में शामिल हुई तो एक ही लक्ष्य था–भारत को जीत दिलाना।

उन्होंने कहा कि फाइनल मैच में शुरुआत में थोड़ी घबराहट थी, लेकिन उन्होंने खुद को शांत रखते हुए रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया और उसी के अनुसार प्रदर्शन किया।

शेफाली ने कहा, मुझे सेंचुरी नहीं बनाने का कोई अफसोस नहीं है। वर्ल्ड कप जीतना ही असली लक्ष्य था। जब देश जीतता है, तो व्यक्तिगत उपलब्धि मायने नहीं रखती।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री जी ने करीब दो घंटे हमारे साथ बिताए और हमें प्रेरित किया। यह हमारे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। युवा लड़कियों को संदेश देते हुए शेफाली ने कहा, अपने हुनर पर भरोसा रखें और मेहनत करती रहें।

अगर विश्वास और निरंतर प्रयास हो, तो कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने बताया कि फाइनल से पहले परिवार ने उनका उत्साह बढ़ाया पापा और परिवार ने मुझे मेरे पुराने प्रदर्शन याद दिलाए, जिससे मुझे आत्मविश्वास मिला।

लिएंडर पेस अब करेंगे बंगाल टेनिस का नेतृत्व, संघ के अध्यक्ष का पदभार संभाला

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस ने शनिवार को बंगाल टेनिस संघ (बीटीए) के अध्यक्ष पद का कार्यभार औपचारिक रूप से संभाल लिया।

भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस ने शनिवार को बंगाल टेनिस संघ (बीटीए) के अध्यक्ष पद का कार्यभार औपचारिक रूप से संभाल लिया। उन्होंने हिरण्मय चटर्जी का स्थान लिया। बीटीए की वार्षिक आम बैठक के बाद पेस ने अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी ग्रहण की। उन्हें पिछले महीने संघ के प्रमुख पद के लिए सर्वसम्मति से चुना गया था। पुरुष और मिश्रित युगल में 18 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन पेस पहले बीटीए के मानद उपाध्यक्ष थे। उन्होंने कहा कि वे बंगाल टेनिस को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आखिरी ओवर में 12 रन नहीं बना सकी वेस्टइंडीज

न्यूजीलैंड ने तीसरे टी-20 में 9 रन से हराया

कीवी टीम सीरीज में 2-1 से आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने रविवार को नेल्सन में खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 9 रन से हरा दिया। कीवी टीम ने इसी के साथ 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 178 रन बनाए, जिसके जवाब में कैरेबियाई टीम 19.5 ओवर में 168 रन पर ऑलआउट हो गई।

वेस्टइंडीज को आखिरी ओवर में जीत के लिए 12 रन की जरूरत थी, लेकिन टीम यह टारगेट हासिल नहीं कर सकी। अब दोनों टीमें चौथा टी-20 मुकाबला कल यानी 10 नवंबर को नेल्सन में ही खेलेंगी, जहां वेस्टइंडीज सीरीज में बराबरी की कोशिश करेगी।

कॉन्वे का अर्धशतक- वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी-20 में डेवोन कॉन्वे और टिम रॉबिन्सन ने न्यूजीलैंड के लिए जबरदस्त शुरुआत की। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 47 रन की पार्टनरशिप हुई। हालांकि, रॉबिन्सन 21 गेंद में 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा कॉन्वे ने 34 गेंद में 56 रन की पारी खेली।

चौथे नंबर पर बैटिंग करने उतरे डेरिल मिचेल ने भी 24 गेंद में 41 रन की पारी खेली, जबकि रचिन रवींद्र ने 15 गेंद में 26 रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज के लिए मैथ्यू फोर्ड और जेसन होल्डर ने 2-2 विकेट झटके। रोमारियो शेफर्ड और शमर स्प्रिंगर को 1-1 मिला।

ईश सोढी प्लेयर ऑफ द मैच- 178 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर अमीर जंगू 13 रन के स्कोर पर आउट हो गए। जंगू (5) को जैकब डफी ने बोल्ड कर दिया। दूसरा विकेट 15 रन के स्कोर पर गिरा। शाई होप (1) को ईश सोढ़ी ने आउट किया। इसके बाद एकीम ऑगस्टे और एलिक एथानजे ने पारी को संभालने का काम किया, लेकिन कीवी गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज के लिए एक भी पार्टनरशिप को मजबूत नहीं होने दिया। ऐसे में टीम ने 88 रन के स्कोर पर अपने 8 विकेट गंवा दिए।

लेकिन, लोअर ऑर्डर में रोमारियो शेफर्ड ने 49 और शमार स्प्रिंगर ने 20 गेंद में 39 रन की पारी खेलकर मैच को रोमांचक बपना दिया। हालांकि, इसके बावजूद टीम आखिरी ओवर में 12 रन नहीं बनी सकी और मैच 9 रन से हार गई। ईश सोढी ने 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके अलावा डफी ने भी 3 विकेट लिए। इन दोनों के बाद काइल जैमीसन, माइकल ब्रेसवेल और कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी एक-एक विकेट अपने नाम किए।

● ईश सोढी ने 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इंडोनेशिया की महिला टीम टी-20 विश्व कप में प्रवेश के लिए धर्मशाला में कर रही तैयारी

धर्मशाला, एजेंसी। इंग्लैंड की ठंडी फिजाओं में जून, 2026 में होने वाले महिला टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इंडोनेशिया की टीम धर्मशाला में तैयारी कर रही है। महिला क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप में प्रवेश पाने के लिए खूब पसीना बहा रही है। महिला टीम 2026 में इंग्लैंड में होने वाले महिला टी-20 वर्ल्ड कप में क्वालिफाई करना चाहती है। इसके लिए टीम ने धर्मशाला के ठंडे वातावरण में तीन दिन प्रैक्टिस की है, जबकि सोमवार को इंडोनेशिया की टीम हिमाचल के साथ ऊना में मैच खेलेगी। जानकारी के अनुसार इंडोनेशिया की महिला क्रिकेट टीम हिमाचल की ठंडी वादियों में क्रिकेट की बारीकियां सीख रही है। अगले वर्ष होने वाले महिला टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी इंग्लैंड करेगा। इंग्लैंड के क्रिकेट स्टेडियमों की स्थिति ठंडी होती है, क्योंकि वहां का मौसम सामान्यतया ठंडा और नम रहता है। इंग्लैंड की पिचें अक्सर हरी-भरी और स्विंग को बढ़ावा देने वाली होती हैं, जो मौसम के अनुरूप बदलती रहती हैं।

वहीं इन ठंडी पिचों पर खेलने के अभ्यास के लिए इंडोनेशिया की महिला टीम हिमाचल में प्रैक्टिस कर रही है। इंडोनेशिया की 14 सदस्यीय टीम भारत मूल के अपने हेड कोच विकास यादव, इंग्लैंड मूल के कोच एंडी कॉटन की अगवाई में धर्मशाला पहुंची है। महिला टीम एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में प्रैक्टिस कर रही है। टीम रविवार को भी स्टेडियम में नैट पर प्रैक्टिस करेगी।

● कोच एंडी कॉटन ने की धर्मशाला स्टेडियम की तारीफ

इंडोनेशिया की टीम के कोच एंडी कॉटन ने धर्मशाला स्टेडियम की खूबसूरती की तारीफ करते हुए कहा कि वह इंग्लैंड से संबंध रखते हैं। ऐसे में धर्मशाला और इंग्लैंड के मौसम में कुछ ज्यादा अंतर नहीं है। उनकी टीम का प्रयास रहेगा कि वह अगले वर्ष इंग्लैंड में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में अच्छा प्रदर्शन करे। कोच ने बताया कि धर्मशाला आने का उनका मकसद यहां की ठंडी पिचों पर प्रैक्टिस करना है। इसके अलावा एचपीसीए की ओर से महिला टीम के साथ कुछ मैच भी रखे हैं, जिसका वह फायदा उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाड़ी जितना अन्य टीमों के साथ खेलेंगे, उनके प्रदर्शन में उतना ही सुधार होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि धर्मशाला में खिलाड़ियों द्वारा किए जा रहे अभ्यास से इंग्लैंड की स्विंग करती हुई पिचों पर खेलने में मदद करेगी।

आरसीबी की नई

असिस्टेंट कोच होंगी अन्या श्रुबसोल फ्रेंचाइजी ने कर दी पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर अन्या श्रुबसोल को असिस्टेंट कोच नियुक्त करने की पुष्टि की है। वनडे वर्ल्ड कप 2017 की विजेता पहली बार विमेंस प्रीमियर लीग (डब्लूपीएल) में आरसीबी के सेटअप का हिस्सा होंगी। अन्या श्रुबसोल अब मलोलन रंगराजन के साथ जिम्मेदारी संभालेंगी, जिन्हें आगामी सीजन के लिए हेड कोच के रूप में पदोन्नत किया गया है। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा करते हुए लिखा, एक चैंपियन, अब हमारी लड़कियों का मार्गदर्शन करने के लिए आगे आ रही हैं। इंग्लैंड की पूर्व तेज गेंदबाज, 2017 महिला विश्व कप विजेता और फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहीं अन्या श्रुबसोल का डब्लूपीएल में आरसीबी के असिस्टेंट कोच के रूप में स्वागत करने में हमारे साथ शामिल हों। अन्या का अनुभव और चैंपियन मानसिकता आरसीबी के प्लेबोल्ड दर्शन को आगे ले जाएगी। श्रुबसोल साल 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले चुकी हैं। उनके नाम 200 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट दर्ज हैं। श्रुबसोल ने अब अपना ध्यान कोचिंग पर केंद्रित कर लिया है। वह इंग्लिश घरेलू सर्किट में सदर्न वाइपर्स में चार्लोट एडवर्ड्स के अधीन प्लेयर-असिस्टेंट कोच के रूप में काम कर चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि यह बदलाव 2024 और 2025 के अभियानों के दौरान आरसीबी के हेड कोच रहे ल्यूक विलियम्स के बिग बैश लीग (बीबीएल) में एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण सीजन से बाहर होने के बाद हुए हैं। आरसीबी ने इस सप्ताह की शुरुआत में डब्ल्यूपीएल 2026 की मेगा नीलामी से पहले स्मृति मंधाना, ऋचा घोष, एलिस पेरी और श्रेयंका पाटिल को टीम में बनाए रखने की घोषणा की है। डब्ल्यूपीएल 2024 में आरसीबी को जीत दिलाने वालीं कप्तान स्मृति मंधाना अपनी भूमिका जारी रखेंगी। उन्हें 3.5 करोड़ रुपये

जोकोविच ने फैंस को चौंकाया, एटीपी फाइनल्स से नाम लिया वापस

एथेंस, एजेंसी। स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने एथेंस में शानदार जीत दर्ज करने के कुछ घंटों बाद ही एटीपी फाइनल्स से नाम वापस लेने का ऐलान करते हुए फैंस को चौंका दिया। नोवाक जोकोविच ने हेलेनिक चैंपियनशिप में खिताब जीता। 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने करीब 3 घंटों तक चले फाइनल में लोरेंजो मुसेट्टी को 4-6, 6-3, 7-5 से शिकस्त दी। इस दौरान निर्णायक सेट में 13 ब्रेक प्वाइंट और पांच बार सर्विस ब्रेक शामिल थे।

मुसेट्टी को एटीपी टूर फाइनल में लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने साल 2022 में हैम्बर्ग और नेपल्स में अपने पहले दो खिताब जीते थे। जीत के बाद जोकोविच ने सोशल मीडिया पर एटीपी फाइनल्स से नाम वापस लेने की घोषणा करते हुए कहा, मुझे दुख है कि चोट की वजह से एटीपी फाइनल्स से हटना पड़ रहा है। मुझे स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। मैं उन फैंस से माफी चाहता हूं, जो मुझे खेलते हुए देखने की उम्मीद कर रहे थे। आपका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

इस फैसले के बाद मुसेट्टी अब उनकी जगह ट्यूरिन में खेले जाने वाले एटीपी फाइनल्स में शामिल होंगे। इससे पहले साल 2024 में भी जोकोविच चोटिल होने की वजह से यह टूर्नामेंट मिस कर चुके हैं। हार्ड कोर्ट पर अपने 72वें टूर-स्तरीय खिताब के साथ जोकोविच ने ओपन एरा में सर्वाधिक खिताब जीतने के मामले में रोजर फेडरर की बराबरी कर ली है।

जीत के बाद नोवाक जोकोविच ने कहा, मैं यह जीत ग्रीस के लोगों को समर्पित करता हूं। आप मेरा समर्थन करते हैं। आप टेनिस का समर्थन करते हैं। आपने मुझे घर जैसा महसूस कराया है। यह जीत यहां इतने सारे परिवारों के साथ और भी खास लगती है।

इस खूबसूरत टूर्नामेंट को इतना खास बनाने वाले सभी लोगों का भी बहुत-बहुत आभार।

जोकोविच ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मुसेट्टी, क्या शानदार मुकाबला था। अविश्वसनीय प्रदर्शन और टूर्नामेंट के लिए बधाई। इसे जारी रखो, तुम्हारा भविष्य उज्ज्वल है।

वैभव सूर्यवंशी-प्रियांश आर्या ओपनर नेहल वढेरा-नमन धीर को भी मौका

एशिया कप के लिए इंडिया ए की बेस्ट प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली, एजेंसी। राइजिंग स्टार्स एशिया कप का आयोजन 14 नवंबर से 23 नवंबर तक दोहा में किया जाएगा। इस टूर्नामेंट के सभी मैच वेस्ट एंड इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के लिए इंडिया ए टीम का ऐलान 5 नवंबर को ही कर दिया था। इस बार इंडिया को ग्रुप बी में ओमान, यूएई और पाकिस्तान ए के साथ रखा गया है।

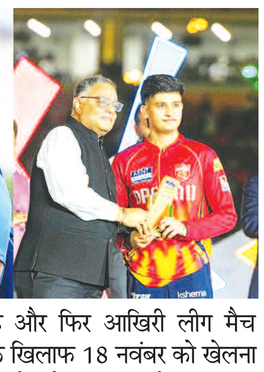

राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए इंडिया ए की बेस्ट प्लेइंग इलेवन- भारत को लीग स्टेज में अपना पहला मैच 14 नवंबर को यूएई के साथ खेलना है और इसके बाद दूसरा मैच पाकिस्तान ए के खिलाफ 16 नवंबर को खेलना है और फिर आखिरी लीग मैच ओमान के खिलाफ 18 नवंबर को खेलना है। इस टूर्नामेंट के लिए एक बेहद मजबूत इंडिया ए टीम का चयन किया गया है जिसमें एक से बढ़कर एक स्टार प्लेयर्स मौजूद हैं।

इस एशिया कप के लिए इंडिया को बेहद मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है।

विश्व चैंपियन डी गुकेश फिडे विश्व कप से बाहर, जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन ने हराया

पणजी, एजेंसी। विश्व चैंपियन डी गुकेश शनिवार को फिडे विश्व कप के तीसरे दौर में जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन से हारकर बाहर हो गए। भारत के शतरंज प्रेमियों के लिए गुकेश का तीसरे दौर से ही बाहर होना चौंकाने वाला है। गुकेश तीसरे दौर की दूसरी बाजी सामान्य समय नियंत्रण में फ्रेडरिक स्वेन से हार गए। गुकेश ने स्थिति का आकलन करने में गलती की। स्वेन ने अंतिम खेल में अपने बेदाग कौशल का प्रदर्शन करके इतिहास रच दिया। अर्जुन एरिगैसी और आर प्रज्ञानंदा अंतिम-32 चरण में जगह बनाने में सफल रहे।

एरिगैसी और प्रज्ञानंदा ने क्रमशः उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन वोखिदोव और आर्मेनिया के रॉबर्ट होवहानिस्यान

से कुछ नहीं कर पाए थे, और भारतीय के खिलाफ पहली बाजी हार निर्णायक साबित हुई। प्रणव ने शुक्रवार को सफेद मोहरों से पहली बाजी जीतने के बाद काले मोहरों से बाजी ड्रॉ कर ली। स्ट्रेमाविसियस ने प्रणव की रक्षापंक्ति को भेदने की भरपूर कोशिश की, लेकिन प्रणव ने रूक-एंड-पॉन्स एंडगेम में खेल को ड्रॉ पर ला दिया।

दिप्तयान घोष अर्मेनियाई गैब्रियल सर्गिसियन के खिलाफ हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। पहले गेम में सफेद मोहरों से आसान ड्रॉ हासिल करने के बाद, दिप्तयान, जिन्होंने पिछले राउंड में रूस के इयान नेपोमनियाची को हराया था, दूसरे गेम में अपनी लय नहीं पकड़ पाए और 0.5-1.5 से हार गए।

‘हक’ में यामी गौतम की एक्टिंग के कायल हुए निर्देशक सुपर्ण

यामी गौतम और इमरान हाशमी स्टारर फिल्म ‘हक’ के निर्देशक सुपर्ण एस वर्मा हैं। यह फिल्म 1978 के शाह बानो पर इंस्पायर है। हाल ही में निर्देशक ने महिलाओं के अधिकारों, समस्याओं को लेकर बातचीत की।

फिल्म ‘हक’ में महिलाओं के सम्मान पाने और बुनियादी मानवधिकारों के संघर्ष को दिखाया गया है। बातचीत में निर्देशक सुपर्ण एस वर्मा ने कहा, ‘आज भी महिलाएं अपने अस्तित्व के लिए समाज से लड़ रही हैं। हम कई हाशिए पर पड़े समूहों की बात करते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि दुनिया का सबसे बड़ा पिछड़ा वर्ग अभी भी महिलाएं हैं।’

वह आगे कहते हैं, ‘एक कहावत है कि चीजें जितनी बदलती हैं, उतनी ही वैसी ही रहती हैं। हालात आज भी वही हैं। यही हाल आज महिलाओं का भी है। एक पुरुष और एक महिला के बीच का अंतर आज भी वही है। ये ऐसे मुद्दे हैं, जो पूरी दुनिया में मौजूद हैं। यही फिल्म ‘हक’ में शाजिया बानो की कहानी है।’ बताते चलें कि यह फिल्म मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम केस से इंस्पायर है।

यामी गौतम के अभिनय को सराहा

फिल्म ‘हक’ में यामी गौतम ने शाजिया बानो और हाशमी ने उनके पति वकील अब्बास खान का रोल निभाया है। निर्देशक ने यामी गौतम की मेहनत और अभिनय को काफी सराहा है। सुपर्ण कहते हैं, ‘आपने यामी की कई फिल्में देखी होंगी, उनके चलने और बोलने का एक अलग अंदाज है। उन्होंने शाजिया बानो के किरदार को गढ़ने के लिए अपने अंदर की हर चीज को नया रूप दिया। वह सेट पर शाजिया बानो बन गईं। हम 32 दिनों तक सेट पर रहे, हमने यामी को नहीं देखा। हमने सिर्फ शाजिया बानो को देखा। मुझे लगता है कि यह उनके करियर की बेस्ट एक्टिंग परफॉर्मेंस है। यहां से वह और भी ऊंचाइयों को छूएंगी।’

तलाक की अफवाहों के बीच

माही विज ने फैंस को सुनाई गुड न्यूज

जय भानुशाली संग तलाक की खबरों को लेकर इन दिनों सुर्खियों में चल रहीं अभिनेत्री माही विज अब अस्पताल से घर आ गई हैं। एक्ट्रेस ने खुद ही तस्वीर जारी करते हुए फैंस को अपडेट दिया है। टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री माही विज ने हाल ही में अपनी सेहत को लेकर फैंस को राहत भरी खबर दी है। बीते कुछ दिनों से वह तेज बुखार और कमजोरी की वजह से अस्पताल में भर्ती थीं, लेकिन अब एक्ट्रेस पूरी तरह से स्वस्थ होकर अपने घर लौट आई हैं। सोशल मीडिया पर माही ने अपनी बेटी तारा और फैमिली के साथ एक प्यारी तस्वीर साझा करते हुए फैंस को गुड न्यूज सुनाई है।

अस्पताल से घर लौटीं माही विज

43 वर्षीय माही विज को अचानक तेज बुखार और कंपकंपी की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टर्स ने उनकी कई जांचें कीं- मलेरिया, डेंगू और टाइफॉयड जैसी बीमारियों के टेस्ट भी हुए, मगर सभी रिपोर्ट्स निगेटिव आईं। इसके बाद पता चला कि उन्हें गंभीर वायरल इंफेक्शन हुआ था। माही ने फैंस को अपनी हेल्थ अपडेट खुद इंस्टाग्राम वीडियो के जरिए दी थी, जिसमें उन्होंने कहा था, यह वायरल बहुत तेज है, और सबसे ज्यादा तकलीफ इस बात की है कि मैं शूट पर नहीं जा पा रही हूं। अब माही ने तस्वीर शेयर करते हुए बताया है कि वो घर लौट चुकी हैं।

अधूरी रह गई शूटिंग

माही ने बताया था कि जिस प्रोजेक्ट की शूटिंग वह कर रही थीं, वो उनके करियर का एक सपनों जैसा प्रोजेक्ट है। उन्होंने कहा था कि इस शो के लिए उन्होंने दिन-रात मेहनत की थी, लेकिन बीमारी के चलते उन्हें शूट रोकना पड़ा। उन्होंने फैंस से दुआओं की अपील करते हुए कहा था, बस प्रार्थना कीजिए कि मैं जल्द ठीक होकर अपने सेट पर लौट सकूं।

थिएटर में होगा धमाका!

फिर साथ आ रहे हैं आमिर खान और उर्मिला मातोंडकर, मिलेगा बड़ा सरप्राइज

आमिर खान की फिल्मों के लिए फैन्स की दीवानगी जरा भी कम नहीं हुई है. इसी बीच पता चला है कि उनकी और उर्मिला मातोंडकर की एक पुरानी फिल्म फिर से सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. लेकिन इस बार फैन्स को एक बड़ा सरप्राइज भी मिलने जा रहा है.

सुपरस्टार आमिर खान की फिल्मों का फैन्स को बेसब्री से इंतजार रहता है. वहीं अब जब पुरानी फिल्मों को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज करने का सिलसिला शुरू हो चुका है, तो आमिर की पुरानी पिक्चर भी थिएटर में दस्तक देने के लिए तैयार हैं. एक बार फिर से आमिर और उर्मिला मातोंडकर की जोड़ी बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाली है. दोनों की एक पुरानी फिल्म फिर से थिएटर में दस्तक देगी. हालांकि इस फिल्म के साथ फैन्स को एक बड़ा सरप्राइज भी मिलने वाला है. हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, वो रंगीला है. फिल्म रंगीला की अपनी अलग ही फैन फॉलोइंग है. साल 1995 की यह लोकप्रिय रोमांटिक ड्रामा 28 नवंबर को नए yK HD फॉर्मेट में बड़े पर्दे पर वापसी करेगी, जिसके जरिए दर्शकों को एक नया एक्सपीरियंस मिलने वाला है.

फिल्म रंगीला फिर से होगी रिलीज

यह रोमांचक री-रिलीज़ अल्ट्रा मीडिया की अल्ट्रा रिवाइंड पहल के तहत हो रही है, जिसका मकसद बेहतर तकनीकी गुणवत्ता के साथ क्लासिक फिल्मों को सिनेमाघरों में वापस लाना है. रीमास्टर्ड वर्जन में सीन्स और साउंड डिज़ाइन में उल्लेखनीय सुधार का वादा किया गया है, जिससे दर्शक फिल्म को ठीक उसी तरह देख पाएंगे जैसा मेकर्स ने मूल रूप से इसकी कल्पना की थी.

थिएटर में मिलेगा फैन्स को सरप्राइज

अल्ट्रा मीडिया ने मॉर्डन सिनेमा स्क्रीन पर हर फ्रेम को शानदार दिखाने के लिए इसकी पुनर्स्थापना प्रक्रिया में काफी मेहनत की है. अल्ट्रा मीडिया के सीईओ सुशील कुमार अग्रवाल ने रंगीला को बॉलीवुड के सुनहरे दौर की एक यादगार जर्नी बताया. यह फिल्म हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की बैकड्रॉप पर बेस्ड सपनों, एम्बिशन और अनकहे प्यार की कहानी कहती है. आमिर खान, उर्मिला मातोंडकर और जैकी श्रॉफ ने अपने करियर के सबसे यादगार अभिनय को दर्शकों की यादों में आज भी ताज़ा रखा है. फिल्म का डायरेक्शन राम गोपाल वर्मा ने किया था. ये उनकी बेहतरीन फिल्मों में से एक मानी जाती है.

ऋषभ शेट्टी ने टीम के साथ मनाया फिल्म का जश्न

‘कांतारा चैप्टर 1 को लीजेंड बनाने के लिए फैंस का शुक्रिया’

‘कांतारा चैप्टर 1’ ने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अब ऋषभ शेट्टी ने इस सफलता के लिए फैंस का आभार जताया है। अभिनेता ऋषभ शेट्टी अपनी फिल्म ‘कांतारा चैप्टर 1’ को मिली अपार सफलता से काफी खुश हैं। 2 अक्तूबर को रिलीज हुई ‘कांतारा चैप्टर 1’ ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई की। साथ ही फिल्म को क्रिटिक्स ने भी काफी सराहा। अब इस प्रशंसा और प्रदर्शन से उत्साहित निर्देशक-एक्टर ऋषभ शेट्टी ने फिल्म को इतना प्यार देने के लिए दर्शकों का आभार जताया है। ऋषभ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी करके लोगों को फिल्म को पसंद करने के लिए शुक्रिया बोला है। साथ ही उन्होंने टीम के साथ फिल्म की सक्सेस पार्टी की कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं।

आपने फिल्म को बनाया ब्लॉकबस्टर

ऋषभ शेट्टी ने अपनी पोस्ट में ‘कांतारा चैप्टर 1’ के सफर को ऐतिहासिक बनाने के लिए दर्शकों के भरोसे को श्रेय दिया और उनका आभार जताया। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, ‘कांतारा चैप्टर 1 का सफर यादगार रहा है। हम जश्न मनाने के लिए एक टीम के रूप में एकत्र हुए, लेकिन यह जीत वास्तव में आप दर्शकों की है। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए हम सब एक साथ खड़े हैं और तहे दिल से शुक्रगुजार हैं। हम इस काम में जी-जान से जुट गए, लेकिन आपका अपार प्यार ही हमारी नियति बन गया, जिसने इसे एक ब्लॉकबस्टर बना दिया। इस फिल्म को एक लीजेंड बनाने के लिए तहे दिल से शुक्रिया।’

सनी लियोनी संग शो ‘स्प्लिट्सविला’ होस्ट करेंगे करण कुंद्रा

सीरियल ‘कितनी मोहब्बत है’ से करण कुंद्रा को पॉपुलैरिटी मिली। इसके बाद वह कई टीवी सीरियल का हिस्सा बने। आगे चलकर रियलिटी शो के होस्ट के तौर पर भी नजर आए। एमटीवी के ‘रोडीज’ और ‘लव स्कूल’ को करण कुंद्रा होस्ट कर चुके हैं। जल्द ही वह ‘स्प्लिट्सविला को होस्ट करेंगे। शो में उनकी को-होस्ट सनी लियोनी हैं। ‘स्प्लिट्सविला ’ को लेकर करण कुंद्रा काफी एक्साइटेड हैं। वह बातचीत में कहते हैं, ‘मैं 6 साल बाद एमटीवी पर वापस आ रहा हूं, यह बिल्कुल घर लौटने जैसा है। ‘स्प्लिट्सविला’ शो तो मुझे हमेशा पसंद है। यह शो मॉर्डन लव की जर्नी को दिखाता है।’ करण आगे कहते हैं, ‘स्प्लिट्सविला’ के नए सीजन को सनी लियोनी के साथ होस्ट करना एक शानदार एक्सपीरियंस होगा। मैं यह देखने के लिए एक्साइटेड हूं कि कंटेस्टेंट्स क्या नए ट्विस्ट शो में लेकर लाते हैं। मुझे भरोसा है कि यह सीजन पहले से ज्यादा बोल्ड होगा, सरप्राइज से भरा होगा।’

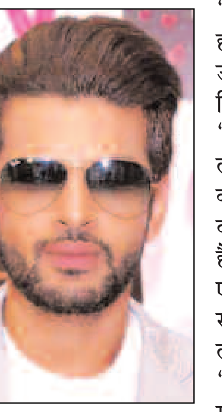

रश्मिका मंदाना ने सबके सामने कहा

मैं विजय से करूंगी शादी

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की सगाई की खबरें कुछ दिनों पहले आई थीं। अब दोनों की शादी की डेट्स को लेकर भी नए अपडेट्स आ रहे हैं, लेकिन इस बीच एक्ट्रेस का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के रिलेशन की खबरें काफी समय से आ रही हैं। वहीं कुछ दिनों पहले तो दोनों की सगाई की खबरें भी आई थीं। इसी बीच अब रश्मिका का एक स्टेटमेंट वायरल हो रहा है जिसमें वह खुद बोल रही हैं कि वह विजय से शादी करेंगी। जानें रश्मिका ने ये सब और क्यों कहा। रश्मिका से दरअसल, ऑनेस्ट टाउनहॉल इवेंट में पूछा गया कि जितने भी एक्टर्स के साथ आपने काम किया है, आप उनमें से किसे डेट, शादी और मारना चाहोगे? इस पर रश्मिका ने कहा कि मैं नारुतो को डेट करना चाहूंगी। मैं नारुतो से ऑब्सेस हूं और शादी विजय से करूंगी। रश्मिका के इस जवाब से पूरा क्राउड हूटिंग करने लगा। वहीं नारुतो और एनीमे को लेकर अपने प्यार के बारे में बताते हुए रश्मिका ने कहा, मैं सिर्फ एनीमे देखती हूं। मैं नारुतो देखते हुए बड़ी हुई हूं। इसमें लगभग 600 एपिसोड हैं और मैंने सभी देख लिए हैं।

शादी को लेकर आ रही खबर

रिपोर्ट के मुताबिक रश्मिका और विजय अगले साल शादी करने का प्लान बना रहे हैं। दोनों फरवरी में शादी कर सकते हैं।

जूटोपिया 2 में जुडी हॉप्स की आवाज बनेंगी श्रद्धा

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने शनिवार को जानकारी दी कि वे हॉलीवुड फिल्म जूटोपिया 2 में अपनी आवाज देंगी। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीर में श्रद्धा जूडी हॉप्स के साथ बैठी नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट कर इसे कैप्शन दिया, जूटोपिया 2 परिवार में शामिल होने के लिए और जूडी हॉप्स की आवाज देने के लिए बहुत खुश हूं। वह बहादुर, निडर, उत्साही और बहुत प्यारी है और मैं इसे बचपन से पसंद करती हूं। आज आपके लिए एक खास सरप्राइज भी आने वाला है। जुड़े रहिए।÷ अभिनेत्री की पोस्ट देखने के बाद फैंस जूटोपिया 2 के लिए काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। जूटोपिया 2016 की डिज्नी की एनिमेटेड फिल्म है, जिसमें एक खरगोश पुलिस अधिकारी (जूडी हॉप्स) और एक लोमड़ी ठग (निक वाइल्ड) एक रहस्यमय षड्यंत्र का पर्दाफाश करते हैं। इसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया भी मिली थी। साथ ही, इसने ऑस्कर भी जीता था। अब इसका सीक्वल जल्द ही आने वाला है, जिसे जारेड बुश और जोसी ट्रिनिडैड ने मिलकर निर्देशित किया है और जिसे आवाज श्रद्धा कपूर देंगी। अभिनेत्री जल्द ही पीरियड ड्रामा फिल्म में नजर आने वाली हैं। हालांकि, मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी जानकारी और नाम की घोषणा नहीं की है। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उटेकर करेंगे और यह फिल्म नवंबर से शुरू हो सकती है। इसी के साथ अभिनेत्री ने निर्माता एकता कपूर के साथ एक मल्टी-फिल्म के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धा एकता कपूर के एक और अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट में भी दिखेंगी। खबर है कि लोकप्रिय फिल्म धूम फ्रैंचाइजी के लिए भी श्रद्धा की बातचीत चल रही है।

अभिनेत्री को साल 2024 में अमर कौशिक द्वारा निर्देशित हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2: सरकटे का आतंक में देखा गया था। यह मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की चौथी फिल्म थी और 2018 में रिलीज हुई फिल्म स्त्री का सीक्वल थी।

ऐश्वर्या के भाई वाला रोल करने को तैयार थे सलमान

रतन जैन ने बताया एक्टर ने फिल्म जोश में काम करने के लिए भरी थी हामी

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान और आमिर खान ने कभी एक ही फिल्म में साथ काम नहीं किया है। अब प्रोड्यूसर रतन जैन ने बताया कि दोनों को फिल्म जोश में एक साथ कास्ट करने की प्लानिंग थी। हालांकि बाद में शाहरुख और चंद्रचूड़ सिंह ने वो रोल किए जो पहले शाहरुख और आमिर के लिए तय थे। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय भी थीं और ऐश्वर्या के भाई वाला रोल सलमान खान को भी ऑफर हुआ था। जिसको वो करने के लिए तैयार भी हो गए थे। हाल ही में रतन जैन ने बातचीत में बताया कि वो चाहते थे शाहरुख फिल्म में मैक्स का रोल करें, लेकिन फिल्म के डायरेक्टर मंसूर खान आमिर को मैक्स के रोल लेना चाहते थे। बता दें कि मंसूर आमिर खान के कजिन हैं। आमिर ने अपने करियर की शुरुआत मंसूर की फिल्म कयामत से कयामत तक से की थी। रतन जैन ने खिलाड़ी, बाजीगर और धड़कन जैसी हिट हिंदी फिल्मों का निर्माण किया है। रतन जैन ने खिलाड़ी, बाजीगर और धड़कन जैसी हिट हिंदी फिल्मों का निर्माण किया है। रतन ने कहा, हमने तय किया था कि आमिर वो रोल करेंगे जो चंद्रचूड़ ने निभाया और शाहरुख मैक्स बनेंगे। मंसूर ने कहा कि आमिर मैक्स करना चाहते हैं। मैंने कहा, ‘बिल्कुल नहीं, ये रोल सिर्फ शाहरुख करेंगे, वर्ना मैं फिल्म नहीं बनाऊंगा।’ रतन ने बताया कि जब शाहरुख को पता चला कि आमिर भी वही रोल करना चाहते हैं, तो उन्होंने डायरेक्टर और टीम से जॉइंट नरेशन रखने को कहा। रतन ने बताया, नरेशन शुरू होने से पहले मंसूर ने कहा कि आमिर मैक्स करना चाहते हैं।

साभार एजेंसी